नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• 5 जून 2025 गुरुवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 09 • अंक : 19 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

स्वास्थ्य विभाग के अधीन होगी जेल में कार्यरत चिकित्सकों की सेवा

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 12 प्रस्तावों पर लगी मुहर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। अब जेल में कार्यरत चिकित्सकों की सेवा स्वास्थ्य विभाग के अधीन होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में हुई कैबिनेट की बैठक में कारा चिकित्सकों की सेवा स्वास्थ्य विभाग में हस्तांतरित करने सहित 12 प्रस्तावों पर मुहर लगी है। कैबिनेट में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए प्रभारी कैबिनेट सचिव प्रशांत कुमार ने कहा कि अब राज्य के सीएससी में पूर्व की तरह आधार निबंधन का कार्य होगा। इसके अलावे मंत्रिपरिषद ने झारखंड नगरपालिका संवेदक निबंधन नियमावली में संशोधन करते हुए संवेदक को झारखंड का जीएसटी रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया है। इसके अलावा पाकुड़- बरहरवा मुख्य पथ से पाली गगन पहाड़ी-पश्चिम बंगाल बॉर्डर भाया कुसमा फाटक तक के सड़क निर्माण के लिए 40 करोड़ 39 लाख 98 हजार तीन सौ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है।

कैबिनेट की बैठक में झारखंड राज्य खनिज विकास निगम लिमिटेड के पदेन अध्यक्ष के रूप में खान एवं भूतत्व विभाग के सचिव को बनाने एवं पदेन प्रबंध निदेशक के रूप में निदेशक खान को नामित करने की स्वीकृति प्रदान की गई। अब तक जेएसएमडीसी अध्यक्ष का पद मनोनयन के आधार पर भरा जाता था। मंत्री परिषद ने गढ़वा नगर परिषद के अंतर्गत शहरी जलापूर्ति योजना के लिए 59 करोड़ 71 लाख 63 हजार 300 की तकनीकी स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके अलावा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अंतर्गत स्वीकृत पदों के पुनर्गठन की स्वीकृति प्रदान की गई। कैबिनेट ने डी झारखंड प्लेटफार्म बेस्ड गीग वर्क्स विधेयक 2025 के ड्राफ्ट की स्वीकृति प्रदान की है। इसे आने वाले विधानसभा सत्र में लाया जाएगा। कोटा और बोकारो में नवनिर्मित राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय में शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी के पद सृजन की स्वीकृति प्रदान की गई है। मंत्रिपरिषद ने राजकीय कन्या मध्य विद्यालयों की सहायक शिक्षिकाओं की नियुक्ति की वैधता के संबंध में सीबीआई के जांच प्रतिवेदन में अवैध और नियमित नियुक्ति घोषित शिक्षिकाओं के विरुद्ध की गई विभागीय कार्रवाई के विरुद्ध दिए गए न्यायालय आदेश के आलोक में उन्हें सेवा में पुनर्स्थापित मानते हुए सभी लाभ एवं पेंशन की स्वीकृति प्रदान की है।

1 अक्टूबर 2026 से दो चरणों में शुरू होगी जनगणना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार देश में जाति जनगणना का एलान पहले ही कर चुकी है। अब सरकार ने तारीखों का भी एलान कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक भारत में 1 अक्टूबर 2026 से जाति गणना के साथ जनगणना शुरू होगी। यह जनगणना देशभर में दो चरणों में कराई जाएगी। बता दें कि जनगणना 1951 से प्रत्येक 10 साल के अंतराल पर की जाती थी (2021 में कोरोना महामारी के कारण टली)। जनगणना के आंकड़े सरकार के लिए नीति बनाने और उनपर अमल करने के साथ-साथ देश के संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए बेहद अहम होते हैं। वहीं राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को भी अपडेट करने का काम बाकी है। सूत्रों के मुताबिक पहाड़ी राज्यों जैसे लद्दाख, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में 1 अक्टूबर 2026 से जनगणना शुरू होगी। वहीं मैदानी इलाकों में जातीय जनगणना की शुरुआत 1 मार्च 2027 में होगी। 2026 में जनगणना के बाद से भविष्य में जनगणना का चक्र बदल जाएगा जो पहले 1951 से शुरू हुआ था वो बदलकर 2026-2036 और फिर 2036 से 2046 हो जाएगी। भारत में हर दस साल में जनगणना होती है। पहली जनगणना 1872 में हुई थी। 1947 में आजादी मिलने के बाद पहली जनगणना 1951 में हुई थी और आखिरी जनगणना 2011 में हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक, 2011 में भारत की कुल जनसंख्या 121 करोड़ थी, जबकि लिंगानुपात 940 महिलाएं प्रति 1000 पुरुष और साक्षरता दर 74.04 फीसदी था। देश में जनगणना की शुरुआत 1881 में हुई थी। पहली बार हुई जनगणना में जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी हुए थे। इसके बाद हर दस साल पर जनगणना होती रही। 1931 तक की जनगणना में हर बार जातिवार आंकड़े भी जारी किए गए। 1941 की जनगणना में जातिवार आंकड़े जुटाए गए थे, लेकिन इन्हें जारी नहीं किया गया। आजादी के बाद से हर बार की जनगणना में सरकार ने सिर्फ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के ही जाति आधारित आंकड़े जारी किए। अन्य जातियों के जातिवार आंकड़े 1931 के बाद कभी प्रकाशित नहीं किए गए।

रिश्वत लेते दो दारोगा गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भभुआ। कैमूर जिले में आज दो घूसखोर दारोगा को गिरफ्तर किया गया है। भगवानपुर थाना में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर राशिद कमाल और सब इंस्पेक्टर लक्की आनंद को गिरफ्तार किया गया है। दोनों सब इंस्पेक्टर को 40 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना की टीम द्वारा रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। शिकायतकर्ता चांदनी सिंह की मानें तो यह दोनों दारोगा उनके पति को झूठे केस में फंसाने की धमकी दे रहे थे। मैनेज के एवज में 40 हजार की डिमांड की गई थी तब उन्होंने पूरे मामले की शिकायत विजिलेंस से की। बताया जाता है कि परमलपुर की रहने वाली पीड़िता चांदनी सिंह के पति पर एक केस दर्ज हुआ था। उसी केस को हल्का करने के एवज में दोनों दारोगा 40 हजार की रिश्वत मांग रहे थे। मामले के सत्यापन के बाद पटना विजिलेंस की सात सदस्यीय टीम पहुंची। घूस लेते हुए दोनों दारोगा को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई। इधर, पीड़िता चांदनी सिंह ने बताया कि झूठे केस में पिछले एक साल से हमें परेशान किया जा रहा था। मेरे जमीन पर हरेंद्र प्रसाद पेट्रोल पम्प खोला है। जबरन जमीन लिखने को कहता है। मेरे पति जमीन बिक्री नहीं करना चाहते हैं जिसपर वह झूठा केस करवाता है और परेशान करता है। थाना की पुलिस भी हरेंद्र प्रसाद से मिली हुई है। थाने की गाड़ी में पेट्रोल, डीजल हरेंद्र देता है। बता दें कि घूसखोर अधिकारियों और कर्मचारियों पर लगातार एक्शन हो रहा है।

सजायाफ्ता कैदियों के बच्चों को मिलेगी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। हजारीबाग के उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने बुधवार को झारखंड खुला जेल सह पुनर्वास केंद्र, हजारीबाग का औचक निरीक्षण किया। जेल के निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिसर का भ्रमण कर कैदियों को दी जाने वाली तमाम सुविधाओं को जाना। उन्होंने जेल में प्रतिनियुक्त चिकित्सक से कैदियों के लिए दवाओं की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कैदियों को केवल दवा देना अपनी जिम्मेवारी न समझे बल्कि अगर कोई कैदी परेशान है या अवसाद से ग्रसित है तो उनकी समस्याओं को सुने तथा सकारात्मक तरीके से काउंसलिंग भी करें। उन्होंने इस दौरान सजायाफ्ता कैदियों से बात की एवं उनकी समस्याओं से रुबरु होते हुए

झारखंड खुला जेल सह पुनर्वास केंद्र, हजारीबाग का निरीक्षण करते उपायुक्त

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारीयों को निर्देश देते हुए कहा कि लंबे समय से सजा काट रहे कैदियों को जल्द जेल के अंदर कौशल विकास अंतर्गत रोजगार परक प्रशिक्षण की प्रक्रिया करें। कैदियों के द्वारा खेती के लिए पानी की व्यवस्था के अनुरोध पर उपायुक्त ने जेल के अंदर डीप बोरिंग कराने का निर्देश दिया। जेल में सजायाफ्ता महिला कैदियों के द्वारा बच्चों की शिक्षा पर चिंता व्यक्त किया, इसपर उपायुक्त ने तत्काल शिक्षा विभाग से अतिरिक्त शिक्षक की प्रतिनियुक्ति कर बच्चों सुगम व गुणवत्ता पूर्ण पठन पाठन हेतु ट्यूशन की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि न केवल बच्चे अगर बड़े लोग भी शिक्षा लेना चाहते है तो एनआईएलपी योजना के तहत प्रौढ़ शिक्षा दिलाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने इन तमाम मुद्दों पर जल्द सकारात्मक पहल कर सुविधाएं बहाल करने का निर्देश दिया। उन्होंने कैदियों से कहा कि वें मिलजुल कर एक दूसरे के साथ रहे, किसी को अगर कोई परेशानी में या कोई समस्या हो तो इसकी सूचना प्रबंधन को दे। उपायुक्त ने कहा कि आपलोगो की जो भी समस्याएं या सुझाव है उसे मुझ तक पहुंचाए। उपायुक्त ने सरकार तक उनकी जायज मांगों को संज्ञान में दिलाने का भी भरोसा दिलाया।

दुबई के लोग खाएंगे बिहार की सब्जी : डा. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

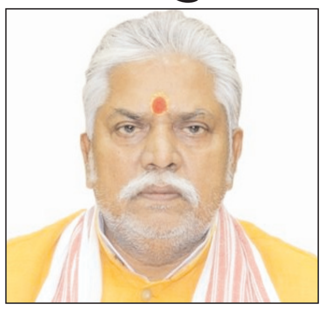

पटना। दुबई के लोग बिहार के किसानों की उगाई हुई सब्जियां खाएंगे। बिहार से सब्जियों की खेप दुबई के लिए रवाना हो चुकी है। यह जल्द ही दुबई के लुलू मॉल में उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध रहेगी। यह जानकारी सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के संवाद कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि हर थाली में बिहारी तरकारी के मूल मंत्र के साथ बिहार में उत्पादित सब्जियां अब राज्य ही देश की सीमाओं को भी पार करके विदेशों तक पहुंचने लगी हैं। सहकारिता विभाग के बिहार राज्य सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन फ़ेडरेशन के सहयोग से परीक्षण शिपमेंट के तौर पर 1500 किग्रा सब्जियों की पहली खेप दुबई भेजी गई है। इससे पहले सहकारिता विभाग के मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने 1,500 किलोग्राम सब्जियों की पहली खेप को दशरथ मांझी श्रम एवं नियोजन अध्ययन संस्थान, पटना से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है।

आरसीबी की जीत के जश्न में भगदड़, 11 की मौत

■ प्रधानमंत्री ने भी घटना पर जताया दुख

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेंगलुरु। बेंगलुरु में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की विक्ट्री परेड में भगदड़ मच गई। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि भगदड़ के दौरान 11 लोग मारे गए हैं। 33 लोग घायल हुए हैं, जो खतरे से बाहर हैं। सिद्धारमैया ने कहा, ''विधानसभा में जब टीम पहुंची तो विधानसभा के बाहर एक लाख लोग जमा थे। जश्न विधानसभा में हो रहा था, लेकिन भगदड़ चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई। स्टेडियम के बाहर 3 लाख लोग जमा थे। हमें इतनी भीड़ की उम्मीद नहीं थी। किसी ने इसकी उम्मीद नहीं की थी। हम इसके लिए तैयार नहीं थे। हादसे ने जीत की खुशी को मिटा दिया।'' सिद्धारमैया ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी सुरक्षा मुहैया कराना थी। इसके बाद क्रिकेट एसोसिशन को संभालना चाहिए था। स्टेडियम में एक छोटा गेट था। वहां बहुत सारे लोग जमा थे। उन्होंने दरवाजा तोड़ दिया, जिसकी वजह से भगदड़ मची। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपए की मदद देने का ऐलान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने बेंगलुरु भगदड़ पर दुख जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। घायलों की बेहतरी के लिए प्रार्थना करता हूं। आरसीबी की टीम जब एयरपोर्ट पहुंची तब वहां हजारों प्रशंसक मौजूद थे। टीम का विधानसभा में कर्नाटक सरकार ने सम्मान किया। एक प्रोग्राम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भी था। स्टेडियम के बाहर लाखों की भीड़ जमा हो गई थी। भीड़ को संभालने के लिए पुलिस हल्का लाठीचार्ज भी करना पड़ा। भीड़ के चलते एक बच्चा बेहोश भी हो गया था। आरसीबी के आईपीएल चैंपियन बनने पर बेंगलुरु में जश्न मनाया जा रहा था। आरसीबी ने एक दिन पहले मंगलवार को आईपीएल में अपना पहला टाइटल जीता था। टीम ने पंजाब किंग्स को 6 रन से हराया। इसी के साथ 18वें सीजन में आईपीएल को 8वां चैंपियन मिला।

आज से शुरू होगा भाजपा का एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। प्रदेश भाजपा की ओर से पर्यावरण दिवस (पांच जून) से एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम चलाया जायेगा। यह कार्यक्रम 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) तक चलेगा। इसके तहत प्रदेश के सभी 29 हजार बूथों के प्रत्येक गांव, टोले मुहल्ले में लाखों पेड़ लगाये जायेंगे। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय ने बताया कि भाजपा के लाखों कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संकल्पित हैं। कहा कि जैसे जन्मदात्री मां बच्चे को जन्म देती है, पालन पोषण करती है। वैसे ही धरती मां भी हम सबका पालन-पोषण करती है। धरती को हरा-भरा बनाना व बंजर होने से बचाना जीवमात्र के कल्याण के लिए जरूरी है। कहा कि भाजपा कार्यकर्ता केवल राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं, बल्कि एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। इन्हें समाज के अन्य समस्याओं की भी चिंता रहती है। भाजपा कार्यकर्ता देश के लिए जीता और मरता है। कहा कि पर्यावरण के संरक्षण के बिना विकसित भारत का संकल्प अधूरा होगा। पांच जून को प्रदेश के सभी शीर्ष नेता, पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों में पौधरोपण करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी एवं संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सासिबगंज में वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रदेश महामंत्री व सांसद आदित्य साहू ओरमांझी प्रखंड के सरस्वती शिशु मंदिर कूल्ही, डॉ प्रदीप वर्मा नामकुम के होरहाप और तुपुदाना में, रांची महानगर में विधायक सीपी सिंह लालपुर मंडल में, विधायक नवीन जायसवाल अरगोड़ा मंडल में, बालमुकुंद सहाय सुखदेव नगर दक्षिण, पहाड़ी मंदिर के पास वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल होंगे

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT
DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY
GLOBAL VISION
(A Complete Solution in Professional Services)
: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna
Contact No.- 9835333441, 8210823092
E-Mail : globalvision96@yahoo.in

संक्षिप्त समाचार

शहीद सूरज नारायण सिंह स्मृति सभा होगी ऐतिहासिक

दरभंगा, एजेंसी। शहीद सूरज नारायण सिंह विचार मंच के तत्वाधान में मंगलवार को पूर्व सांसद आनंद मोहन की उपस्थिति में एनडीए व फ्रेंड्स ऑफ आनंद की विस्तारित बैठक दरभंगा परिसदन में की गई। बैठक में पांच जून को नेहरू स्टेडियम में होने वाली शहीद सूरज नारायण सिंह स्मृति सभा की सफलता सुनिश्चित करने के लिए गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अदित्य नारायणन 'मन्ना व संचालन लोजपा (रा) जिला अध्यक्ष देवेंद्र झा ने किया। बैठक में मौजूद सभी लोगों ने स्मृति सभा की ऐतिहासिक सफलता के लिए निचले स्तर पर कार्यभार बांटा गया। श्री मोहन ने कहा कि यह महज संयोग ही है कि कार्यक्रम दो बार टलकर संपूर्ण क्रांति दिवस के दिन पांच जून को हो गया। संपूर्ण क्रांति दिवस का सूरज बाबू की शहादत से गहरा कनेक्शन है क्योंकि सूरज बाबू की नृशंस हत्या से मर्माहत जेपी ने सत्ता के खिलाफ संपूर्ण क्रांति का उद्घोष किया था। उन्होंने कहा कि सूरज बाबू को समुचित सम्मान दिलाना ही इस रैली का उद्देश्य है। बैठक में फ्रेंड्स ऑफ आनंद के प्रदेश अध्यक्ष कुलानन्द यादव अकेला, स्मृति सभा के संयोजक सुरेन्द्र सिंह, जनता शायर अनवर फरीदी, पूर्व वार्ड पार्षद रीता सिंह, स्मृति सभा के प्रवक्ता श्याम कुमार सिंह, जदयू के वरिष्ठ नेता गोपाल मंडल, डॉ. अशोक सिंह, करनी सेना के सागर सिंह, ई. चंदन सिंह, अमरनाथ सिंह, प्रभु नारायण जायसवाल, भाजपा के मुकुंद चौधरी, सपना चौधरी, संगीता साह, संतोष सिंह, नवीन सिंह, उज्ज्वल सिंह, डब्लू सिंह, कमलेश मंडल आदि थे।

दुकान जा रहे बुजुर्ग को बाइक सवार ने मारी टक्कर, मौत

■ **जमुई में चालक घायल, पुलिस ने कब्जे में लिया दुर्घटनाग्रस्त मोटरसाइकिल**

जमुई, एजेंसी। जमुई में मंगलवार देर रात बाइक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत हो गई। घटना चकाई-गिरिडीह मुख्य मार्ग पर नावाडीह के पास की है। मृतक की पहचान कुमर सिंह(65) के रूप में हुई है। वे नावाडीह स्थित दुकान से सामान खरीदने जा रहे थे। इसी दौरान बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वो सड़क पर गिर गए। बाइक चालक भी दुर्घटना में घायल हो गया। घायल बाइक चालक की पहचान विशनपुर निवासी पच्चू साह के रूप में हुई है। दोनों घायलों को तुरंत चकाई रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद कुमर सिंह को मृत घोषित कर दिया। पच्चू साह का अस्पताल में इलाज जारी है। चकाई थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को अपने कब्जे में ले लिया है। मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद मृतक के परिजनों में शोक की लहर है।

शेखपुरा में 2 ई-रिक्शा की आमने-सामने टक्कर

■ **माह के बच्चे की मौत, चालक फरार**

शेखपुरा, एजेंसी। शेखपुरा-लखीसराय मुख्य सड़क मार्ग पर मंगलवार को दो ई-रिक्शा की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में 6 माह के बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान सुधीर कुमार के बेटे रेयांश के रूप में हुई है। रेयांश अपनी मां के साथ सदर प्रखंड के महसार गांव से रिश्तेदार के यहां जा रहा था। पचना गांव के पास दोनों ई-रिक्शा आपस में टकरा गए। घायल बच्चे को परिजन तुरंत सदर अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यातायात थाना अध्यक्ष सदाशिव साह ने कहा कि लिखित शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नालंदा में 105 पेट्रोल पंपों की होगी जांच, गड़बड़ी मिलने पर पंप मालिक के खिलाफ होगी कार्रवाई

गड़बड़ी की शिकायत संभव

नालंदा, एजेंसी। उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा और ईंधन की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए नालंदा के माप-तौल विभाग ने एक व्यापक अभियान की घोषणा की है। इस अभियान के तहत जिले के कुल 105 पेट्रोल पंपों की माप-तौल की गहन जांच की जाएगी। विभाग का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्राहकों को पेट्रोल और डीजल की सही मात्रा मिले और किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी से बचा जा सके। जिले के निरीक्षक शत्रुंजय कुमार ने इस अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि सभी पेट्रोल पंपों की शुद्धता की जांच के लिए तिथियां निर्धारित की जा रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं को सही माप में तेल मिले, यह सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता है। हर पंप की अलग-अलग तिथि पर जांच होगी और गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित पंप मालिक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उपभोक्ताओं के लिए शिकायत व्यवस्था : माप-तौल विभाग ने उपभोक्ताओं को जागरूक करते हुए बताया कि यदि उन्हें माप में किसी तरह की गड़बड़ी या तेल की गुणवत्ता पर संदेह हो, तो वे विभाग में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। हालांकि, अभी तक विभाग को ऐसी कोई शिकायत नहीं मिली है, जो राहत की बात है।

घर बैठे करें ईंधन की शुद्धता की जांच

विभाग ने उपभोक्ताओं को खुद से ईंधन की शुद्धता जांचने के तरीके भी बताए हैं। पेट्रोल की शुद्धता जांचने के लिए डिलीवरी नोजल को साफ करके फिल्टर पेपर पर दो बूंद पेट्रोल डालना चाहिए। यदि सूखने के बाद गहरा दाग रह जाता है, तो समझना चाहिए कि पेट्रोल में मिलावट है। यह फिल्टर पेपर पेट्रोल पंप संचालक से भी मांगा जा सकता है।

तकनीकी जांच के लिए पेट्रोल और डीजल की घनत्व जांच भी एक प्रभावी तरीका है। पेट्रोल का घनत्व 730 से 800 और डीजल का 830 से 900 किलोग्राम प्रति घन मीटर के बीच होना चाहिए। इससे कम या ज्यादा होने पर मिलावट की संभावना हो सकती है।

मिलावट पर कड़ी कार्रवाई की व्यवस्था

यदि कोई पंप जान-बूझकर मिलावटी ईंधन बेचता है, तो ग्राहक कंपनी के डिस्प्ले किए गए हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत कर सकते हैं। शिकायत सत्यापित होने पर पंप को नोटिस भेजा जाता है और जुर्माना भी लगाया जाता है। आवश्यक होने पर कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है। उपभोक्ता कोर्ट में भी शिकायत दर्ज करके पेट्रोल बेचने वाली कंपनी से हर्जाने की मांग कर सकते हैं।

बायो डीजल पंपों पर विशेष निगरानी

विभाग की जानकारी के अनुसार, बायो डीजल पंपों के कागजात की जल्द ही विस्तृत जांच की जाएगी। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पूर्व में चंडी प्रखंड के माधोपुर में बिहटा-सरमेरा पथ पर एक अवैध रूप से संचालित बायो डीजल पंप को बिना एनओसी के चलने के कारण 2021 में सील कर दिया गया था। हालांकि, कुछ महीने बाद यह फिर से शुरू हो गया था, जो चिंता का विषय है।

बायो डीजल पंपों के कागजात की भी होगी जांच

अभियान के दौरान माप-तौल विभाग पेट्रोल पंपों पर लगे नोजल और मीटरिंग सिस्टम सहित सभी मापक उपकरणों की गहन जांच करेगा। विभाग की रणनीति में पेट्रोल पंपों की माप और शुद्धता की व्यापक जांच शामिल है। इसके अतिरिक्त, बायो डीजल पंपों के कागजात की भी विस्तृत जांच की जाएगी। वर्तमान में नालंदा में विभिन्न कंपनियों के लगभग 105 पेट्रोल पंप संचालित हैं। इनमें सबसे अधिक इंडियन ऑयल के 61 पंप हैं, जबकि भारत पेट्रोलियम के 18 और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के 17 पंप शामिल हैं। इसके अलावा, निजी क्षेत्र की कंपनियां रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नयारा एनर्जी का भी एक-एक पंप जिले में संचालित है। जिले में सात बायो डीजल पंप भी कार्यरत हैं, जिनकी वैधता की भी कड़ी जांच की जाएगी।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए निकाली गयी साइकिल रैली

दरभंगा, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिले में लोगों को मतदान एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से तीन दिवसीय विशेष अभियान का मंगलवार से शुरू किया गया। यह अभियान विश्व साइकिल दिवस (तीन जून) से विश्व पर्यावरण दिवस (पांच जून) तक चलेगा। अभियान के पहले दिन विश्व साइकिल दिवस पर समाहरणालय सभाकक्ष के पास से दिव्यांगजनों, छात्र-छात्राओं के माध्यम से विशाल साइकिल रैली निकाली गई।

रैली समाहरणालय सभागार से आरंभ होकर लहेरियासराय टावर, लोहिया चौक, लहेरियासराय रेलवे स्टेशन आदि मार्गो से होकर नेहरू स्टेडियम पहुंची। रैली का नेतृत्व जिला स्वीप आईकॉन मणिकांत झा कर रहे थे। वरीय उप समाहर्ता प्रियंका कुमारी और सोनल कुमार महतो भी साइकिल चलाकर अभियान मे शामिल हुए। डीडीसी चित्रगुप्त कुमार, उप निदेशक सूचना एवं जनसंपर्क सत्येन्द्र प्रसाद, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुरेश कुमार, वरीय उपसमाहर्ता वृषभानु कुमारी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नेहा कुमारी ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर साइकिल रैली को रवाना किया।

मतदाता जागरूकता रैली में 70 दिव्यांगजन एवं तीन सौ से अधिक विद्यार्थी सम्मिलित थे। नेहरू स्टेडियम मे सभी प्रतिभागी तथा उपस्थित पदाधिकारियों ने मतदान में भाग लेने तथा पर्यावरण बचाने की शपथ ली। साइकिल रैली में शामिल हुए स्कूली बच्चे कुशेश्वरस्थान। प्रखंड के मतदाताओं को जागरूक करने के लिए तीन दिवसीय विशेष अभियान मंगलवार को शुरू हुआ। इसके तहत पहले दिन विश्व साइकिल दिवस पर प्रखंड कार्यालय से साइकिल रैली निकाली गई। प्रमुख हीरा प्रसाद सिंह एवं बीडीओ ललन कुमार चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में स्कूली बच्चों ने भाग लिया। बीडीओ ललन कुमार चौधरी ने कहा कि इस अभियान की थीम वोटर फॉर अर्थ, वोट फॉर डेमोक्रेसी है। मौके पर उपप्रमुख संतोष यादव, बीएलओ प्रभारी शिक्षक संतोष कुमार सिंह, अनंत कुमार कुंवर उपस्थित थे। बेनीपुर में भी निकली साइकिल रैली बेनीपुर। प्रखंड कार्यालय परिसर बेनीपुर से मंगलवार को बीडीओ हरी झंडी दिखाकर मतदाता जागरूकता के लिए साइकिल रैली को रवाना किया।

बीडीओ ने कहा कि साइकिल रैली प्रखंड परिसर से अनुमंडल परिसर तक निकाली गई। इसके अलावा बाजार में भी भ्रमण कराया गया। लोगों को मतदान निष्पक्ष एवं निर्भिक रूप से करने की अपील की गई। उन्होंने कहा कि मतदान के माध्यम से ही देश का विकास होता है। प्रत्येक व्यक्ति को मतदान अनिवार्य रूप से करनी चाहिए। इस दौरान बीइओ इंदु सिन्हा सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

2 ट्रक की टक्कर, कंडक्टर और ड्राइवर की मौत

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर में दो ट्रक के बीच आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। एक ट्रक के चालक की मौके पर ही मौत हुई, तो दूसरे ट्रक के उपचालक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। हादसे के बाद एनएच-31 पर 10 किलोमीटर लंबा जाम लगा गया। इसे पुलिस ने खत्म करवाया दिया है। हादसे के बाद ड्राइवर करीब 2 घंटे तक स्टेयरिंग से दबा रहा। घटना नवगछिया के भवानीपुर थाना क्षेत्र के बीरबन्ना चौक के पास की है। बताया जा रहा है कि मक्का लदी ट्रक नवगछिया से खगड़िया की तरफ जा रही थी। खगड़िया की तरफ से आ रहे चर्री लदे ट्रक से आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई।

हादसे के बाद दोनों ट्रक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त : हादसे के बाद दोनों ट्रक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। घटना रात के करीब 2 बजे का बताया जा रहा है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।मक्का लदे ट्रक को उपचालक ड्राइव कर रहे थे, जबकि चालक सोया हुआ था। तेज रफ्तार होने के कारण उपचालक से गाड़ी कंट्रोल नहीं हो पाया, जिसके कारण हादसे का शिकार हो गया । हादसे के बाद एनएच-31 पर 10 किलोमीटर लंबी जाम लग गई। पिछले 5 घंटे से पुलिस जाम को हटाने में जुटी हुई है। मृतक की अभी पहचान नहीं हो पाई है। हादसे के बाद मौके से एक ट्रक का उपचालक और दूसरे ट्रक का चालक फरार हो गया है। जबकि, दो लोगों की मौत हुई। भवानीपुर थानाध्यक्ष महेश कुमार ने बताया कि दो ट्रक के बीच टक्कर हुई थी, जिसमें दोनों के ड्राइवर की मौत हो गई। एक मुजफ्फरपुर के रहने वाला है। दूसरा कोडरमा के रहने वाला है। दोनों के शव को अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिए हैं। ट्रैफिक पुलिस मामले को देख रही है। क्योंकि सड़क हादसा अब ट्रैफिक थाने में दर्ज होता है।

पटना के जेल में शराब और गांजा पार्टी पार्टी पर ऐक्शन, छह कैदियों पर होगा केस

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना से सटे मसौढ़ी उपकारा में बंदियों की पार्टी का वीडियो वायरल मामले में केस दर्ज होगा। मसौढ़ी उपकारा के उपाधीक्षक सह जेलर ने वायरल वीडियो में आरोपित उन छह बंदियों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज करने का आवेदन मसौढ़ी थाना को भेजा है। आरोपित छह बंदियों में दीपक कुमार उर्फ भोगी, मो. इमाम, विपिन कुमार, गोलू कुमार उर्फ गोलू यादव, अजीत कुमार एवं बोतल कुमार उर्फ बबलू कुमार शामिल हैं। इन पर सुरक्षा व्यवस्था को भंग करने और जेल की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया गया है। वहीं दूसरी ओर मसौढ़ी उपकारा में शराब और गांजा पार्टी का वीडियो वायरल मामले में जांच तेज कर दी गई है।

मंगलवार को मसौढ़ी उपकारा में बेऊर जेल अधीक्षक नीरज कुमार झा इस मामले की जांच करने पहुंचे। सूत्रों की मानें तो मसौढ़ी जेल प्रशासन की ओर से उन्हें जांच रिपोर्ट सौंप दी गई है। जिन बंदियों पर पार्टी करने का आरोप लगा है वे अब भी मसौढ़ी जेल में ही बंद है।

जेल अधिकारियों का मानना है कि वीडियो यहीं पर बनाया गया। हालांकि बंदी शराब पी रहे थे या कुछ और इस बात की पुष्टि जेल अधिकारी नहीं कर रहे हैं। इस मामले में मसौढ़ी जेल के कर्मियों पर गाज भी गिर सकती है। सूत्र बताते हैं कि जिस समय पार्टी चल रही थी उस समय जेल के बंदियों ने बाहर मौजूद अपने दो साथियों को वीडियो कॉल कर उन्हें दिखाया था। हालांकि वीडियो की पुष्टि नहीं हुई है।

बिहार में 6 साल के बच्चे को किडनैप कर नेपाल की नदी में फेंका

रक्सौल, एजेंसी। बिहार में छह साल के बच्चे को किडनैप कर नेपाल की नदी में फेंक दिया गया। हैरान कर देने वाली वारदात मोतिहारी के रक्सौल की है। यहां स्थानीय अनुमंडलीय अस्पताल में कार्यरत स्वास्थ्यकर्मी प्रेम कुमार के छह वर्षीय पुत्र आयुष का अपहरण कर नेपाल के नारायण घाट पर नारायणी नदी में जिंदा फेंक दिया। रक्सौल से गिरफ्तार मनोहर साह ने इसका खुलासा किया है। आरोपित के निशानदेही पर रक्सौल पुलिस टीम नेपाल के नारायणी नदी घटना की जांच व शव की बरामदगी के लिये पहुंची है। अभी बच्चे का शव बरामद नहीं हुआ है।

गिरफ्तार व्यक्ति की पत्नी के साथ बच्चे के पिता का प्रेम प्रसंग का मामला बताया जाता है। बदले की भावना में घटना को अंजाम दिया गया। इंस्पेक्टर विजय कुमार ने बताया कि 28 मई को बच्चे को उसके घर अपहरण किया गया। स्वास्थ्यकर्मी उसके पिता को पता चला तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने 31 मई को केस दर्ज कर घटना की जांच शुरु की। जांच के दौरान ही मनोहर साह पकड़ा गया। पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि उसकी पत्नी रेणु देवी अनुमंडलीय अस्पताल रक्सौल में आशा कार्यकर्ता है । उसी अस्पताल में बच्चे के पिता प्रेम कुमार कार्यरत है। उसकी पत्नी के साथ प्रेम कुमार का प्रेम प्रसंग चलने लगा।

प्रेम प्रसंग को लेकर वह उपेक्षित होने लगा। इसका बदला लेने के लिये स्वास्थ्यकर्मी के एकलौता पुत्र आयुष को अगवा किया। अगवा करने के बाद उसे नेपाल के नरायणघाट ले गया। वहीं

नरायणी पुल से उसे नदी में फेंक दिया। गिरफ्तार व्यक्ति रक्सौल प्रखंड के जोकियारी पंचायत का निवासी है। उसकी स्वीकारोक्ति बयान के बाद पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुट गयी है। गिरफ्तार व्यक्ति के खुलासे के बाद पीड़ित परिवार का रो रो कर बुरा हाल है। बच्चे के पिता प्रेम कुमार मोतिहारी का निवासी । वह रक्सौल अनुमंडल अस्पताल में अनुकंपा के आधार पर आदेशपाल पद पर कार्यरत है।

दरभंगा को नंबर वन बनाने का होगा प्रयास : डीएम

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा जिले के नवनियुक्त डीएम कौशल कुमार ने मंगलवार को पदभार संभाल लिया। उन्होंने मंगलवार को डीएम कार्यालय में जिले के 146वें डीएम के रूप में निवर्तमान डीएम राजीव रौशन से पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण के बाद दरभंगा ऑडिटोरियम में निवर्तमान डीएम का विदाई समारोह आयोजित किया गया। मिथिला की परंपरा के अनुसार पाग और चादर से निवर्तमान और नव पदस्थापित डीएम को सम्मानित किया गया। नए डीएम कौशल कुमार ने कहा कि विधि व्यवस्था को सामान्य रखना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं को पारदर्शिता के साथ धरातल पर उतारने का प्रयास किया जाएगा। पूर्व के डीएम द्वारा किए गए विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगे और दरभंगा को नंबर वन जिला बनाने का प्रयास करेंगे। निवर्तमान डीएम राजीव रौशन ने कहा कि किसी भी जिले में लंबी अवधि तक दायित्व निभाकर जाना भावुक क्षण होता है। सभी के सहयोग से दरभंगा जिला तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने अपने कार्यकाल में सहयोग के लिए सभी अधिकारियों, कर्मियों एवं जिलेवासियों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि मिथिला की संस्कृति व यादें इतनी गहरी हैं कि इसे आसानी से नहीं भुलाया लाया जा सकेगा। बता दें कि श्री रौशन को सारण प्रमंडल का नया आयुक्त नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर नव पदस्थापित प्रमंडलीय आयुक्त कौशल किशोर ने कहा कि सरकार के निर्देश के आलोक में पारदर्शिता के साथ सभी कार्यों को पूरा किया जाएगा।

नालंदा में 90 ग्रामीण सड़कों की होगी मरम्मत

तीन लाख से अधिक आबादी को मिलेगी सुविधा, 147 करोड़ रूपए होंगे खर्च

नालंदा, एजेंसी। नालंदा के पांच प्रखंडों में फैली जर्जर ग्रामीण सड़कों की दशा सुधारने की दिशा में एक पहल शुरू हो गई है। करीब 147 करोड़ रुपए की लागत से 90 ग्रामीण सड़कों का व्यापक कायाकल्प किया जाएगा, जिससे तीन लाख से अधिक की आबादी को राहत मिलेगी। ग्रामीण कार्य विभाग के बिहारशरीफ डिविजन के अधिकारियों के अनुसार, इन सड़कों का मेंटेनेंस पीरियड पांच साल पहले खत्म हो चुका है। न्यू मेंटेनेंस पॉलिसी के तहत करीब 166 किलोमीटर लंबी इन सड़कों को चकाचक बनाया जाएगा।

बिहारशरीफ प्रखंड में सबसे अधिक 31 सड़कों की मरम्मत : चयनित सड़कों का प्रखंडवार वितरण देखें तो बिहारशरीफ प्रखंड में सबसे अधिक 31 सड़कों की मरम्मत होगी। अस्थावां में 23, सरमेरा में 17, बिंद में 12 और रहुई प्रखंड में 6 ग्रामीण सड़कों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। एग्जीक्यूटिव इंजीनियर अनीश कुमार सिंह ने बताया कि 66 सड़कों के लिए टेंडर और एजेंसी चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। जल्द ही कार्य एजेंसियों का चयन कर निर्माण काम शुरू हो जाएगा। सड़कें चिकनी होंगी तो लोगों के आने-जाने में काफी सहूलियत मिलेगी।

नई सड़कों का निर्माण भी होगा : मौजूदा सड़कों की मरम्मत के साथ-साथ कुछ स्थानों पर नई सड़कों का निर्माण भी किया जाएगा। सरमेरा के बड़ी धरियारी से मानाचक, बिंद के बेनार-सकसोहरा रोड से महमुदाबाद और रहुई में एनएच-31 से पचौरी-रहुई बाजार तक नई सड़क बनेगी। इसके अलावा एनएच-31 से तुंगी जाने वाली सड़क में एनएच-20 से एनएच- 82 बायपास तक व तुंगी सड़क से बड़ी दरगाह तक पथ का सुदृढ़ीकरण और चौड़ीकरण का काम भी शामिल है।

गड्ढों से परेशान हैं ग्रामीण : वर्तमान में इन सड़कों की स्थिति काफी खराब है। लंबे समय से मरम्मत नहीं होने के कारण जगह-जगह बड़े गड्ढे हो गए हैं। गांवों के आसपास कई जगहों पर घरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़क पर जमा रहता है, जिससे स्थिति और भी बदतर हो जाती है। इन टूटी-फूटी सड़कों का खामियाजा वाहन चालकों और यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। दैनिक आवाजाही में होने वाली परेशानी से ग्रामीणों में काफी असंतोष है।

एक साल में दिखेगा बदलाव : अधिकारियों का कहना है कि एक साल के भीतर इन चिह्नित सड़कों की सूरत पूरी तरह बदल जाएगी। चिकनी सड़कों पर गाड़ियां सरपट दौड़ेंगी और यात्रियों को हिचकोले नहीं खाने पड़ेंगे।

'नया कश्मीर' नई लाइफलाइन

उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना यानि USBRL भारतीय रेल के स्वर्णिम भविष्य का एक चमकता हुआ अध्याय है। जो देश के हर हिस्से को कश्मीर तक की अबाध यात्रा के मार्ग से जोड़ रही है। यह राष्ट्रीय परियोजना न केवल देश की इंजीनियरिंग क्षमताओं का प्रदर्शन है, बल्कि यह जम्मू-कश्मीर की भौगोलिक चुनौतियों पर विजय का प्रतीक भी है।

विकास के पुल से जुड़े पहाड़ों के दिल

हिमालय की ऊंचाइयों में चल रहे प्रोजेक्ट का **सबसे चमकदार मोती है चिनाब ब्रिज**। जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल है। यह पुल **समुद्र तल से 359 मीटर** की ऊंचाई पर स्थित है, जो **एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है और कुतुब मीनार से पांच गुना ऊंचा।** 266 किलोमीटर प्रति घंटे चलती हवा की रफ्तार को भी चिनाब ब्रिज आसानी से झेल सकता है।

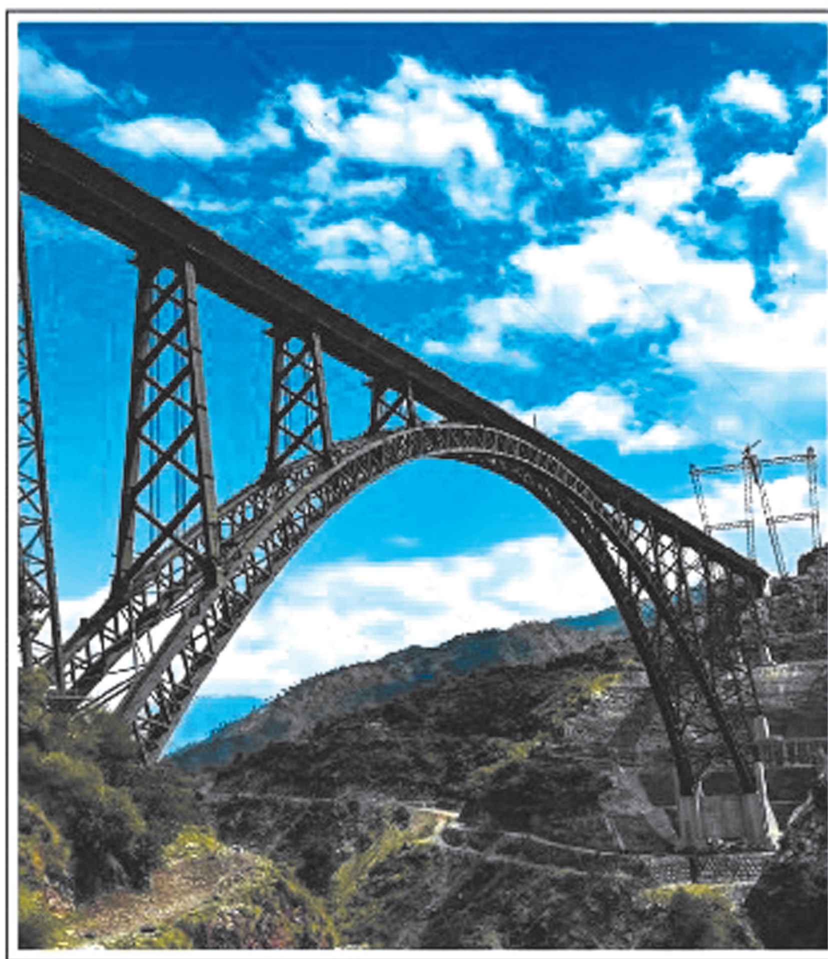

96 केबल के सहारे निर्मित **725 मीटर लंबा अंजी खड्ड ब्रिज देश का पहला केबल आधारित रेल ब्रिज है।** कटरा-बनिहाल रेल खंड का हिस्सा ये पुल समुद्र तल से 331 मीटर ऊपर है। यह अद्भुत संरचना न केवल भारतीय रेल की उपलब्धियों की गाथा गाती है, बल्कि कश्मीर घाटी को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का भी वादा करती है।

आकर्षक इंजीनियरिंग और साहस की मिसाल

USBRL को भारतीय रेल के लिए एक 'आर्किटेक्चरल वंडर' माना जा रहा है। इस परियोजना की लंबाई 272 किलोमीटर है। जिसका अधिकांश हिस्सा दुर्गम पहाड़ियों, बर्फीले इलाकों और गहरी घाटियों से होकर गुजरता है। इसमें 943 छोटे-बड़े पुल और 36 मेन सुरंग शामिल हैं। जिसमें भारत की सबसे लंबी रेलवे सुरंग टी-50 भी है जो करीब 12.77 किलोमीटर है। भारत के सबसे कठिन रेल निर्माण प्रोजेक्ट में से एक USBRL की लागत करीब 42 हजार करोड़ रुपए है।

आर्थिक विकास से राष्ट्र सुरक्षा तक का सेतु

USBRL न केवल भारत के लिए सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए भी मील का पत्थर साबित होगी।

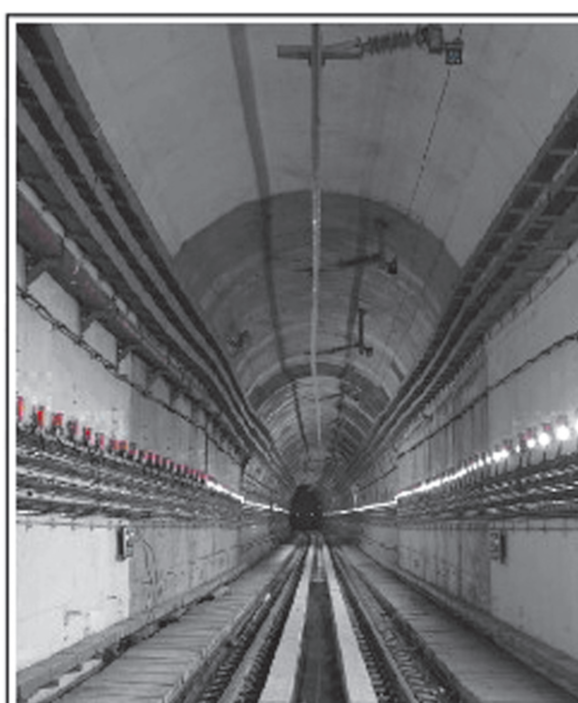

रोजगार के अवसर: परियोजना के निर्माण के दौरान हजारों लोगों को रोजगार मिला और इसके संचालन के बाद भी कई स्थानीय निवासियों को रोजगार मिलेगा।

पुख्ता राष्ट्र सुरक्षा: रेल लिंक से न केवल सेना की त्वरित आवाजाही संभव होगी, बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में संसाधनों की तेज आपूर्ति भी सुनिश्चित होगी।

पर्यटन को बढ़ावा: इस रेल लिंक के जरिए कश्मीर में पर्यटन को नई ऊंचाई मिलेगी। पर्यटकों के लिए घाटी तक पहुंचना आसान और किफायती होगा।

आर्थिक विकास: रेल लिंक से कश्मीर घाटी में व्यापारिक गतिविधियां तेज होंगी, जिससे कृषि उत्पादों, शिल्प और स्थानीय उद्योगों को बड़े बाजारों तक पहुंच मिलेगी।

उम्मीदों की पटरी

USBRL न केवल रेल की पटरी है, बल्कि यह उन उम्मीदों का मार्ग है, जो कश्मीर के भविष्य को उज्जवल बनाने की ओर अग्रसर है। इसमें ऐसे कई महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन हैं जो जम्मू कश्मीर की तरक्की, सुरक्षा, सुविधा और समृद्धि को सुगम करते हैं। 'कश्मीर घाटी का प्रवेश द्वार' कहे जाने जाने वाला काजीगुंड स्टेशन दक्षिणी कश्मीर को शेष क्षेत्र से जोड़ने की अहम कड़ी है। पंपोर, श्रीनगर, सोपोर, अनंतनाग जैसे रेलवे स्टेशन घाटी के प्रमुख व्यापारिक केंद्रों में से एक है। वहीं रियासी और कटरा रेलवे स्टेशन का विश्व प्रसिद्ध माता वैष्णो देवी मंदिर के निकट होने के कारण इसका महत्व बढ़ जाता है। उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना सिर्फ एक रेल संपर्क नहीं, बल्कि कश्मीर घाटी को भारत के बाकी हिस्सों से मजबूती से जोड़ने वाला एक ऐतिहासिक कदम है। भारतीय रेल ने इस परियोजना के साथ कश्मीर घाटी को विकास की मुख्यधारा में शामिल करने की जो प्रतिबद्धता जताई थी, वो जमीन पर साकार हो रही है।

जया वर्मा सिन्हा
रेलवे बोर्ड की पूर्व चेयरमैन

नवबिहार टाइम्स | झारखण्ड | बोकारो, गुरुवार, 5 जून 2025 | 4

बकरीद को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड में

जिला प्रशासन ने किया मॉक ड्रिल ▸ उपायुक्त और एसपी ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ▸ पुलिस ने किया फ्लैग मार्च ▸ शांति व सौहार्द्र बनाए रखने की अपील

नबिटा टीम

हजारीबाग/बरही। आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से सम्पन्न कराने को लेकर हजारीबाग जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की ओर से मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास में प्रशासनिक और सुरक्षा एजेंसियों की तैयारियों की समीक्षा की गई, ताकि त्योहार के दिन किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। मौके पर उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह और पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन स्वयं मौजूद रहे। उन्होंने सुरक्षा बलों की तैनाती, संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी और आपातकालीन प्रतिक्रिया की तैयारियों का बारीकी से निरीक्षण किया। मॉक ड्रिल के दौरान भीड़ नियंत्रण, तेज प्रतिक्रिया दल की तैनाती और यातायात नियंत्रण जैसी व्यवस्थाओं को परखा गया।

उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है, और जिले में सौहार्द्रपूर्ण माहौल बनाए रखना सभी की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी समुदायों से अपील की कि वे पर्व को भाईचारे और शांति के साथ मनाएं तथा किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें।

पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने बताया कि संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त बल की तैनाती, ड्रोन से निगरानी, और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी सुनिश्चित की जा रही है।

साथ ही सोशल मीडिया पर भी विशेष नजर रखी जा रही है। यदि कोई शरारती तत्व माहौल खराब करने की कोशिश करता है, तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मौके पर अन्य प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, आपदा प्रबंधन दल, चिकित्सा टीम व फायर ब्रिगेड की टीमें भी मौजूद थीं।

बरही (हजारीबाग) से संवाददाता के अनुसार बकरीद पर्व को शांति व सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर मंगलवार की शाम बरही पुलिस व प्रशासन ने संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च निकाला। यह मार्च बरही थाना से प्रारंभ होकर बरही चौक के चारों प्रमुख मार्गों और विभिन्न टोला-मोहल्लों में भ्रमण करते हुए समापन हुआ।

फ्लैग मार्च का नेतृत्व एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल ने किया, उनके साथ बरही थाना प्रभारी इंस्पेक्टर आभाष कुमार, कई पुलिस पदाधिकारी व जवान भी शामिल थे। फ्लैग मार्च के माध्यम से आम जनता को यह संदेश दिया गया कि पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अशांति फैलाने वालों पर सख्त नजर रखी जा रही है।

मौके पर अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सभी धार्मिक पर्व प्रेम, एकता और भाईचारे के साथ मनाएं। उन्होंने आश्वासन दिया कि पुलिस हर परिस्थिति में जनता के साथ खड़ी है और शांति भंग करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

महिला सशक्तिकरण पर अनवरत करना है काम : रेखा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस द्वारा दिल्ली में आयोजित संगठन सृजन कार्यशाला में पलामू की रेखा देवी उर्फ रेखा सिंह ने शिरकत किया। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस द्वारा राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में पलामू जिला महिला कांग्रेस की नवनियुक्त अध्यक्ष रेखा देवी उर्फ रेखा सिंह ने शिरकत कर झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस को गौरवान्वित किया।नई दिल्ली के इंदिरा भवन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय में आयोजित संगठन सृजन कार्यशाला में भाग लेने केलिए झारखंड महिला कांग्रेस की अध्यक्ष गुंजन सिंह ने पांच महिलाओं कांग्रेस कर्मियों का चयन किया था, जिसमें जनरल केटेगरी से सिर्फ रेखा सिंह का चयन किया गया था।

कल आयोजित कार्यशाला अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, जिसमें विभिन्न राज्यों से चयनित महिला कांग्रेस कर्मियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने देशभर के महिला नेतृओं से अपील किया कि संगठन को बूथ स्तर तक कायम करना है। और महिला सशक्तिकरण पर अनवरत काम करना है। पलामू जिला की नवनियुक्त महिला कांग्रेस अध्यक्ष रेखा सिंह ने इस पुनीत कार्य के लिए अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा एवं झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष गुंजन सिंह का आभार व्यक्त किया है।

किन्नर आयशा ने निभाया सामाजिक दायित्व, मुसहर बस्ती में बांटी वस्त्र व अन्य सामग्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। समाज के हाशिये पर समझे जाने वाले किन्नर समाज ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि सामाजिक दायित्व निभाने में वे किसी से पीछे नहीं हैं। किन्नर समाज की मुखिया आयशा सिंह के नेतृत्व में लायंस क्लब आफ मेदिनीनगर के सहयोग से मुसहर समुदाय की बस्ती में जाकर जरूरतमंदों के बीच सैकड़ों साड़ियां व बच्चों के लिए खाद्य सामग्री वितरित किया। यह पहल न केवल समाज के लिए एक मिशाल है बल्कि यह सामाजिक संगठनों व अन्य समुदायों को भी प्रेरणा देती है कि सेवा कार्य में सभी को साथ आना चाहिए।आयशा सिंह ने पहले भी रामनवमी पूजा के अवसर पर कसाना डीजे पलामू लाकर उत्सव को और भी भव्य बनाने में अपनी भूमिका निभा चुकी हैं। समाज द्वारा सम्मान मिले या न मिले, उन्होंने हर बार यह दिखाया है कि समाज सेवा उनके लिए सर्वोपरि है। आयशा सिंह ने कहा कि वे अपनी कमाई, जो मुझे दान में मिलता है, उसका आधा हिस्सा समाज सेवा के लिए अलग कर देती हैं। आधे पैसे से अपना काम चलाती हैं। इससे पहले वे कुंवारी कन्या की शादी अपने खर्चे पर कराया है।अनेकों जरूरी काम जो उनकी जानकारी में आती है, वे प्रयास करती हैं कि उन्हें उचित प्लेटफार्म नहीं मिलने की वजह से कई बार वे चाह कर भी कोई बड़ा काम करने में सफल नहीं हो पाईं। लेकिन लायंस क्लब ऑफ मेदिनीनगर के गुरवीर सिंह, नीलेश चंद्र व रंजीत मिश्रा जैसे क्लब के अन्य भाइयों ने उन्हें सहयोग व उचित प्लेटफार्म दिया है। उन्हें भरोसा है कि सहयोग मिलेगा व वे अपने सामाजिक दायित्व पूरा कर पाएंगी। कार्यक्रम में गुरूवीर सिंह, निलेश चंद्र, राघव सिंह, ऋषिकेश दुबे, तनाजोत सिंह, विकास शेट्टी व रणजीत मिश्रा शामिल थे।

खतियानी पदयात्रा होगी ऐतिहासिक

बड़कागांव (हजारीबाग)। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के बड़कागांव प्रखंड सचिव गौतम कुमार ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि मोर्चा की खतियानी पदयात्रा राज्य के इतिहास में एक ऐतिहासिक आंदोलन के रूप में दर्ज होगी।

उन्होंने बताया कि यह पदयात्रा झारखंड की उपराजधानी दुमका से प्रारंभ होकर विभिन्न जिलों और प्रखंडों से गुजरते हुए राजधानी रांची पहुंचेगी। यात्रा का उद्देश्य झारखंडियों के अधिकार, पहचान और हक की लड़ाई को मजबूती देना है।

आज राजभवन रांची के समक्ष एक दिवसीय धरना आयोजित किया गया है, जिसमें राज्यपाल को मांगपत्र सौंपा जाएगा। मांगपत्र में मुख्य रूप से 1932 के खतियान को केंद्र में रखकर स्थानीय नीति, नियोजन नीति, विस्थापन नीति लागू करने की मांग की गई है। इसके साथ ही सी और डी ग्रेड की नौकरियों में झारखंडियों को प्राथमिकता देने तथा जाति आधारित जनगणना के आधार पर 100 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग शामिल है।

उपायुक्त ने नगर निगम कार्यालय पहुंचकरअधिकारियों के साथ की बैठक

नागरिक सुविधाओं के बेहतर प्रबंधन के बाबत दिए कई महत्वपूर्ण निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में नगर निगम की व्यवस्थाओं से संबंधित महत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर नगर आयुक्त समेत नगर निगम के अधिकारियों के साथ बैठक की। उपायुक्त ने जिले के शहरी क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं के अंतर्गत दिए जाने वाल सेवाओं की वर्तमान स्थिति से अवगत हुए। इस बैठक में उपायुक्त ने कर्मियों की संख्या,शहरों की सफाई व कचरा प्रबंधन के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले वाहनों की संख्या व उसकी वर्तमान स्थिति की जानकारी ली।

उपायुक्त ने कहा कि वर्तमान में विभिन्न समाचार पत्र के माध्यमों से शहरों की गंदगी व साफ सफाई की सूचना प्राप्त हो रही है।इस विषय पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने बेहतर व सुनियोजित प्रबंधन प्रणाली को अपना कर शहरी क्षेत्र को विभिन्न स्थानों को चिन्हित करते हुए साफ सफाई की प्रक्रिया को नियमित व व्यवस्थित तरीके से करने का निर्देश दिया।

उन्होंने सहायक नगर आयुक्त व सिटी मैनेजर को जवाबदेही तय करते हुए कई आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने मुख्य रूप से बेहतर कचरा प्रबंधन प्लान, बरसात में मच्छरों से उत्पन्न होने वाली बीमारियों से बचाव हेतु फॉगिंग प्लान(सभी वार्डो में रूट प्लान के आधार पर) शहर की नालियों को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए नाला सफाई का प्लान आदि को सूचीबद्ध करते हुए तत्काल प्रभाव से लागू करने का निर्देश दिया। साथ ही इन कार्यों की सूक्ष्म मॉनिटरिंग करने कि जिम्मेवारी नगर निगम के वरीय अधिकारियों को दी। उपायुक्त ने नगर निगम के कार्य प्रणाली में परिवर्तन लाने और सकारात्मकता के तरफ कार्य करने का निर्देश दिया।

उन्होंने साफ सफाई के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले वाहनों को एक सप्ताह के अंदर दुरस्त कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया तथा जो वाहन क्रियाशील नहीं उन्हें तत्काल एमवीआई द्वारा कबाड़ घोषित करवाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सहायक नगर आयुक्त एवं सिटी मैनेजर को आवंटित कार्यों के प्रतिदिन की रिपोर्ट वॉट्सएप के माध्यम से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

दूल्हा को नशापान करना पड़ा महंगा

बिना दुल्हन के ही लौटी बारात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रंका। विवाह की खुशी पर अचानक ग्रहण लग गया, बरात वापस हो गई और शादी की जोड़े में सजी दुल्हन के हाथ में मेंहदी लगी रह गई। मामला रंका थाना क्षेत्र के बरदरी गांव का है। बरदरी गांव निवासी राम शरण रवि की पुत्री की शादी के लिए पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के निमिया गांव से बरात आई थी।

सभी कार्यक्रम सामान्य तरीके से चल रहा था। बरातियों को नाश्ता-पानी कराया गया। फिर द्वार पूजा के लिए दूल्हा बरातियों के साथ आतिशबाजी के बीच डांस करता हुआ द्वार पर पहुंचा। जहां द्वार पूजा हुई। उत्साह के वातावरण में ही वरमाला का कार्यक्रम संपन्न हुआ। तब तक रात के करीब एक बजे चुके थे।वरमाला के बाद दूल्हा अपने दोस्तों के साथ जनवासा गया, जहां वह लगभग दो घंटे तक यहां अपने दोस्तों के साथ रहा। बताया रहा है कि विवाह से संबंधित शेष रस्मों को निभाने के लिए दूल्हे को मंडप पर बुलाया गया। इस बीच महिलाओं ने दूल्हे के हाथ में अक्षत (चावल) दिया। बस, यहीं से मामला बिगड़ गया।

दूल्हा देवव्रत गाली-गलौज करने लगा और चावल फेंक दिया। उसने सिर पर बंधे सेहरा भी फेंक दिया और नशे की हालत में मंडप पर ही गिर पड़ा। इसके बाद वर व वधु पक्ष दोनों के बीच जमकर हंगामा हुआ। यह देख दुल्हन ने नशेड़ी दूल्हे से विवाह करने से साफ इनकार कर दिया।इधर, अधिक नशापान के कारण दूल्हा अर्द्धबेहोशी की हालत में मंगलवार की दोपहर तक मंडप पर ही पड़ा रहा। बाद में उसके होश में आने के बाद उसके स्वजन उसे घर ले जाने की तैयारी करने लगे।

बेखौफ होकर सड़कों पर चलें महिलाएं : डीआईजी

सड़कों पर बढ़ेगी जवानों की तैनाती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। लायंस क्लब मेदिनीनगर फेमिना के तत्वावधान में शहर थाना परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें फेमिना के द्वारा ट्रैफिक पुलिस को बचाव किट के रूप में चश्मा व थरमस उपलब्ध कराया गया। पलामू के डीआईजी नौशाद आलम व पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन के हाथों बचाव किट का वितरण कराया गया।

मौके पर डीआईजी नौशाद आलम ने कहा कि रात में भी बेफिक्र होकर महिलाएंक्षचल सकती हैं। शहर में पुलिस बल को बढ़ाया जाएगा। पुलिस ट्रैफिक को लेकर समीक्षा कर रही है। यह देखा जा रहा है कि ट्रैफिक नियंत्रण में कितने जवानों को तैनात किया गया है। जवानों की संख्या बढ़ाने की योजना पर भी कार्य चल रहा है। डीआईजी ने कहा कि दिन में ही नहीं बल्कि रात में भी बेफिक्र होकर महिलाएं सड़कों पर चलें। पुलिस ऐसा माहौल देने का प्रयास कर रही है जिससे लोग बेखौफ रहें। डीआईजी ने कहा कि जल्द ही तीनों जिलों के एसपी के साथ बैठक करेंगे। ट्रैफिक में जवानों की मदद के लिए यह अच्छी पहल होगी। लायंस क्लब फेमिना द्वारा उपलब्ध कराए गए किट से ट्रैफिक पुलिस सहित अन्य जवानों को कई तरह के फायदे होंगे। भीषण गर्मी में जवानों को फायदा होगा। टाउन के इलाके में ट्रैफिक कंट्रोल के लिए 70 जवान तैनात हैं। प्रमंडलीय मुख्यालय होने के कारण शहर के कई इलाकों में जाम से निपटने के लिए ट्रैफिक सहित अन्य जवानों को तैनात किया गया है।

तीन वाहन आपस में टकराए; चालक-उपचालक सुरक्षित

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड क्षेत्र के दनुआ घाटी स्थित हथिया बाबा के पास बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें तीन वाहन आपस में टकरा गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सभी वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

हालांकि राहत की बात यह रही कि हादसे में शामिल सभी चालक और उप-चालक सुरक्षित बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही चौपारण पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की सहायता से हटाकर सड़क के किनारे किया गया, जिससे कुछ ही समय में आवागमन बहाल हो सका।

स्थानीय लोगों ने चिंता जताते हुए कहा कि दनुआ घाटी क्षेत्र में लगातार दुर्घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन जिला प्रशासन की ओर से कोई स्थायी समाधान अब तक नहीं किया गया है। लोगों ने मांग की है कि इस खतरनाक मोड़ या घाटी क्षेत्र में सुरक्षा के स्थायी उपाय जैसे स्पीड ब्रेकर, चेतावनी बोर्ड और निगरानी की व्यवस्था जल्द की जाय।

तोड़े जाएंगे 38 रेल आवास, बनेगी फोरलेन सड़क

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद रेलवे स्टेशन के सामने से रांगाटांड़ चौक तक के सभी 38 रेल आवास तोड़े जाएंगे। इनमें दो अधिकारी आवास समेत 24 पत्थरकोठी व 12 टाइप-2 आवास शामिल हैं। आवासों को तोड़ने को लेकर इंजीनियरिंग विभाग ने सर्वे पूरा कर लिया है। रेल आवासों को तोड़ कर जमीन का समतलीकरण किया जाएगा, जहां स्टेशन रोड के पेट्रोल पंप के सामने से रांगाटांड़ तक नई फोरलेन सड़क बन कर तैयार होगी।

साथ ही मौजूदा आवासों के विकल्प के तौर पर रांगाटांड़ कालोनी के खाली जगहों पर 60 यूनिट नए रेल आवासों का निर्माण होगा। नए रेल आवासों के लिए दो अलग-अलग टावर का निर्माण होगा। बहुमंजिला रेल आवास टाइप-2 और टाइप-3 बनेंगे।

रांगाटांड़ कालोनी से प्रस्तावित नई फोरलेन सड़क का निर्माण पूरा होते ही मौजूदा स्टेशन रोड का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। स्टेशन रोड धनबाद स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया के दायरे में आ जाएगा। सकुर्लेटिंग एरिया को रेलवे नए सिरे से विकसित करेगी।

स्टेशन के अंदर प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग मार्ग बनेंगे। स्टेशन जानेवाले वाहन सीधे जाएंगे। जिन वाहनों को रांगाटांड़ की ओर जाना होगा, उन्हें नई फोरलेन सड़क से रांगाटांड़ पहुंचना होगा।

सोननगर से अंडाल तक मल्टी ट्रैकिंग योजना के तहत धनबाद होकर दो नई रेल लाइन बिछेंगी। इसके अलावा धनबाद-चंद्रपुरा वैकल्पिक रेल मार्ग के लिए भी धनबाद से मतारी तक नई रेल लाइन बिछेगी। तीन नई रेल लाइनें बिछाने के लिए धनबाद स्टेशन के मौजूदा भवन को आगे शिफ्ट करना होगा।

यात्रियों की आवश्यकताओं के मद्देनजर नया स्टेशन का निर्माण होगा। इसे ध्यान में रख कर स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाने का प्लान तैयार किया गया है। मौजूदा भवन के आगे शिफ्ट होने के कारण ही स्टेशन रोड को सकुर्लेटिंग एरिया के दायरे में लाया जाएगा।

बीईईओ का गरिमापूर्ण स्वागत, निवर्तमान पदाधिकारी को दी गई विदाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड संसाधन केंद्र चौपारण में बुधवार को एक सरल लेकिन गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नवपदस्थापित बीईईओ प्रभाकर सिंह का स्वागत किया गया और निवर्तमान बीईईओ राकेश कुमार सिंह को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में बीईईओ राकेश कुमार सिंह ने प्रभाकर सिंह को बीआरसी का कार्यभार सौंपा। श्री सिंह ने अपने संबोधन में चौपारण में बिताए समय को यादगार बताते हुए कहा कि चौपारण की यादें जीवन भर उनके साथ रहेंगी। उन्होंने शिक्षकों और बीआरसी टीम के सहयोग के लिए आभार जताया।

नवीन बीईईओ प्रभाकर सिंह ने कहा कि वे शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्य को प्राथमिकता देंगे और सभी के सहयोग से चौपारण को शैक्षणिक रूप से और मजबूत बनाएंगे। इस मौके पर बीपीएम मो. आरिफ अंसारी, बीआरपी मो. सईद अंसारी, बजरंगी प्रसाद, सीआरपी प्रान्तोष सिंह, प्रदीप यादव, महेंद्र साव, किशोर कुमार, विष्णुनाथ रविदास, शशि कुमार, पवन महतो सहित अनेक शिक्षक व शिक्षा सेवक उपस्थित थे। कार्यक्रम में स्वागत और विदाई के साथ स्नेह और सौहार्द्र का भावपूर्ण वातावरण देखने को मिला।

बाइक ने मारी टक्कर, मौत

गयाजी। जिले के चंदौती थाना क्षेत्र अंतर्गत बतसपुर गांव के पास बुधवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 60 वर्षीय ग्रामीण की जान चली गई। मृतक की पहचान बतसपुर निवासी रामचंद्र यादव के रूप में की गई है, जो साइकिल से जा रहे थे। पहले एक तेज रफ्तार बाइक ने उनकी साइकिल में टक्कर मारी, जिससे वे सड़क पर गिर पड़े। उसी समय पीछे से आ रही तेज गति की एक कार ने उन्हें कुचल दिया। मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

पर्यावरण शुद्ध करने के लिए करना होगा पौधारोपण : भाई धनंजय

पर्यावरण दिवस पर शिव शिष्यों का किया आह्वान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) । पर्यावरण प्रदूषण हो गया है। लोग शुद्ध ऑक्सीजन नहीं ले पा रहे हैं।इसके चलते लोगों को तरह- तरह की नई कई बीमारियां हो रही हैं। इन घातक बीमारियों से बचने के लिए पौधारोपण करना जरूरी है। उक्त बातें शिव शिष्य परिवार इकाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष भाई धनंजय ने कही। वे विश्व पर्यावरण दिवस पर शिव शिष्यों को पौधारोपण का आह्वान रहे थे। उन्होंने कहा कि कई उद्योगों के चिमनियों से धुएं निकल रहे हैं। मिट्टी से बना रहे ईंट की चिमनियों से काफी तीक्ष्ण व जानलेवा धुआं निकल रहा है। पर्यावरण इतना प्रदूषित हो गया है कि लोगों को मास्क पहनना पड़ रहा है। कई तरह की एलर्जी हो रही है। चिकित्सक लोगों को प्रदूषित हवा से बचने के लिए मास्क लगाने की सलाह दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर आज पर्यावरण के बारे में नहीं सोचेंगे तो आने वाली पीढ़ी को अपने पीठ पर ऑक्सीजन का सिलेंडर रखकर चलना पड़ेगा। उस भयावह समय से बचने व अपने आने वाली पीढ़ी को बचाने के लिए निर्णायक कदम उठाना आज ही उठाना पड़ेगा। इसके लिए सभी शिव शिष्यों को संकल्प लेना होगा कि हर हाल में पौधा लगाएंगे। शिव शिष्य अपने-अपने घर के कैंपस व बाड़ियों में इस वर्ष पौधारोपण करें। उन्होंने कहा कि अपने पूर्वजों के प्रकृति से उधार लेकर स्वर्गवास हो जाने के कारण आज सभी लोग कष्ट में हैं। इसके निवारण के लिए व अपने पूर्वजों को ऋण से मुक्ति दिलाने के लिए घर के सभी सदस्य एक-एक पौधा जरूर लगाएं। महसूस करेंगे कि पौधारोपण व उसे अपने बच्चों की तरह बचाने के बाद उनके घरों से कष्ट दूर हो गए।

समस्या का समाधान नहीं हुआ तो विभाग के खिलाफ आरपार की होगी लड़ाई

हम व लोजपा अध्यक्ष ने दी आंदोलन की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) । हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा सेक्युलर के पलामू जिला अध्यक्ष आशुतोष तिवारी व लोजपा जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता के नाम से छह सूत्री मांग-पत्र एसडीओ व कनीय अभियंता को सौंपा। एक महीने का अल्टिमेटम देकर अविलंब कारवाई करने की मांग की। इस पर बिजली विभाग के एसडीओ व कनीय अभियंता ने आश्वासन दिया कि एक से डेढ़ माह के अंदर सारी समस्याओं पर ठोस पहल करते हुए निजात दिलाई जाएगी। पार्टी की मांग पर एसडीओ ने कहा कि शहरी क्षेत्र में कमेटी गठन कर समस्याओं की जांच करेंगे । साथ ही आम जनता की समस्याओं से निजात दिलाया जाएगा। विभाग द्वारा किसी भी तरह का कोई रिश्वत नहीं लिया जाएगा। यदि कोई लेता है तो इसकी सूचना आम जनता बिजली विभाग को उपलब्ध कराये। रिश्वत मांगने वाले पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जेल भिजवाने का काम किया जाएगा। साथ ही स्मार्ट मीटर लगाने के बदले में किसी भी तरह का शुल्क नहीं लिया जाएगा। निशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इन सारे आश्वासन को सुनकर हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के अध्यक्ष आशुतोष कुमार तिवारी व लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के पलामू अध्यक्ष राकेश सिंह ने संयुक्त रूप से घोषणा किया कि किसी भी तरह से निर्धारित अवधि के अंदर समस्या का समाधान नहीं होता है तो बिजली विभाग के खिलाफ आरपार की लड़ाई लड़ी जाएगी। जरूरत पड़ने पर तालाबंदी से लेकर सड़क पर उतरने का काम किया जाएगा।

किसी भी तरह का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस प्रतिनिधिमंडल में हम पार्टी के पलामू जिला महासचिव भरत द्विवेदी, जिला सचिव वारिस आलम, जिला प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी मुकेश कुमार पाठक, जिला संगठन सचिव कुमार उमेश, मनोज पाण्डेय, एससी-एसटी मोर्चा अध्यक्ष रमेश उरांव, शाहनवाज खान, ओमप्रकाश विश्वकर्मा, राजेन्द्र शुक्ला, लोजपा नेता रंजीत पासवान, संजित तिवारी, विवेक सिंह, विकास कुमार, मनोज पाण्डेय समेत काफी संख्या में पार्टी के नेता व सदस्य शामिल थे।

मुख्यमंत्री ने पटना में सौर ऊर्जा परियोजना का किया शुभारंभ

सस्ती दर पर मिलेगी बिजली : नीतीश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज पटना जिला अंतर्गत बिक्रम लॉक कैनाल बैंक सौर ऊर्ज़ा परियोजना का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत सौर ऊर्ज़ा को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए राज्य के विभिन्न नहरों, बांधों, नदी एवं तटबंधों के किनारे खाली पड़े स्थलों का सर्वे कराकर बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा संयंत्र का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के उत्पादन से पारंपरिक ऊर्जा पर निर्भरता कम होगी, प्रदूषण रहित ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही कार्बन उत्सर्जन में कमी होगी एवं पर्यावरण संरक्षण में इसका लाभ मिलेगा। इस परियोजना के संचालन से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा और इससे आर्थिक लाभ भी होगा। उन्होंने कहा कि बिजली के क्षेत्र में हमलोगों ने कई काम किए हैं। हर घर तक बिजली पहुंचा दी गई है। लोगों को सस्ती, गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने के लिए हमलोग लगातार काम कर रहे हैं। इधर, बिक्रम लॉक कैनाल बैंक सौर ऊर्ज़ा परियोजना का मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया और परियोजना की कार्य पद्धति एवं व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि बिहार सरकार के जल-जीवन-हरियाली अभियान के 10वें अवयव (सौर ऊर्ज़ा उपयोग को प्रोत्साहन एवं ऊर्ज़ा की बचत) के तहत हरित ऊर्ज़ा के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए राज्य में सौर ऊर्ज़ा संयंत्र लगाए जा रहे हैं। राज्य सरकार की ओर से बताया गया है कि पटना जिला में विक्रम लॉक के समीप मुख्य नहर के किनारे जल संसाधन की भूमि पर दो मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्ज़ा परियोजना का निर्माण कराया गया है। इस परियोजना को स्थापित करने के लिये राज्य सरकार द्वारा राशि का वहन नहीं किया गया है। ऊर्ज़ा विभाग द्वारा किए गए एकरारनामा के तहत निजी कंपनी द्वारा 25 वर्षों के लिए 3.10 प्रति यूनिट की दर से बिजली, ऊर्ज़ा विभाग को उपलब्ध करायी जाएगी।

बैंकर्स समिति की बैठक में ऋण प्रवाह को बढ़ाने पर जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति, बिहार की 93 वीं त्रैमासिक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता राज्य के उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने की तथा बैंकों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बैंको द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 में स्वीकृत ऋण, राज्य के जमा शाखा अनुपात और एसीपी में लक्ष्य प्राप्ति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में बैंकों से ऋण प्रवाह को बढ़ाने का आग्रह किया एवं कृषि क्षेत्र के साथ साथ अन्य नए-नए उपलब्ध अवसरों सहित विभिन्न सरकार प्रायोजित ऋण योजनाओं के अंतर्गत अधिक से अधिक लोगों को आच्छादित करने का निर्देश दिया। बैठक में सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री रेणु देवी, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और शहरी विकास मंत्री जिबेश कुमार भी इस अवसर पर उपस्थित थे। उन्होंने अपने-अपने विभागों से संबन्धित बैंकों द्वारा चलायी जा रही योजनाओं की समीक्षा की ओर उनमें उपलब्धि बढ़ाने का निर्देश दिया। बैठक का प्रारम्भ भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक के. वि. बंगारराजु के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होने वर्ष 2024-25 में राज्य में बैंको द्वारा वित्तीय क्षेत्र में किए गए कार्यों, बैंकिंग परिदृश्य तथा उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होने वार्षिक साख योजना 2025-26 के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति हेतु एक रूपरेखा प्रदान की। सभा को संबोधित करते हुए आरबीआई के क्षेत्रीय निदेशक सुजीत कुमार अरविंद ने बिहार के विस्तृत वर्तमान आर्थिक परिदृश्य पर चर्चा की, साथ ही वित्तीय समावेशन की दिशा में बैंको के कार्यों की सराहना की। उन्होने 19 वैसे जिले जिनका सीडी अनुपात राज्य के औसत से कम है उन्हे सुधार तथा अधिक एनपीए वाले बैंकों एवं जिलों के अपनी निगरानी प्रक्रिया को बेहतर बनाने को कहा। नाबार्ड के मुख्य महाप्रबन्धक विनय कुमार सिन्हा ने भी बैंकों का मार्गदर्शन किया। सभा का संचालन करते हुए सहायक महाप्रबंधक कुमार रणजीत द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 मे बिहार के बैंकों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों मे की गई उपलब्धि का ब्योरा प्रस्तुत किया गया। इस दौरान मंच पर उपस्थित बिहार के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह ने बिहार के औद्योगिक विकास की जानकारी प्रदान की तथा बैंको द्वारा सरकार प्रायोजित योजनाओं मे ऋण प्रवाह की समीक्षा की। इसी क्रम में प्रधान सचिव एन विजया लक्ष्मी द्वारा भी बैंकों के ऋण की समीक्षा की गई तथा कृषि क्षेत्र से जुड़े अन्य गतिविधियों में ऋण प्रवाह बढ़ाने हेतु आवश्यक निर्देश दिये गए। सभा का समापन महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक सह संयोजक (राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति, बिहार) रवींद्र कुमार श्रीवास्त धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुई। इस बैठक में राज्य में कार्यरत सभी बैंकों के साथ-साथ सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा वीसी के माध्यम से जिला प्रशासन तथा जिलों के अग्रणी जिला प्रबंधक भी जुड़े हुए थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एचडीएफसी बैंक ने की प्लास्टिक मुक्त पहल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। एचडीएफसी बैंक ने विश्व पर्यावरण दिवस को सीएसआर कार्यक्रम परिवर्तन के तहत संग्रहण अभियान, सफाई अभियान तथा ग्राहकों को अपने ई-कचरे को रीसायकल करने, शाखा में जमा करने तथा प्लास्टिक के विकल्प का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किय। ऑनलाइन समर्पित वेबपेज पर प्लास्टिक प्रदूषण के प्रभावों की जानकारी एवं दैनिक जीवन में प्लास्टिक के उपयोग को कम करने लिए लॉन्च किया है। बैंक के उप प्रबंध निदेशक कैजाद भरूचा ने कहा कि प्लास्टिक जागरूकता अभियान प्रदूषण को दूर करने के लिए और पर्यावरण की रक्षा के लिए स्थानीय स्वामित्व का समर्थन एवं सामूहिक सहयोग के साथ मिलकर प्रभाव पैदा करने के लिए डिज़ाइन की गई है। परिवर्तन हस्तक्षेपों के माध्यम से, बैंक का लक्ष्य वर्ष 2025 तक 1,000 से अधिक गांवों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को लागू करना और 15 शहरी स्थानीय निकायों में सामग्री पुर्नप्राप्ति सुविधाएं स्थापित करना है। भारत भर के विभिन्न क्षेत्रों में, बैंक ने समग्र दृष्टिकोण में अपशिष्ट पृथक्करण, पुनर्चक्रण और लैंडफिल निर्भरता को कम करने को लागू किया है। ये प्रयास स्वच्छ भारत अभियान और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) जैसे राष्ट्रीय मिशनों के साथ संरेखित हैं और कई राज्यों में फैले हुए हैं, जो शैक्षिक पहल, कला प्रतिष्ठानों और व्यवहार परिवर्तन अभियानों के माध्यम से निवासियों को जोड़ते हैं।

विकास कार्यों में महती भूमिका निभा रहे बिहार के कामगार : संतोष

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जिनेवा/पटना। स्विट्ज़रलैंड के जिनेवा में 2 से 13 जून तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के 113वें सम्मेलन में बिहार सरकार के श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह और विभागीय सचिव दीपक आनन्द ने भाग लेते हुए वैश्विक मंच पर बिहार में श्रमिकों के लिए चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं को साझा किया। मंत्री श्री सिंह को भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा 'अतिथि मंत्री' के रूप में भारतीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया गया है। उन्होंने सम्मेलन में अपने संबोधन में कहा कि बिहार के कामगार देशभर में विकास कार्यों में महती भूमिका निभा रहे हैं, इसलिए राज्य सरकार उनके हित में अनेक जनोपयोगी योजनाओं का संचालन कर रही है। मंत्री ने बताया कि बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के माध्यम से विवाह, शिक्षा, मातृत्व-पितृत्व, साइकिल क्रय, मृत्यु एवं पेंशन सहित 16 कल्याण योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसके अलावा प्रवासी मजदूर दुर्घटना अनुदान योजना के माध्यम से देश-विदेश में काम कर रहे श्रमिकों और उनके आश्रितों को दुर्घटना या मृत्यु की स्थिति में अनुदान एवं सहायता दी जा रही है। सम्मेलन में मंत्री के द्वारा यह भी बताया गया कि बिहार कौशल विकास मिशन के तहत कुशल युवा कार्यक्रम, फायनेंशियल एकाउंटिंग, आरटीडी, डोमेन स्किलिंग, आरपीएल जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को बाजार की मांग के अनुरूप कौशल प्रदान कर रहे हैं। विभागीय सचिव दीपक आनन्द ने प्रवासी मजदूर-कामगार ऐप की जानकारी देते हुए बताया कि यह ऐप प्रवासी श्रमिकों के लिए एक डिजिटल कनेक्टिविटी और लाभ पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। सरकार इस माध्यम से न सिर्फ श्रमिकों को योजनाओं से जोड़ रही है, बल्कि पंचायत स्तर पर उनका डेटाबेस तैयार कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि बिहार के सभी सरकारी आईटीआई को टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में बदला गया है और आधुनिक तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गौरतलब है कि इस वैश्विक मंच पर भारत एक चार-सदस्यीय प्रमुख सदस्य देश के रूप में भाग ले रहा है और बिहार की भागीदारी इस बार नीति, नवाचार और श्रमिक कल्याण की दिशा में राज्य की सशक्त उपस्थिति को दर्शा रही है।

शारीरिक शिक्षकों ने शिक्षा मंत्री सुनील कुमार का किया घेराव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। वेतन वृद्धि और स्थायी नियुक्ति की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे शारीरिक शिक्षकों ने बुधवार को पटना में जदयू कार्यालय के बाहर शिक्षा मंत्री सुनील कुमार का घेराव किया। दरअसल राज्य के शारीरिक शिक्षक अपनी मांगों को लेकर जदयू कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। इनका कहना है कि उन्हें केवल 8000 मासिक वेतन दिया जा रहा है जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण और अपमानजनक है। प्रदर्शन के दौरान शिक्षा मंत्री सुनील कुमार जब कार्यालय पहुंचे तो हालात बेकाबू हो गए और सुरक्षा में खलल पड़ गया। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। शिक्षा मंत्री जैसे ही अपनी गाड़ी से पहुंचे आक्रोशित शिक्षकों ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान उनकी गाड़ी को आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया गया। हालात बिगड़ते देख सुरक्षा कर्मियों ने मंत्री को भीड़ से सुरक्षित निकालकर जदयू कार्यालय के भीतर पहुंचाया। कुछ देर बाद जब शिक्षा मंत्री कार्यालय से बाहर निकले तो एक बार फिर प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने उन्हें घेर लिया। मौके पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई और कोतवाली थाना की पुलिस को बुलाना पड़ा। इसके बाद पुलिस ने शिक्षा मंत्री को भारी सुरक्षा में वहां से रवाना किया। घटना के बाद जदयू कार्यालय के बाहर कोतवाली थाना की टीम तैनात कर दी गई है।

जन भागीदारी से हारेगा प्लास्टिक प्रदूषण : संजय कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। केन्द्रीय भूमि जल, मध्य पूर्वी-क्षेत्र, पटना में क्षेत्रीय निदेशक राजीव रंजन शुक्ला की अध्यक्षता में बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस के मद्देनजर विश्व प्रदूषण प्लास्टिक को समाप्त करना विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। आनलाइन माध्यम से रांची के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी इसमें भाग लिया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि केन्द्रीय संचार ब्यूरो के उपनिदेशक और गौरैया-सह-पर्यावरणविद ने एक व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण में गहराई तक जड़ें जमा चुका है और इसे हटाना अब एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण ने दुनिया के हर कोने को प्रभावित किया है जो न केवल मानव जीवन बल्कि पशु-पक्षियों और समुद्री जीवों के लिए भी घातक सिद्ध हो रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण एक वैश्विक समस्या है, जिसे केवल सामूहिक प्रयासों और जन भागीदारी से ही हल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत और विश्व के अन्य देशों को सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, रिसाइक्लिंग में सुधार, और वैकल्पिक सामग्रियों को अपनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। साथ ही, लोगों में जागरूकता फैलाने और कचरा निपटान की आदतों को बदलने की जरूरत है। वहीं, क्षेत्रीय निदेशक राजीव रंजन शुक्ला ने भी एक व्याख्यान प्रस्तुत किया जिसके द्वारा प्लास्टिक प्रदूषण की भयवाहता से लोगों को जागरूक किया। उन्होनें कहा कि सामूहिक और प्रत्येक व्यक्ति के छोटे-छोटे प्रयासों से इस प्रदूषण से लड़ जा सकता है। इस अवसर पर पर्यावरण प्रदूषण विषय पर एक क्विज़ का भी आयोजन किया गया जिसमें सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। एनवायरनमेंट वरियर्स के संयोजक निशांत कुमार द्वारा प्रेरणा जागरण के उद्देश्य से कपड़े के थैले का वितरण भी किया गया। मौके पर प्लास्टिक प्रदूषण को हारने को लेकर हस्ताक्षर अभियान भी चला कर प्रतिबंध सिंगल-यूज़ प्लास्टिक को अपने जीवन से दूर करने का संकल्प भी लिया गया। क्षेत्रीय निदेशक को धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

घायलों को अस्पताल पहुंचा बने सम्मान के हकदार

पटना(नबिटा ब्यूरो)। सड़क दुर्घटना में आप यादि किसी घायल व्यक्ति की मदद करते हैं, तो राज्य सरकार आपको इसके लिए सम्मानित भी करती है। सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। सड़क दुर्घटनाओं में किसी घायल के लिए शुरुआती एक घंटा का समय गोल्डन ऑवर (स्वर्णिम समय) माना जाता है। ताकि इनकी जान बचाई जा सके। इस स्वर्णिम समय में घायलों को चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने वाले लोगों को गुड सेमेरिटन (अच्छे मददगारों) कहा जाता है। ऐसे लोगों को सरकार की तरफ से 10 हजार रुपए की नकद राशि से सम्मानित किया जाता है। प्रत्येक वर्ष ऐसे गुड समेटेरिटन को जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) और स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के मौके पर सम्मानित किया जाता है। इन्हें सम्मान स्वरूप प्रमाण पत्र, मोमेंटो, शॉल और 10 हजार रुपए की नकद राशि दी जाती है। इस वर्ष गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) के मौके पर सड़क दुर्घटनाओं में घायलों मददगार बने 84 गुड सेमेरिटन को सम्मानित किया गया है। इसमें सर्वाधिक संख्या पूर्वी चंपारण जिले की है, जहां के 19 अच्छे मददगारों को सम्मानित किया गया है।

उच्च जातियों के विकास पर बने राज्य आयोग की पहली बैठक संपन्न

- तीन उप समितियों का गठन
- जातिगत जनगणना के आंकड़ों को बनाया जाएगा आधार
- कोचिंग, छात्रावास और आयु सीमा पर होगा फोकस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उच्च जातियों के विकास को लेकर गठित राज्य आयोग की पहली बैठक 4 जून को आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष डॉ. महाचन्द्र प्रसाद सिंह ने की। इस दौरान उपाध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद सहित सदस्य राजकुमार सिंह, जयकृष्ण झा और दयानन्द राय उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया गया कि राज्य में पहली बार उच्च जातियों के आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के उत्थान को लेकर आयोग का गठन हुआ है। साथ ही केंद्र सरकार द्वारा देश में आर्थिक आधार पर 10 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के निर्णय को भी सराहा गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि आयोग की कार्ययोजना का आधार 2022-23 में कराई गई जातिगत जनगणना होगी। यह जनगणना राज्य में पहली बार 1931 के बाद कराई गई थी और इसके माध्यम से समाज के सभी वर्गों की शैक्षणिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति का वैज्ञानिक व विश्वसनीय आंकड़ा सामने आया है। आयोग ने उच्च जातियों के आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए तीन उप-समितियों का गठन किया है। पहली उप-समिति की जिम्मेदारी राजकुमार सिंह को सौंपी गई है, जो सरकारी नौकरी में आयु सीमा बढ़ाने पर रिपोर्ट तैयार करेगी। दूसरी उप-समिति की अगुवाई जयकृष्ण झा करेंगे, जो छात्रों के लिए सभी जिलों में छात्रावास की सुविधा पर काम करेगी। तीसरी उप-समिति का नेतृत्व दयानन्द राय करेंगे, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए राज्य स्तर पर कोचिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने संबंधी सुझाव देंगे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि उसके सभी सुझाव आंकड़ों और जमीनी जरूरतों के आधार पर होंगे और इन्हें शीघ्र ही सरकार को सौंपा जाएगा।

नीतीश कुमार ने अतिपिछड़ा समाज को अधिकार व सम्मान दिलाया : जयंत राज

कानून-व्यवस्था को लेकर विपक्ष के आरोप निराधार : सुनील कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जदयू के प्रदेश कार्यालय में बुधवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बिहार सरकार के भवन निर्माण मंत्री जयंत राज और शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने प्रदेशभर से आए आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए जयंत राज ने कहा कि अतिपिछड़ा समाज का अटूट विश्वास हमारे नेता और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लाख कोशिश कर लें, लेकिन उनके मंसूबे बिहार में सफल नहीं होंगे। जब कांग्रेस पार्टी को काम करने का अवसर मिला, तब उन्होंने वंचित वर्गों की चिंता नहीं की। आज वे नकली मुखौटा लगाकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। जयंत राज ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कई कल्याणकारी योजनाएं लागू कर अतिपिछड़ों को उनका वाजिब हक और सम्मान दिलाया है। अतिपिछड़ा समाज के सच्चे हितैषी नीतीश कुमार ही हैं।

घर के बुजुर्ग भगवान समान : डॉ गीता जैन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार प्रादेशिक अग्रवाल सम्मलेन एवं अग्रवाल चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान एवं कला जागरण पटना के सहयोग से दादी मंदिर में बच्चों के लिए समर कैम्प का आयोजन किया गया। बच्चों को नैतिक शिक्षा के बारे में बताते हुए बिहार महिला अग्रवाल अध्यक्ष डॉ गीता जैन ने बच्चों को बताया की घर में रहने वाले हमारे दादा,दादी, माता,पिता भगवान के समान होते हैं। प्रतिदिन सुबह उन्हें प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लेना चाहिए। डॉ जैन ने बच्चों को बताया कि बड़े बुजुर्गों को हमें गुड मोर्निंग नहीं बोलकर उन्हें प्रणाम करना चाहिए। अगर उन्हें प्रणाम करेंगे तो हमें उनका आशीर्वाद मिलेगा। इसके बाद समर कैंप की शुरुवात योग प्रशिक्षिका रीना कुमारी ने बच्चों को सूर्य नमस्कार तथा हाईट बढाने का का योग करना सिखाया। मम्मियों ने भी बच्चों के साथ योग किया। योग के बाद क्राफ्ट शिक्षिका निभा कुमारी ने बच्चों को क्ले से विभिन्न बस्तुएं बनाना बताया। साथ हीं उनपर रंग भरने की कला सिखाई। इसके बाद प्रसिद्ध रंगकर्मी सुमन कुमार ने बच्चों को अभिनय करना बताया। सुमन कुमार ने बताया कि रंगमंच पर अभिनय के लिए सबसे पहले संवाद को समझकर शारीरिक हाव भाव को पात्र के अनुरूप ढालना होता है। मौके पर सम्मलेन के महामंत्री अक्षय अग्रवाल ने बताया की समर कैंप में बच्चों को बरौनी सुधा डेयरी के प्रबंध निदेशक रविन्द्र प्रसाद सहित संजय भालोटिया, रोहन झुनझुनवाला, मुकेश हिसारिया, पंकज लोहारुका सहयोग कर रहे हैं। एम पी जैन ने बताया कि समर कैम्प को सफल बनाने में अमर अग्रवाल, अक्षय अग्रवाल, एम पी जैन, निर्मल अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, तनुजा अग्रवाल, अनुपम जैन, सुबोध जैन, पुष्पा जैन, रानी सिंह, मृत्युंजय कुमार, रविशंकर उपाध्याय, अभिषेक जैन, सुनैना सिंह एवं कला जागरण के रोहित कुमार आदि सक्रिय थे।

मगरदहीघाट से मुक्तापुर तक फोरलेन सड़क व पुल निर्माण को मंजूरी

मंत्री नितिन नवीन ने जताया केंद्र सरकार का आभार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। समस्तीपुर जिले में यातायात के सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-322 पर मथुरापुर से मुक्तापुर आरओबी तक कुल 2.056 किमी लंबी सड़क को फोरलेन में तब्दील करने तथा बूढ़ी गंडक नदी पर 200 मीटर लंबे नए एचएलआरसीसी पुल के निर्माण की महत्वाकांक्षी परियोजना को केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। इसके लिए मंत्रालय द्वारा 58.60 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति भी प्रदान कर दी है। राज्य के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने इसके लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस परियोजना में एनएच-322 के चेनज 67.471 किमी से 69.256 किमी तक सड़क का चौड़ीकरण एवं मजबूत करने के साथ-साथ पुराने क्षतिग्रस्त स्क्रू पाइल पुल के स्थान पर नया एचएलआरसीसी ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस सड़क परियोजना की प्रशासनिक स्वीकृति के बाद इसकी निविदा भी जारी कर दी गई है।

दक्षिण पूर्व रेलवे में 324 करोड़ की लागत से कवच प्रणाली के क्रियान्वयन को स्वीकृति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रेलवे को शून्य दुर्घटनाओं की दिशा में अग्रसर करने वाला एक बड़ा कदम

कोलकाता। रेल यात्रियों की सुरक्षा को और अधिक मजबूत करने की दिशा में दक्षिण पूर्व रेलवे ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 324.54 करोड़ की लागत से कवच प्रणाली के क्रियान्वयन को मंजूरी दी है। यह अत्याधुनिक सुरक्षा तकनीक अब 525 रूट किलोमीटर और 136 लोकोमोटिव्स पर लागू की जाएगी। यह परियोजना 'एसईआर कवच बैलेंस वर्क्स' के अंतर्गत संचालित होगी, जिसका उद्देश्य पूरे दक्षिण पूर्व रेलवे क्षेत्र में 100 प्रतिशत कवच सुरक्षा कवरेज सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही यह पहल भारतीय रेलवे को शून्य दुर्घटनाओं की दिशा में अग्रसर करने वाला एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

क्या है कवच प्रणाली

कवच भारतीय रेलवे द्वारा विकसित एक स्वदेशी, टकराव-रोधी तकनीक है जो लोकोमोटिव और ट्रेनों में इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण की व्यवस्था से सुसज्जित होती है। यह प्रणाली सिग्नल उल्लंघन को रोकने, ट्रेनों की गति को नियंत्रित करने तथा लोको पायलट की त्रुटियों के बावजूद स्वचालित ब्रेकिंग की सुविधा प्रदान करती है। कवच के माध्यम से न केवल दो ट्रेनों के बीच की टक्कर रोकी जा सकती है, बल्कि घने कोहरे व कम दृश्यता की स्थितियों में भी ट्रेनों का संचालन सुरक्षित रूप से संभव होता है।

प्रत्याशित लाभ

इस योजना के पूर्ण हो जाने पर दक्षिण पूर्व रेलवे की समूची रेल पटरियों पर कवच प्रणाली का कवरेज होगा, जिससे सिग्नल पास करने की त्रुटियों और आपसी टकराव की संभावना को पूर्णतः समाप्त किया जा सकेगा। इससे न केवल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि रेलवे पर आम जनता का विश्वास भी और अधिक मजबूत होगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह परियोजना प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना एवं रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित सुरक्षा प्राथमिकताओं के अनुरूप है। इससे भारतीय रेल की छवि एक सुरक्षित, आधुनिक एवं विश्वसनीय परिवहन साधन के रूप में और सशक्त होगी। ज्ञात हो कि कवच प्रणाली को पहले ही कुछ जोनल रेलवे में सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है और यह वैश्विक मानकों के अनुरूप सुरक्षा मुहैया कराने वाली तकनीक के रूप में उभर रही है।

कांग्रेस व जनसुराज ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुजफ्फरपुर में एक दलित बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म के बाद चाकुओं से घायल किए जाने और जब उसे पीएमसीएच में लाया गया तो समय पर उचित चिकित्सा के अभाव में उसकी मौत पर पूरे राज्य में आक्रोश का माहौल है। इस घटना को लेकर विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है और इसकी उच्चस्तरीय जांच की मांग कर रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को कांग्रेस और जनसुराज पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने अलग-अलग राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा है। कांग्रेस ने राज्यपाल से विशेष सत्र बुलाने की भी मांग की। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में राज्यपाल से मुलाकात के बाद प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि उन्होंने राज्यपाल से मांग की है कि इस गंभीर मामले पर बिहार विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर चर्चा कराई जाए। प्रतिनिधिमंडल ने घटना की उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा कि पीएमसीएच और एसकेएमसीच के दोषी डॉक्टरों व पदाधिकारियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके अलावा कांग्रेस ने राज्यपाल से अपील की कि पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए और उचित मुआवजे की घोषणा की जाए। राजेश राम ने बताया कि राज्यपाल ने पूरे मामले को गंभीरता से सुना है और आश्वासन दिया है कि वह इस विषय पर राज्य सरकार से बातचीत करेंगे। कांग्रेस के बाद जन सुराज पार्टी का भी एक प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मिला और उन्हें ज्ञापन सौंपा।

संपादकीय

बेकार का डर

भारत और पाकिस्तान के बीच का हालिया टकराव किसी भी वक्त ऐसे मोड़ पर नहीं पहुंचा, जब परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की नौबत आई हो - चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान का यह बयान आशंकाओं को दूर करने के साथ ही एटमी ताकत के रूप में नई दिल्ली की परिपक्वता और जिम्मेदारी के भाव को भी दिखाता है। छ्ष्ठस्ने कहा कि दोनों देशों की सेनाओं ने तार्किक रुख अपनाया यानी उन्होंने पाकिस्तान को भी उसके हिस्से का श्रेय दिया, जो उनका बड़प्पन है।भारत और पाकिस्तान के बीच जब भी तनाव बढ़ता है, तो पश्चिम की तरफ से सबसे पहली चिंता यही जताई जाती है कि अगर टकराव हुआ तो वह परमाणु युद्ध तक पहुंच सकता है। कारगिल से लेकर बालाकोट तक, अतीत में कई बार ऐसा हो चुका है। यहां तक कि कारगिल को लेकर कहानियां तक फैल चुकी हैं कि परमाणु युद्ध आसन्न था, पर अमेरिकी दखल से टल गया। इस बार भी अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप एटमी वॉर रुकवाने के लिए खुद से अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। विडंबना है कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का इकलौता कलंक अमेरिका के ही माथे है। पश्चिम का यह अंदेशा दरअसल भारत की क्षमताओं को कम करके आंकना है। परमाणु हथियार किसी भी युद्ध का अंतिम विकल्प हैं और उस सीमा पर पहुंचने से पहले कई सारे पड़ाव आते हैं। भारत ने वैसे भी नो फर्स्ट यूज की नीति अपना रखी है यानी देश परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा। किसी ऐसे मुल्क के खिलाफ भी भारत एटमी वेपन नहीं निकालेगा, जिसके पास परमाणु हथियार नहीं हैं। भारत ने यह ताकत हासिल की है सुरक्षा के लिए, आक्रामकता दिखाने और आक्रमण के लिए नहीं। सीडीएस ने इंटरव्यू में कहा कि सेना के लोग सबसे ज्यादा तर्कसंगत होते हैं, क्योंकि उन्हें परिणाम का पता है। इसका प्रत्यक्ष अनुभव ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुआ था। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पूरा देश गुस्से से उबल रहा था, लेकिन तब भी भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई में संयम बरता और केवल पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया। पाकिस्तान की तरफ से उकसावे वाली कार्रवाइयों के बावजूद भारत के हम सटीक और नियंत्रित रहे। परमाणु हमले की विभीषिका दुनिया देख चुकी है। एक ही झटके में लाखों जिंदगियां तबाह हो गई थीं और आने वाली कई नस्लें दशकों तक वह दंश झेलती रहीं। हिरोशिमा और नागासाकी के साथ जो हुआ था, वह मानव समुदाय के लिए सबक है कि कोई भी युद्ध उस बिंदू तक नहीं पहुंचना चाहिए, जहां ऐसी नौबत आए।

मोदी के 11 वर्ष: दूरदर्शिता से प्रेरित, ऊर्जा से संचालित

हरदीप एस. पुरी

भारत कुछ दिन पहले ही जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। वर्ष 2014 से, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत की जीडीपी 2025 में दोगुनी से अधिक बढ़कर 4.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हो चुकी है। यह सुधारों, उदारपूर्ण नीति और आत्मनिर्भरता की निरंतर खोज पर केंद्रित एक दशक लंबी रणनीति का परिणाम है।

भारत न केवल दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है, बल्कि एक रणनीतिक शक्ति भी बन चुका है। इस वृद्धि का अभिन्न अंग ऊर्जा क्षेत्र, मोदी 3.0 के पहले वर्ष के दौरान एक संरचनात्मक परिवर्तन से गुजरा है, जो पिछले दस वर्षों के आधारभूत परिवर्तन पर आधारित है।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि पिछली तिमाही में भारत की 6.7 प्रतिशत की विकास दर ने इसे एक ऐसे तेजी से बढ़ते ग्राफ पर ला दिया है, जिसे आने वाले वर्षों में कोई भी अन्य देश हासिल करने की उम्मीद नहीं कर सकता।

भारत अब वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा और तेल उपभोक्ता, चौथा सबसे बड़ा रिफाइनर और चौथा सबसे बड़ा एलएनजी आयातक है। वर्ष 2047 तक ऊर्जा की मांग में ढाई गुना वृद्धि होने की आशा है और भारत से की जाने वाली वैश्विक मांग में 25 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। इसलिए रोडमैप स्पष्ट है- ऊर्जा सुरक्षा ही विकास सुरक्षा है। मोदी सरकार की ऊर्जा रणनीति चार-आयामी दृष्टिकोण के माध्यम से उपलब्धता, सामर्थ्य और स्थिरता के रूप में ऊर्जा की त्रिपक्षीय विविधता को दर्शाती है जिसमें स्रोतों और आपूर्तिकर्ताओं का विविधीकरण, घरेलू उत्पादन का विस्तार, नवीकरणीय ऊर्जा में परिवर्तन और सामर्थ्य शामिल है।

तेल और गैस उत्पादन क्षेत्र की प्रारंभिक प्रक्रिया में, भारत का अन्वेषण क्षेत्र वर्ष 2021 में 8 प्रतिशत से दोगुना होकर वर्ष 2025 में 16 प्रतिशत हो गया है। वर्ष 2030 तक 1 मिलियन वर्ग किमी को कवर करने के लक्ष्य के साथ, सरकार का लक्ष्य 42 बिलियन टन तेल और तेल-समतुल्य गैस का अन्वेषण करना है। यह विस्तार ऐतिहासिक सुधारों जैसे कि %नो-गो% क्षेत्रों में 99 प्रतिशत की कमी, ओएएलपी राउंड के माध्यम से सुव्यवस्थित लाइसेंसिंग और नए गैस कुओं के लिए आकर्षक मूल्य निर्धारण प्रोत्साहन द्वारा सक्षम किया गया है। संशोधित गैस मूल्य निर्धारण व्यवस्था के अनुरूप भारतीय क्रूड बास्केट से 10 प्रतिशत से कीमतों को जोड़ने और नए कुओं के लिए 20 प्रतिशत प्रीमियम की पेशकश करने जैसी पहलों ने शहर के गैस नेटवर्क और औद्योगिक उपयोग के लिए गैस की उपलब्धता को बढ़ाया है। लागत कम करने और मुद्रीकरण में तेजी लाने के लिए, नए राजस्व-साझाकरण अनुबंध ईएंडपी उद्यमियों के बीच साझा बुनियादी अवसंरचना की अनुमति देते हैं। तकनीकी और भू-भौतिकीय प्रयासों ने नीति सुधारों को पूरक बनाया है। राष्ट्रीय भूकंपीय कार्यक्रम, मिशन अन्वेषण, एजीजी सर्वेक्षण और महाद्वीपीय शेल्फ मैपिंग ने विशेष रूप से अंडमान, महानदी और कावेरी जैसे सीमांत बेसिनों में डेटा और अन्वेषण आत्मविश्वास को बढ़ाया है। ओएनजीसी और ऑयल इंडिया ने पिछले चार वर्षों में मुंबई अपतटीय, कैम्बे, महानदी और असम बेसिन में 25 से अधिक हाइड्रोकार्बन की खोज की हैं। इनमें से उल्लेखनीय हैं पश्चिमी तट के अपतटीय क्षेत्र में सूर्यमणि और वज्रमणि कुएं और पूर्वी तट के गहरे पानी में उत्कल और कोणार्क क्षेत्र। इन खोजों से भारत के भंडार में 75 एमएमटीओई और 2,700 एमएमएससीएम गैस की वृद्धि हुई है।

वैश्विक बड़ी कंपनियों के साथ सहयोग लाभकारी सिद्ध हो रहा है। बीपी के साथ ओएनजीसी की साझेदारी से मुंबई हाई से तेल के लिए 44 प्रतिशत और गैस के लिए 89 प्रतिशत उत्पादन बढ़ने का अनुमान है। ह्यूस्टन विश्वविद्यालय में एक डेटा सेंटर अब अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के लिए भारत के अन्वेषण डेटासेट तक पहुंच की सुविधा प्रदान करता है।

डाउनस्ट्रीम बुनियादी ढांचे में समानांतर विस्तार हुआ है। भारत अब 24,000 किलोमीटर उत्पाद पाइपलाइनों, लगभग 96,000 खुदरा दुकानों का संचालन करता है और इसने अपने रणनीतिक भंडार और एलपीजी भंडारण को काफी मजबूत किया है। 67 मिलियन से अधिक लोग प्रतिदिन पेट्रोल पंपों पर जाते हैं और यह भारत के ईंधन आपूर्ति इको-सिस्टम की व्यापकता और दक्षता का प्रमाण है।

भारत का शहरी गैस नेटवर्क वर्ष 2014 में 55 भौगोलिक क्षेत्रों से बढ़कर वर्ष 2025 में 307 हो गया है, जिसमें पीएनजी कनेक्शन 25 लाख से बढ़कर 1.5 करोड़ हो गए हैं और 7,500 से अधिक सीएनजी स्टेशन चालू हैं। एकीकृत पाइपलाइन शुल्क और शहरी गैस विस्तार ने दूरदराज के राज्यों में भी सस्ती पहुंच सुनिश्चित की है। जैव ईंधन भारत की हरित रणनीति का आधार बन चुका है। पेट्रोल में इथेनॉल का मिश्रण 2013 के 1.5 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 19.7 प्रतिशत हो गया है। मिश्रण की मात्रा 38 करोड़ लीटर से बढ़कर 484 करोड़ लीटर हो गई है। इससे 1.26 लाख करोड़ विदेशी मुद्रा की बचत हुई, 643 लाख मीट्रिक टन उत्सर्जन कम हुआ और डिस्टिलर्स को 1.79 लाख करोड़ रुपए और किसानों को 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान हुआ।

फीडस्टॉक विविधीकरण- गुड़ से लेकर मक्का की मदद से मजबूत इथेनॉल इको-सिस्टम तैयार किया गया है। समानांतर रूप से, एसएटीएटी पहल ने 100 से अधिक संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) संयंत्रों को चालू किया है और वर्ष 2028 तक 5 प्रतिशत सीबीजी मिश्रण अधिदेश का लक्ष्य रखा है। बायोमास खरीद और सीबीजी-पाइपलाइन कनेक्टिविटी के लिए केंद्रीय समर्थन सर्कुलर ऊर्जा अपनाने में तेजी ला रहा है। 8.62 लाख टन उत्पादन और 3,000 मेगावाट इलेक्ट्रोलाइजर टेंडर के साथ ग्रीन हाइड्रोजन को व्यापक पर बढ़ावा दिया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कम्पनियां आगे बढ़कर नेतृत्व कर रही हैं और आईओसीएल ने हाल ही में लार्सन एंड टुब्रो को अपनी पानीपत रिफाइनरी के लिए एक ऐतिहासिक 10 केटीपीए ग्रीन हाइड्रोजन टेंडर दिया है। बीपीसीएल, एचपीसीएल और गेल भी बड़े पैमाने पर हाइड्रोजन परियोजनाओं के साथ आगे बढ़ रहे हैं, जबकि असम में एनआरएल की ग्रीन हाइड्रोजन इकाई पूर्वोत्तर में प्रथम बनने की ओर अग्रसर है। भारत का प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क अब 25,000 किमी से अधिक विस्तारित हो चुका है और वर्ष 2030 तक इसके 33,000 किमी तक पहुंचने का लक्ष्य है। रणनीतिक मूल्य निर्धारण सुधार और परिवहन एवं घरेलू क्षेत्रों के लिए %नो कट% श्रेणी में गैस को शामिल करने से आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित हो रही है। गैस उत्पादन वर्ष वर्ष 2020-21 में 28.7 बीसीएम से लगातार बढ़कर वर्ष 2023-24 में 36.4 बीसीएम हो गया है और इसमें और वृद्धि का अनुमान है। किसी अन्य देश ने अपने %सिस्टम% में भारत जितना बड़ा बदलाव नहीं किया है, जैसा कि तेल क्षेत्र (विनियमन और विकास) संशोधन अधिनियम 2024 से पता चलता है, जिसने हाइब्रिड पट्टों को सक्षम किया है और इससे हाइड्रोकार्बन के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा की अनुमति मिलती है। डीएसएफ क्षेत्र अब न्यूनतम अनुपालन बोझ के साथ सरलीकृत अनुबंधों के अंतर्गत कार्य करते हैं।

पीएम गति शक्ति के माध्यम से पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 1 लाख से अधिक संपत्तियों और पाइपलाइनों का डिजिटल रूप से मानचित्रण किया है। राष्ट्रीय मास्टर प्लान के साथ एकीकरण से मंत्रालयों में वास्तविक समय की परियोजना दृश्यता और तालमेल सुनिश्चित होता है। भारत-नेपाल पाइपलाइन और समृद्धि उपयोगिता गलियारे जैसी प्रमुख परियोजनाओं को मार्ग अनुकूलन और 169 करोड़ रुपए से अधिक की लागत बचत का लाभ मिला है। वहनीयता इसके केंद्र में बनी हुई है। वैश्विक एलपीजी की कीमतों में 58 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद, पीएमयूवाई लाभार्थी प्रति सिलेंडर 553 रुपये का भुगतान करते हैं, जिसे लक्षित सब्सिडी और तेल कंपनियों को क्षतिपूर्ति से समर्थन मिलता है। भारत में ईंधन की कीमतों को उत्पाद शुल्क में कटौती के माध्यम से स्थिर रखा गया है, जिससे नागरिकों को पड़ोसी देशों में देखी जाने वाली अस्थिरता से बचाया जा सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के परिवर्तनकारी नेतृत्व में ग्यारह वर्ष के पश्चात, भारत का ऊर्जा क्षेत्र अब चिंतामुक्त क्षेत्र की श्रेणी में आ चुका है। यह अब आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और रणनीतिक दूरदर्शिता से पहचाना जाता है। ऊर्जा केवल एक वस्तु नहीं है, यह संप्रभुता, सुरक्षा और सतत विकास की उत्प्रेरक है।

****

(लेखक हरदीप एस. पुरी भारत सरकार में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हैं)

क्या ऐसे बनाओगे मुंबई को शंघाई और दिल्ली को सिंगापुर

(अक्षय शुक्ला)

मॉनसून के आगमन के साथ ही एक बार फिर हमारे महानगरों के खस्ताहाल सिविक इन्फ्रास्ट्रक्चर की तस्वीर सामने आ गई। पहली बरसात में ही बेंगलुरू से लेकर मुंबई तक जो हाल हुआ है, उसे देखकर ज़िम्मेदारों को शर्म से पानी-पानी हो जाना चाहिए। मुंबई के अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन की तस्वीर तो बेहद शर्मसार करने वाली थी। कुछ दिनों पहले ही इसे यात्रियों के लिए खोला गया था। चंद घंटों की बारिश में ही पूरे स्टेशन में पानी भर गया। कई जगह तो ऐसा लग रहा था मानो झरना फूट पड़ा हो। मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन का तर्क है कि सुरक्षा के लिए बनाई जा रही दीवार ढहने से अंदर पानी घुसा। यह दीवार 10 जून तक तैयार होनी थी, लेकिन मॉनसून समय से 15 दिन पहले ही यहां पहुंच गया। सवाल यह है कि जब 10 जून मुंबई में मॉनसून की डेट है तो दीवार भी उसी तारीख तक तैयार करने का क्या मतलब है। क्या यह काम मॉनसून से काफी पहले नहीं हो जाना चाहिए था। आखिर ऐसी भी क्या जल्दी थी कि आधे-अधूरे बने स्टेशन को यात्रियों के लिए खोल दिया गया।

मुंबई ही नहीं, केरल, गोवा, बेंगलुरू में भी बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। कुछ घंटों की बरसात में ही इन शहरों के कई इलाके पूरी तरह जलमग्न हो गए। ऐसा नहीं कि बेंगलुरू में ऐसा पहली बार हुआ है। पिछले कई वर्षों से हम लगातार यही तस्वीरें देखते आ रहे हैं। तीन साल पहले वहां की सबसे महंगी सोसायटी के पानी में डूबने की तस्वीरें कौन भूल सकता है। वहां करोड़ों के विला में रहने वाले कई नामी कंपनियों के फाउंडर और सीईओ

की लग्ज़री गाड़ियां पानी में समा गई थीं और उनके परिवारों को ट्रैक्टरों और नावों के ज़रिए वहां से निकाला गया था।

इसके बाद भी इस शहर ने क्या कोई सबक सीखा? पहली बारिश में ही शहर के जलमग्न होने की जैसी तस्वीरें आ रही हैं, उन्हें देखकर तो साफ है कि ड्रेनेज सिस्टम पर कोई काम नहीं हुआ है। बेंगलुरू ही क्या, इस पर तो किसी भी महानगर में काम नहीं हुआ है। जब देश की राजधानी ही ज़रा सी बारिश में डूब जाती है तो बाकी शहरों का क्या कहें। पिछले कई दशकों से हम कनॉट प्लेस के मिंटो ब्रिज को हर बरसात में पानी में समाया हुआ देखते हैं। आखिर दशकों बाद भी हमारे सिविल इंजीनियर इसका कोई उपाय क्यों नहीं ढूंढ पाए, गंभीर सवाल है।

अब तो मौसम विभाग ने साफ कर दिया है कि जून से सितंबर के दौरान भी इस बार सामान्य से अधिक बारिश होगी। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट भी कह रही कि अगले पांच वर्षों में देश में अत्यधिक बारिश से बाढ़ जैसी आपदाएं बढ़ेंगी। जब सारी रिपोर्ट मौसम में अप्रत्याशित बदलाव बढ़ने की ओर इशारा कर रही हैं तो हमें भी उसी हिसाब से अपने ड्रेनेज सिस्टम को सुधारने के लिए बड़े स्तर पर काम करना होगा।

जापान और सिंगापुर जैसे देशों से सीख सकते हैं, जिन्होंने इस दिशा में बेहतरीन काम किया है। सिंगापुर बारिश के सारे पानी को विशाल अंडरग्राउंड जलाशयों में बचाकर रख लेता है, जिससे उसकी साल भर की ज़रूरतें पूरी होती हैं। हमारे यहां तो यह पानी यूं ही बर्बाद हो जाता है। आज तक वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को हम सही तरीके से लागू नहीं कर पाए।

5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष

दुनिया को बचाना है तो प्लास्टिक को कहना होगा ना

संजय कुमार

प्लास्टिक, जो कभी विकास का प्रतीक था, आज पर्यावरण और जीव-जंतुओं के लिए खतरा बन चुका है। यह पर्यावरण में गहराई तक जड़ें जमा चुका है और इसे हटाना अब एक बड़ी चुनौती है। विश्व पर्यावरण दिवस 2025, जो 5 जून को मनाया जाएगा, का थीम ÷प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना÷ (Putting an End to Plastic Pollution) है। इस वर्ष दक्षिण कोरिया वैश्विक समारोह की मेजबानी कर रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण ने दुनिया के हर कोने को प्रभावित किया है, जो न केवल मानव जीवन बल्कि पशु-पक्षियों और समुद्री जीवों के लिए भी घातक सिद्ध हो रहा है। प्लास्टिक का इतिहास और विकास पर नजर डाले तो पहला सिंथेटिक प्लास्टिक 1860 के दशक में एक अंग्रेज रसायनज्ञ अलेक्जेंडर पार्क्स द्वारा आविष्कार किया गया था। उन्होंने एक पदार्थ विकसित किया जिसे उन्होंने ÷पार्केसिन÷ कहा, जो सेल्यूलोज से प्राप्त हुआ था, जो पौधों की कोशिकाओं में पाया जाने वाला एक प्राकृतिक बहुलक है। पार्केसिन को गर्म करने पर ढाला जा सकता था, जो उस समय एक क्रांतिकारी गुण था, और इसे विभिन्न वस्तुओं का आकार दिया जा सकता था।

इसके कुछ समय बाद, 1870 के दशक में, अमेरिकी आविष्कारक जॉन वेस्ले हयात ने ÷सेल्यूलॉइड÷ नामक एक पदार्थ विकसित किया। पार्केसिन की तरह, सेल्यूलॉइड को सेल्यूलोज़ से बनाया गया था, लेकिन यह सस्ता और उत्पादन में आसान था। सेल्यूलॉइड पहला व्यावसायिक रूप से सफल प्लास्टिक बन गया और कंघी, बटन और अंततः फोटोग्राफी और मोशन पिक्चर्स के लिए फिल्म स्टॉक जैसी वस्तुओं में इसका व्यापक उपयोग हुआ। प्लास्टिक को असली सफलता 20वीं सदी की शुरुआत में बैकेलाइट के आविष्कार के साथ मिली, जिसे 1907 में बेल्जियम-अमेरिकी रसायनज्ञ लियो बेकलैंड ने बनाया था। बेकलैंड का आविष्कार पहला पूरी तरह सिंथेटिक प्लास्टिक था, जिसे बिना किसी प्राकृतिक पॉलिमर के बनाया गया था। 1930 और 1940 के दशक तक, पॉलीस्टाइनिन, नायलॉन और पॉलीविनाइल क्लोराइड सहित कई प्रकार के प्लास्टिक विकसित किए गए और विभिन्न उद्योगों में लोकप्रिय हो गए। क्रांतिकारी प्लास्टिक आज प्रदूषित होकर जानलेवा बन चुका है।

आज जिधर नजर डाले उधर प्लास्टिक ही प्लास्टिक है। दुनिया में प्रतिवर्ष लगभग 460 मिलियन टन प्लास्टिक का उत्पादन वैश्विक स्तर पर हो रहा है। पिछले दो दशकों में उत्पादन दोगुना हो चुका है और 2060 तक इसके तिगुना होने की आशंका है। दुनियाभर में तेजी से हो रहे प्लास्टिक के इस्तेमाल से एक दिन धरती पर पाए जाने वाली कुछ खास प्रजातियों के अंत का कारण बनने से कोई रोक नहीं सकता। प्लास्टिक का दुनियाभर में अंधाधुंध उपयोग हो रहा है। इसके कारण आए दिन हजारों टन प्लास्टिक कचरा निकल रहा है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र संघ ने प्लास्टिक को लेकर चिंता जाहिर भी की है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने चेतावनी दी है कि 2050 तक समुद्र में मछलियों से ज्यादा संख्या में प्लास्टिक कचरा होगा।

देखा जाये तो दुनियाभर में निकलने वाले प्लास्टिक कचरे को पूरी तरह से रिसाइकल नहीं हो पाना है। ऐसे में ज्यादातर जगहों पर प्लास्टिक कचरा समुद्र में गिराए जाने के कारण समुद्रों में प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ रहा है। समुन्द्र के साथ-साथ नदियों, तालाबों, जलाशयों आदि की स्थिति एक जैसी है। माइक्रोप्लास्टिक के समुद्रों और नदियों में गिरने या फेंके जाने से उससे निकलने वाले माइक्रोप्लास्टिक कण पारिस्थितिकी तंत्र और मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहे हैं। तो वहीं, जलीय जीव और पक्षी माइक्रोप्लास्टिक को आहार समझ खाकर मौत के मुँह में समा रहे हैं।

भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण एक गंभीर पर्यावरणीय चुनौती बनी हुई है। भारत दुनिया में प्लास्टिक का एक प्रमुख उपभोक्ता भी है। आंकड़ों पर नजर डाले तो प्रतिदिन लगभग 26 हजार टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसमें से केवल 60त्न ही एकत्र और रिसाइकल होता है। सिंगल-यूज़ प्लास्टिक कुल प्लास्टिक कचरे का 50त्न से अधिक हिस्सा बनाते हैं। भारत में प्रति व्यक्ति प्लास्टिक खपत लगभग 11 किलोग्राम प्रति वर्ष है, जो वैश्विक औसत (28 किलोग्राम) से कम है, लेकिन तेजी से बढ़ रही है।

प्लास्टिक कचरा नदियों, समुद्रों और मिट्टी में जमा हो रहा है। जो दुखद है। भारत के तटीय क्षेत्रों, जैसे मुंबई और चेन्नई, में समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण गंभीर मसला है। गंगा नदी में हर साल लाखों टन प्लास्टिक बहता है। माइक्रोप्लास्टिक्स भोजन और पानी के माध्यम से मानव और जीव जंतुओं के शरीर में प्रवेश कर रहे हैं, जिससे कैंसर और हार्मोनल असंतुलन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। समुद्री जीव और स्थलीय प्राणी प्लास्टिक निगलने या उसमें फंसने से मर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट देखें तो गोवा के समुद्र तटों पर कछुए और मछलियां के प्रभावित होने की खबर आती रही हैं।

शहरी क्षेत्रों में भी कचरा संग्रहण और पुनर्चक्रण की सुविधाएं सीमित हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति और खराब है। लोगों में प्लास्टिक कचरे के निपटान और रिसाइक्लिंग के प्रति जागरूकता का अभाव है।

प्रतिबंध के बावजूद सिंगल-यूज़ प्लास्टिक की कम कीमत और आसान उपलब्धता इसका उपयोग बढ़ाती है। सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर प्रतिबंध और रिसाइक्लिंग को बढ़ावा देने के लिए नियम लागू किए गए हैं। लेकिन सब्जी मंडी और छोटे व्यवसायिओं द्वारा इस्तेमाल जहाँ जारी है वही लगातार निगरानी और छापामारी अभियान चलाने में सरकारी एजेंसियां विफल हैं। यों तो, 1 जुलाई 2022 से भारत ने सिंगल-यूज़ प्लास्टिक वस्तुओं पर प्रतिबंध लगा रखा है। इसके वैकल्पिक सामग्री के तौर पर बायोडिग्रेडेबल सामग्री महंगी और कम उपलब्ध है। हम प्लास्टिक को जीवन से निकाल तो नहीं सकते, लेकिन प्रयोग कम तो कर ही सकते हैं। रिसाइक्लिंग में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया जा सकता है। हालांकि कुछ राज्य रिसाइक्लिंग को बढ़ावा दे रहे हैं। वैकल्पिक सामग्री जूट, बांस, और बायोप्लास्टिक के उपयोग भी बढ़ रहे हैं। लेकिन अभी भी व्यापकता नहीं आई है। स्कूलों और समुदायों में प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने का काम सरकारी-ग़ैर सरकारी स्तर पर जारी है। प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ यानि इसे रोकने के लिए घर-घर मुहिम चलाने की जरूरत है। लोगों को इससे नुकसान से अवगत करना होगा । नदियों, समुद्रों और सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने से रोकें की अपील या कडा कदम उठाना पड़ेगा।

एकल-उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने वाली सरकारी नीतियों का समर्थन में सभी को आगे आने की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा में 2022 में समुद्री पर्यावरण सहित प्लास्टिक प्रदूषण पर कानूनी रूप से इसे रोकने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया था। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन ऐसे समय में किया जा रहा है जब देश समुद्री पर्यावरण सहित प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए वैश्विक संधि को सुरक्षित करने की दिशा में प्रगति कर रहे हैं। नवंबर 2024 में, कोरिया गणराज्य ने प्लास्टिक प्रदूषण संधि विकसित करने के लिए वार्ता के पांचवें सत्र के पहले भाग की मेजबानी की थी। हर साल, विश्व पर्यावरण दिवस की मेज़बानी एक अलग देश द्वारा की जाती है, जहाँ आधिकारिक तौर पर समारोह आयोजित किए जाते हैं। 2025 के लिए मेज़बान देश दक्षिण कोरिया है, जिसने समुद्री पर्यावरण सहित प्लास्टिक प्रदूषण पर अंतर-सरकारी वार्ता समिति के पांचवें सत्र के पहले भाग की मेज़बानी की थी। कोरिया गणराज्य द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के लिए वैश्विक अवलोकन की मेज़बानी करने का यह दूसरा अवसर है । पिछले तीन दशकों में, देश ने पानी और हवा की गुणवत्ता में सुधार, रसायनों का सुरक्षित प्रबंधन और पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा और उसे बहाल करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज, विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी के माध्यम से व्यवसायों को जोड़ने के दशकों के अनुभव के आधार पर, कोरिया गणराज्य प्लास्टिक कचरे से निपटने के प्रयासों में अग्रणी देशों में से एक है। कचरे को उसके स्रोत पर रोक लगाकर, पुनर्चक्रण प्रयासों का विस्तार करके और एक परिपत्र अर्थव्यवस्था में संक्रमण को तेज करके, कोरिया गणराज्य प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने और अधिक टिकाऊ भविष्य का निर्माण करने के लिए निर्णायक कार्रवाई कर रहा है। कोरिया गणराज्य के जेजू प्रांत को विश्व पर्यावरण दिवस के लिए मेज़बान स्थान के रूप में चुना गया था 2022 में, प्रांत ने 2040 तक प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्त होने का लक्ष्य घोषित किया।

प्लास्टिक प्रदूषण सिर्फ एक देश की समस्या नहीं है बल्कि यह विश्व के तमाम देशों का है। आज कोरिया गणराज्य भले ही अपने प्रांत को 2040 तक प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्त कर पाने में सफल हो जाए जाए लेकिन दुनिया के सभी देश को प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना होगा तभी दुनिया बचेगी ! और प्लास्टिक प्रदूषण को हारने के लिए सरकार के साथ जन भागीदारी यहां है।

(लेखक केंद्रीय संचार ब्यूरो पटना में उपनिदेशक और चर्चित पर्यावरणविद् हैं)

अंबेडकर पार्क सौंदर्यीकरण कार्य का डीएम ने किया निरीक्षण, 23.22 लाख की लागत से हो रहा कार्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के अंतर्गत अंबेडकर पार्क में हो रहे जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का बुधवार को जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश ने स्थल निरीक्षण किया। इस योजना के तहत 23 लाख 22 हजार 150 रुपये की लागत से पार्क में व्यापक सुधार कार्य किए जा रहे हैं।

परियोजना के तहत दो वृत्ताकार गज़ेबो (छायादार मंडप) का निर्माण, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के चारों ओर पिलर एवं कैनोपी, चाहरदीवारी की मरम्मत एवं रंग-रोगन, जल निकासी के लिए आंतरिक नालियों का निर्माण तथा आमजन के लिए 10 बेंचों की स्थापना की जा रही है।

इसके अलावा समाहरणालय गेट की ओर से एक नया प्रवेश द्वार, पेयजल व्यवस्था में सुधार, पौधारोपण, पार्क का समग्र सौंदर्यीकरण, मूर्ति के आधार (बेस) का सुदृढ़ीकरण, प्रतिमा के समीप एक छोटा मंच और आवश्यकतानुसार बेहतर लाइटिंग की व्यवस्था भी की जा रही है। निरीक्षण के दौरान डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य तय समय सीमा के भीतर और गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि यह परियोजना अंबेडकर पार्क को स्वच्छ, सुरक्षित और सुंदर सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर बुडको नवादा के परियोजना निदेशक चंद्रदीप कुमार, उप परियोजना निदेशक कुंदन कुमार त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

नवनिर्मित मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा से पहले निकली गई कलश यात्रा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। रहुई प्रखंड क्षेत्र के मथुरापुर गांव में नवनिर्मित देवी स्थान मंदिर के प्राणप्रतिष्ठा के मौके पर गाजे बाजे व घोड़ा के साथ 251 महिला श्रद्धालुओं द्वारा कलश यात्रा निकली गई। संयोजक राकेश रंजन, संतोष कुमार सिंह,पंकज कुमार सिंह ने बताया कि नवनिर्मित देवी स्थान मंदिर सह नारायण मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर बुधवार को देवी स्थान से महिला एवं कुमारी कन्याओं द्वारा गाजे वाजे के साथ 251 कलश शोभा यात्रा निकाली गई। अयोध्या से आए पंडितों द्वारा विधि विधान पूर्वक कलश में जल भारी किया गया और वहां से 2 किलोमीटर पैदल चलते हुए पुरे गांव भ्रमण करते हुए देवी स्थान मंदिर पहुंची।

नए डीएम कुंदन कुमार ने की अधिकारियों से परिचयात्मक बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा जिले के नवनियुक्त जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने पदभार ग्रहण करने के बाद मंगलवार को जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ एक परिचयात्मक बैठक आयोजित की। बैठक के दौरान सभी विभागों के वरीय पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को अपना परिचय दिया और विभागीय गतिविधियों से अवगत कराया। जिलाधिकारी ने बैठक में स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि सरकार द्वारा संचालित सभी विकासात्मक योजनाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी रूप से लागू किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि विभिन्न योजनाओं का लाभ आमजन तक सही समय पर पहुंचे, इसके लिए संबंधित अधिकारी पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, आईसीडीएस, उद्योग एवं जीविका विभाग के अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित करते हुए श्री कुमार ने कहा कि ये विभाग आम जनता के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, अतः इन विभागों को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि नवाचार और तकनीक के उपयोग से कार्यों में पारदर्शिता और प्रभावशीलता लाई जा सकती है। इस बैठक में उपविकास आयुक्त, अपरसमाहर्ता, अपरसमाहर्ता (आपदा प्रबंधन), अनुमंडलाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी (गोपनीय शाखा) सहित विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने जिले में विकास कार्यों को गति देने के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

गौशाला ढहने से घायल एक और व्यक्ति की मौत

एरुरी में आंधी और पानी से दीवार गिरने से हुआ था हादसा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पकरीबरावां। सोमवार की शाम को आई तेज आंधी और बारिश से एरूरी गांव के सेनार टोला में गौशाला के गिरने से अबतक दो लोगों की मौत हो गई है। बताया जाता है कि अन्य घायलों का इलाज हो रहा है। हादसे में पहले घायल हुए 70 वर्षीय सरयुग यादव ने नवादा में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। बुधवार की सुबह पटना में इलाज के दौरान घायल दूसरे व्यक्ति बृजनंदन यादव उर्फ वीरू यादव उर्फ ब्यास जी की भी मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में गम का माहौल है। परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। गौरतलब है कि सोमवार की शाम को बारिश से बचने के लिए लोग बृजनंदन यादव की गौशाला के पास खड़े थे।

तभी अचानक करकट लगा हुआ पक्का दीवार भरभराकर गिर पड़ा। इस मलबे में बृजनंदन यादव, उनकी पुत्रवधू कुसुम देवी, पोती सुहानी कुमारी, रामबरन यादव, रवींद्र यादव, सरयुग यादव और पवन कुमार दब गए थे। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए मलबा हटाया और सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा था। अब तक दो व्यक्ति की मौत हो चुकी है। दो लोगों की मौत के बाद गांव में शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रशासन की ओर से फिलहाल किसी तरह की सहायता की घोषणा नहीं हुई है।

एरुरी ग्राम पंचायत के मुखिया विनय कुमार, सरपंच रुपेश कुमार, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि मुकेश चौहान आदि ने अंचलाधिकारी से मृतक के आश्रितों को जांचोपरांत मुआवजा देने की मांग की है। राजस्व अधिकारी सह प्रभारी सीओ निशांत कुमार ने बताया कि आवेदन मिलने पर राजस्व कर्मचारी से घटना की जांच कराई जाएगी। जांच रिपोर्ट आने पर आगे की प्रक्रिया की जाएगी।

मतदाताओं को जागरूक करने को लेकर निकाली साइकिल रैली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर मतदाताओं को जागरूक करने को लेकर बुधवार को बीडीओ संजीव कुमार झा ने साइकिल रैली का आयोजन किया। बीडीओ संजीव कुमार झा ने बताया कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम रवि प्रकाश के निर्देश पर मतदाता को जागरूक करने को लेकर साइकिल रैली निकाली गई है। साइकिल रैली प्रखंड परिसर से निकली। जिसमें दर्जनों बच्चे एवं लोग शामिल हुए। बीडीओ ने बताया कि मतदान करना लोगों का संवैधानिक अधिकार है। इसलिए बिहार विधानसभा चुनाव में प्रखंड क्षेत्र के नए मतदाता, महिला-पुरुष, दिव्यांग लोग मतदान जरूर करें।

तसर कुटीर उद्योग भवन का जिला पदाधिकारी ने किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। नवादा के जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश द्वारा कादिरगंज बाजार स्थित तसर कुटीर उद्योग भवन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान यह भवन जर्जर स्थिति में पाया गया। इस पर जिला पदाधिकारी ने स्थानीय जनों को आश्वस्त किया कि भवन का शीघ्र ही जीर्णोद्धार कराया जाएगा ताकि तसर उद्योग से जुड़े बुनकरों को कटाई, बुनाई, रंगाई एवं छपाई कार्यों में सुविधा मिल सके।

निरीक्षण के दौरान बुनकर सहयोग समिति के अध्यक्ष सुधीर कुमार ने तसर उद्योग की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं वर्तमान आर्थिक कठिनाइयों से जिला पदाधिकारी को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि पूंजी के अभाव में अनेक हैंडलूम इकाइयां बंद हो चुकी हैं तथा बुनकरों को गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में लगभग 75 प्रतिशत हैंडलूम बंद पड़े हैं। उन्होंने यह भी बताया कि तसर उद्योग में पटवा समुदाय की महत्वपूर्ण भागीदारी रही है तथा वर्तमान में लगभग दो हजार लोग इस उद्योग से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। तसर वस्त्रों की विपणन (मार्केटिंग) व्यवस्था की कमी को उद्योग की सबसे बड़ी बाधा बताया। स्थानीय स्तर पर बाजार की अनुपलब्धता के कारण बुनकरों को अपने उत्पादों को बेचने में कठिनाई हो रही है। बुनकरों के लिए नया ऋण उपलब्ध कराने हेतु जिलाधिकारी से आग्रह किया गया, जिस पर उन्होंने उपस्थित अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) को निर्देशित किया कि पात्र बुनकरों को नियमानुसार ऋण उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने तसर से निर्मित वस्त्रों का अवलोकन किया एवं उनकी गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने कहा कि तसर उद्योग को बढ़ावा देने हेतु तसर उद्योग के विपणन एवं प्रक्रिया-पुनर्संरचना में इंजीनियरिंग कॉलेज के स्टार्टअप सेल के छात्रों से समन्वय स्थापित कर उनकी सहायता ली जाए तथा इसमें इंजीनियरिंग छात्रों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए।साथ ही एक समुचित योजना तैयार कर सरकार को प्रस्तावित किया जाएगा, ताकि इस क्षेत्र के बुनकरों को आर्थिक रूप से सशक्त किया जा सके। इस अवसर पर जिला उद्योग केंद्र, नवादा के महाप्रबंधक अमित विक्रम भारद्वाज, नवादा सदर के प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

मतदाताओं को जागरुक करने हेतु निकाली साइकिल रैली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नारदीगंज,नवादा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम रवि प्रकाश के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता हेतु साइकिल रैली बुधवार को निकाली गई। इंटर विद्यालय नारदीगंज से साइकिल रैली निकाली गई। बीडीओ सोनिया ढनढननिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बीडीओ ने कहा मतदान करना संवैधानिक अधिकार है। पहले मतदान करें, तब जलपान करें। इस कार्यक्रम में कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय नारदीगंज की बालिकाएं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। यह रैली इंटर विद्यालय से निकलकर बाजार होते हुए वापस

विद्यालय पहुंची। काफी संख्या में साइकिल सवार बालिकाएं व बालक मतदाता जागरूकता से सम्बंधित नारा लगाये। मौके पर प्रखंड लेखापाल संजीव रंजन बीआरपी समावेशी शिक्षा आनंद कुमार शिक्षक विनोद कुमार दास, वरुण कुमार समेत अन्य भाग लिया।

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा आशुतोष कुमार झा के मार्गदर्शन एवं प्रभारी अवर न्यायाधीश तृतीय सह प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय के देखरेख में बच्चों के लिए कानून सेवाएं इकाई के गठित तथा मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों और बौद्धिक विकलांग व्यक्तियों के लिए कानूनी सेवाएं इकाई के गठित 'मनोन्याय' नामक एक विधिक सेवा इकाई का दो दिवसीय ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कॉन्फ्रेस हॉल, व्यवहार न्यायालय, नवादा में 03 जून 2025 तथा 04 जून 2025 को किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बच्चों के लिए कानून

सेवाएं इकाई के गठित तथा मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों और बौद्धिक विकलांग व्यक्तियों के लिए कानूनी सेवाएं इकाई एलएसयूएम के सदस्य प्रशिक्षण में भाग लिये। धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय अवर न्यायाधीश तृतीय सह प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा द्वारा प्रशिक्षण में बच्चों के लिए बनाये गये कानून एवं मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों को विधिक सहायता के बारे में पैनल अधिवक्तागण एवं पारा विधिक स्वयं को बताया गया। इस मौके पर धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय अवर न्यायाधीश तृतीय सह प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा के अतिरिक्त कैलाश कुमार महथा, सेवा निवृत न्यायिक पदाधिकारी, पैनल अधिवक्तागण चन्द्रशेखर सिंह, निशा गुप्ता एवं डिफ़ेंस लॉयर राजेश कुमार सिन्हा, मो0 साजिद अयुब खान, अमन जैन एवं पारा विधिक स्वयं सेवक एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा के सहायक एवं चतुर्थवर्गीय कर्मी आदि उपस्थित हुए।

शराब के साथ महिला गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पकरीबरावां। पकरीबरावां पुलिस ने थाना क्षेत्र के केशोचक में छापेमारी कर शराब बरामद किया है साथ ही एक महिला कारोबारी को भी गिरफ्तार किया गया। इसकी जानकारी देते हुए पकरीबरावां थानाध्यक्ष रणजीत कुमार ने बताया कि केशोचक में शराब के विरुद्ध अभियान चलाया गया। इस बीच 10 लीटर शराब बरामद किया गया वहीं, स्व. रामदेव चौधरी की पत्नी चिंता देवी को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि बुधवार को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

कड़ी मेहनत से हिमांशु ने पाई जेईई में सफलता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पकरीबरावां। पकरीबरावां प्रखंड क्षेत्र के असवां गांव निवासी पंकज सिंह एवं बेबी देवी के पुत्र हिमांशु कुमार ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई एडवांस) में सफलता पाई है। उसने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की श्रेणी में 336वां रैंक हासिल किया है। उसकी ऑल इंडिया जनरल रैंक 3516 आई है। इस सफलता पर पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है और लोग उन्हें बधाई दे रहे हैं। उसके पिता हैदराबाद में एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। कठिन पारिवारिक परिस्थितियों के बावजूद हिमांशु ने अपने लक्ष्य को पाने के लिए अथक मेहनत की। उसकी प्रारंभिक शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय, हैदराबाद में हुई। बाद में उसकी प्रतिभा को पहचानते हुए केरल सरकार ने उसे स्कॉलरशिप के तहत आगे की पढ़ाई के लिए सहयोग किया। हिमांशु ने बताया कि उसने कठिन परिश्रम, समर्पण और माता-पिता के आशीर्वाद से यह मुकाम हासिल किया है। वह आईएएस बन देश की सेवा करना चाहता है।

चोरडीहा महादलित टोले में विशेष विकास शिविर का डीएम ने किया निरीक्षण, पेयजल-बिजली-सड़क पर दिए निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश ने बुधवार को रजौली प्रखंड के हरदिया पंचायत अंतर्गत मध्य विद्यालय, चोरडीहा में डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत आयोजित विशेष विकास शिविर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया और शिविर में पहुंचे ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने डीएम को बिजली, पेयजल, सड़क और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी से अवगत कराया। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली की अनुपलब्धता से बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है और पेयजल के लिए दूर-दराज तक जाना पड़ता है। इस पर डीएम ने पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया कि गांव में कुएं पर सोलर सिस्टम लगाकर

और पाइपलाइन बिछाकर शीघ्र पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। बिजली समस्या पर बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि हरदिया डैम तक पोल लगाए जा चुके हैं, लेकिन वन विभाग से एनओसी नहीं मिलने के कारण चोरडीहा तक 17 किलोमीटर विद्युत लाइन नहीं बिछाई जा सकी है। इसी प्रकार ग्रामीणों ने चोरडीहा से नावाडीह कोस दरिया तक 4.775 किमी सड़क निर्माण की मांग की, जो वन विभाग की एनओसी के अभाव में लंबित है। जिलाधिकारी ने विद्युत एवं ग्रामीण कार्य विभाग को निर्देशित किया कि पारिवेश पोर्टल पर जल्द से जल्द आवश्यक प्रविष्टि करें और वन प्रमंडल पदाधिकारी को नियमानुसार स्वीकृति शीघ्र देने को कहा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी प्राप्त आवेदनों का शीघ्र एवं प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में डीएम ने चोरडीहा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का भी दौरा किया, जहां बच्चे उपस्थित पाए गए और सेविका द्वारा आहार वितरण किया जा रहा था। इस मौके पर वन प्रमंडल पदाधिकारी श्रेष्ठ कुमार कृष्णा, अनुमंडल पदाधिकारी रजौली स्वतंत्र कुमार सुमन, गोपनीय शाखा प्रभारी राजीव कुमार, कार्यपालक अभियंता पीएचईडी, कार्यपालक अभियंता विद्युत, बीडीओ, सीओ रजौली सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मीडिया लोकतंत्र का सशक्त स्तंभ : अनुमंडल पदाधिकारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिला पदाधिकारी नवादा रवि प्रकाश के निर्देशानुसार अनुमंडल पदाधिकारी नवादा सदर अमित अनुराग की अध्यक्षता में बुधवार को अनुमंडल कार्यालय प्रकोष्ठ में 'मीडिया का प्रशासन में योगदान' विषय पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का एक सशक्त स्तंभ है, जो प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता लाने, जन-जागरूकता बढ़ाने और सुधार की दिशा में अहम भूमिका निभाता है। बैठक के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा नवादा सदर क्षेत्र में यातायात से संबंधित समस्याएं प्रमुखता से उठाई गईं। इस पर अनुमंडल पदाधिकारी ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उपस्थित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी हुलास कुमार ने भी इन समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक कदम उठाने की बात कही।इसके अतिरिक्त, शहर में व्याप्त अतिक्रमण की समस्या पर भी विशेष रूप से चर्चा की गई। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि अतिक्रमण हटाने की दिशा में प्रशासन प्रभावी कदम उठाएगा तथा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के दौरान प्रभारी जिला जन-सम्पर्क पदाधिकारी अमरनाथ कुमार द्वारा मीडिया प्रतिनिधियों से प्रशासन द्वारा दी जा रही खबरों पर सुझाव आमंत्रित किए गए। प्रतिनिधियों ने प्रशासनिक खबरों की प्रस्तुति को संतोषजनक बताया तथा खबरों के साथ वीडियो सामग्री भी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इस पर श्री कुमार ने आश्वस्त किया कि प्रमुख खबरों के वीडियो भी मीडिया को उपलब्ध कराए जाएंगे। बैठक के अंत में अनुमंडल पदाधिकारी ने मीडिया प्रतिनिधियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि प्रशासन मीडिया द्वारा उठाए गए मुद्दों व सुझावों को गंभीरता से लेता है और उनके समाधान के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

12 जून को दीपांकर भट्टाचार्य कार्यकर्ता कन्वेंशन को करेंगे संबोधित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव कॉम दीपांकर भट्टाचार्य 12 जून को वारिसलीगंज आ रहे हैं। यहां पार्टी जिला कमिटी द्वारा आयोजित कार्यकर्ता कन्वेंशन को संबोधित करेंगे। उक्त कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता भाग लेंगे। कार्यकर्ता कन्वेंशन को सफल बनाने के लिए जिला कमिटी की एक दिवसीय बैठक जिला कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला सचिव कॉम भोला राम ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा नीतीश भाजपा के 20 साल के शासन से बिहार की जनता ऊब चुकी है, बिहार बदलाव की मांग कर रही है। ऐसे परिस्थिति में बिहार से फासीवादी मोदी नीतीश की सरकार को उखाड़ फेंक देना वक्त की मांग बन गई है। उन्होंने कार्यकर्ता से कहा कन्वेंशन को सफल बनाने के लिए जुट जाने का आह्वान किया तथा आर्थिक सहयोग लेने में आम बुद्धिजीवियों की अपील की। बैठक में पार्टी राज्य कमिटी सदस्य कॉम नरेंद्र प्रसाद सिंह, सावित्री देवी, वारिसलीगंज विधान सभा प्रभारी कॉम अजित कुमार मेहता, सुदामा देवी, कॉम मेवालाल राजवंशी, कॉम सुधीर राजवंशी, मुखिया कॉम विनय पासवान, कॉम महावीर मांझी, कॉम जगदीश चौहान प्रमुख रुप से शामिल थे।

सुभाष कुमार बने जदयू जिला तकनीकी एवं श्रम प्रकोष्ठ के प्रवक्ता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हिलसा (नालंदा)। जनता दल (यूनाइटेड) के जिला तकनीकी एवं श्रम प्रकोष्ठ में एक अहम नियुक्ति की गई है। प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष राजू कुमार उर्फ चिन्टू महतो ने सुभाष कुमार को जिला प्रवक्ता पद की जिम्मेदारी सौंपी है। इस अवसर पर उन्होंने संगठन के विस्तार की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने तथा अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने की अपील की। प्रवक्ता मनोनीत किए जाने पर सुभाष कुमार ने कहा कि वे संगठन के लिए समर्पित कार्यकर्ता के रूप में कार्य करेंगे और जदयू की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। सुभाष कुमार को बधाई

देने वालों में पूर्व विधान परिषद सदस्य हिरा प्रसाद बिंद, पूर्व विधायक (इस्लामपुर) चंद्रशेन प्रसाद, प्रदेश अध्यक्ष रामचरित्र प्रसाद सिंह, जदयू जिलाध्यक्ष मो. अरशद, प्रो. कमल किशोर प्रसाद, प्रदेश महासचिव पिंकू कुमार, प्रफुल कुमार, सन्नी कुमार, हिमांशु पटेल, पूर्व प्रमुख अनिल प्रसाद, मनीष कुमार, मुन्ना कुमार, रिशु पटेल, विक्की कुमार सहित कई अन्य गणमान्य लोग शामिल रहे।

डीजे के धुन पर बार बालाओं का डांस और हंगामा करते सात गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। बिहार थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार की रात सीढ़ी गली मोहल्ला स्थित एक नवनिर्मित मकान में छापेमारी कर बर्थडे पार्टी के नाम पर चल रही शराब और डांस पार्टी का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने मौके से शराब के नशे में धुत सात युवकों को गिरफ्तार किया है। वहीं, चार टेट्रा पैक शराब बरामद करते हुए डीजे सेट को भी जब्त कर लिया गया। थानाध्यक्ष सम्राट दीपक ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि बबलू कुमार वर्मा के नवनिर्मित मकान में कुछ युवक तेज डीजे पर अश्लील डांस के साथ शराब पार्टी कर रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी हो रही है। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और छापेमारी की। मौके से राजवीर कुमार, शिवम कुमार, जॉनसन कुमार, तनवीर मलिक उर्फ तनवीर इकबाल, आशीष कुमार, पीयूष कुमार वर्मा और संजीव कुमार को गिरफ्तार किया गया। सभी की शराब सेवन की पुष्टि ब्रेथ एनालाइजर जांच में हुई है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर उक्त मकान को सील कर दिया गया है। मकान मालिक के खिलाफ भी विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के पहुंचने से पहले मौके पर मौजूद डांसर फरार हो गईं। इस छापेमारी अभियान में दारोगा रवि कुमार, दीपक कुमार, रिजवान अहमद, खुर्शीद अंसारी, जमादार राकेश कुमार सहित पुलिस बल के जवान शामिल थे।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा में शामिल होने जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

बिहारशरीफ/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चंडी थाना क्षेत्र के एसएच पर माधोपुर के समीप एक अनियंत्रित बाइक ने सड़क किनारे खड़े टेलर में टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक जख्मी हो गया। मृतक इस्लामपुर थाना क्षेत्र के सोहजना गांव निवासी कौशलेंद्र यादव का 24 वर्षीय पुत्र मणिकांत कुमार है। जबकि जख्मी विक्की कुमार है। परिवार वालों ने बताया कि वह अपने रिश्ते के एक भाई के साथ पटना में चल रहे होमगार्ड भर्ती परीक्षा में दौड़ में शामिल होने के लिए बाइक से जा रहा था। इसी दौरान सड़क किनारे खड़े पोल लोड टेलर से बाइक टकरा गई जिससे यह हादसा हुआ। थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों के हवाले कर दिया गया है। जख्मी का इलाज चल रहा है युवक होमगार्ड दौड़ में शामिल होने के लिए पटना जा रहा था।

चीन से आगे निकल सकता है भारतीय विमानन बाजार, पर कर प्रणाली जटिल: महानिदेशक वॉल्श

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) के महानिदेशक विली वॉल्श ने कहा, भारत उन नागरिक विमानन बाजारों में से एक है, जहां विकास के अविश्वसनीय अवसर हैं। इसकी वृद्धि दर चीन से आगे निकलने की उम्मीद है। हालांकि, भारत में कर प्रणाली बहुत जटिल है। यह कई वर्षों से हमारे उद्योग की विशेषता रही है। इसलिए, यह कोई नया मुद्दा नहीं है।

वॉल्श ने कहा, भारत को अपनी क्षमता का पूर्ण दोहन करने और इस दृष्टिकोण को वास्तविकता में बदलने के लिए कराधान के मुद्दे पर ध्यान देना होगा। इसका मतलब यह नहीं है कि कराधान समाप्त करना होगा। लेकिन, इस बारे में स्पष्ट समझ होनी चाहिए कि कराधान नियम किस प्रकार लागू होते हैं। विमानन कंपनियों को कभी-कभी मौजूदा नियम की एक नई व्याख्या मिलती है, जो पहले से पूरी तरह अलग होती है। आईएटीए के महानिदेशक ने कहा, ऐसी स्थिति में करों के लिए दावा किया जाता है, जिसका भुगतान नहीं किया गया है। यह कई वर्षों तक मुकदमेबाजी और चर्चाओं का कारण बनता है, जो आखिरकार हल हो जाता है। कई मामलों में

यह विमानन कंपनी के पक्ष में जाता है। उन्होंने आगे कहा, विमानन कंपनियां किफायती कीमत पर कुशल हवाईअड्डा संचालन चाहती हैं। हम चाहते हैं कि हवाईअड्डों के मामले में दीर्घकालिक निवेश करें, जो उद्योग के लिए सस्ता हो।

हादसों की रिपोर्ट न आने पर जताई निराशा

इससे पहले, विमान सुरक्षा को लेकर वाल्श ने कहा कि पिछले छह साल में हादसों की आधी से भी कम जांचों की अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित की गई है। हादसों की रिपोर्ट से जानकारी का अभाव सुरक्षा के अवसरों की हानि है। पिछले वर्ष 40.6 मिलियन उड़ानों में से सात घातक दुर्घटनाएं हुई तथा 4.8 अरब यात्रियों में 244 लोगों की मृत्यु हुई। वाल्श ने कहा कि पिछले 12 महीनों में संघर्ष क्षेत्रों में दो नागरिक विमान गिराए गए। सैन्य अभियानों में नागरिक विमानों वाले कई हवाई अड्डों पर बमबारी की गई। संघर्ष क्षेत्रों के निकट नेविगेशन प्रणालियों में हस्तक्षेप की घटनाओं में तेजी से वृद्धि हुई।

नौकरियों में नई भूमिकाएं तलाश रहे लोग, रिपोर्ट ने बताया- भारतीय जॉब मार्केट में गतिशीलता अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी। नौकरियों से जुड़े एक सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि भारत के नौकरी बाजार में बड़ी गतिशीलता देखी जा रही है। इसका मतलब है किर बड़ी संख्या में पेशेवर सक्रिय रूप से नई भूमिकाएं तलाश रहे हैं। वे अब अपने वर्तमान संगठनों में बेहतर वेतन के लिए बातचीत कर रहे हैं। माइकल पेज की नवीनतम टैलेंट ट्रेंड्स इंडिया 2025 रिपोर्ट से पता चलता है कि इस वर्ष 62 प्रतिशत पेशेवरों ने वेतन वृद्धि के लिए बातचीत की, और 37 प्रतिशत सफल रहे। जो आंतरिक रूप से प्रगति और बदलाव का संकेत है। रिपोर्ट के अनुसार सफल वेतन वृद्धि की दर पिछले साल के 32 प्रतिशत से बढ़कर इस साल 37 प्रतिशत हो गई है। यह रिपोर्ट देश भर के करीब 3,000 पेशेवरों से मिली जानकारी पर आधारित है। रिपोर्ट के अनुसार, पशेवर अपनी कंपनियों में उद्देश्य, नैतिकता और लचीलेपन को प्राथमिकता दे रहे हैं। माइकल पेज इंडिया और सिंगापुर के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक निलय खंडेलवाल ने कहा, आज का कार्यबल तेजी से मूल्य-संचालित और भविष्य-केंद्रित होता जा रहा है। अब केवल नौकरी से संतुष्टि ही वफादारी सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। कंपनी के भीतर स्थिति बेहतर होने के बावजूद नौकरी की तलाश करने वालों की उच्च दर बताती है कि लोग अब निष्क्रिय से सक्रिय कैरियर प्रबंधन की ओर बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि भारतीय संगठनों में त्वद्वड्ढ टूल्स को अपनाने में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

10 हजार बन जाएंगे 3 लाख!

कैसे? दिग्गज निवेशक रामदेव अग्रवाल ने बताया फॉर्मूला

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में आज शुरुआती कारोबार में तेजी दिख रही है। बीएसई सेंसेक्स अभी करीब 89,000 अंक के आसपास है। दिग्गज इनवेस्टर रामदेव अग्रवाल का कहना है कि भारत का शेयर बाजार बहुत आगे जाएगा। उनका दावा है कि बीएसई सेंसेक्स 2030 तक 1.5 लाख अंक और 2035 तक 3 लाख अंक तक पहुंच सकता है। उनका मानना है कि भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी आएगी और बाजार मजबूत रहेगा। पिछले 45 साल में बाजार हर पांच साल में दोगुना हुआ है। उनका यह अनुमान पुराने आंकड़ों और चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत पर आधारित है। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने 1980 में पहला शेयर खरीदा था तब सेंसेक्स 100 पर था। अब यह 80,000 पर है। इस तरह यह 800 गुना बढ़ गया है, जो 16 प्रतिशत की दर से बढ़ा है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के चेयरमैन रामदेव अग्रवाल ने एक इंटरव्यू में कहा, अगर आप पिछले 45 साल का इतिहास देखें, तो बाजार 15 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। इसका मतलब है कि यह हर पांच साल में दोगुना हो गया है। मैं 10,000 अपने पास सुरक्षित रख रहा हूं। 2030 में यह 1.5 लाख और 2035 में 3 लाख हो जाएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया भी आगे बढ़ रही है। 1995 में दुनिया की अर्थव्यवस्था 25 ट्रिलियन डॉलर थी, जो अब 115 ट्रिलियन डॉलर है।

क्यों बढ़ेगा बाजार

अग्रवाल ने कहा कि दुनिया 5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है और सोना भी 15 साल में दोगुना हो जाएगा। साल 2040 में इकॉनमी 250 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगी। इसमें से भारत को अगले 25 साल में लगभग 10 ट्रिलियन डॉलर मिलेंगे। इसलिए सेंसेक्स लगातार बढ़ता रहेगा। बोफा सिक्योरिटीज ने भी कहा है कि भारत स्टॉक कंपाउंडर के लिए सबसे अच्छी जगह है। उन्होंने 9 ऐसे सेक्टर बताए हैं जिनमें विकास की संभावना है।

उन्होंने कहा कि निवेशकों को लंबी अवधि के लिए सोचना चाहिए और उसी के अनुसार निवेश करना चाहिए। शेयर चुनते समय आपको 2035 को देखना होगा। आप 2035 में बाजार को पहचान नहीं पाएंगे। यह बहुत बड़ा होने वाला है। अग्रवाल ने रिलायंस इंडस्ट्रीज का उदाहरण दिया। साल 2003-04 में रिलायंस 20,000 करोड़ रुपये की कंपनी थी। आज यह 20 लाख करोड़ रुपये की कंपनी है। यह चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत है, जो आपको भविष्य देखने में मदद करती है। यह 99 प्रतिशत सही होता है लेकिन 1 प्रतिशत में कुछ भी हो सकता है।

इन चार सेक्टर्स पर जोर

दिग्गज निवेशक ने कहा कि आधा समय भविष्य आपकी सोच से बेहतर होगा। आधा समय यह बदतर होगा। आपका काम यह पता लगाना है कि आप ज्यादातर समय सही रहें। रामदेव अग्रवाल ने अगले दशक के लिए निवेश के 4 बड़े थीम बताए हैं। इनमें क्विक कॉमर्स, कैपिटल मार्केट, ग्रीन एनर्जी और मैन्युफैक्चरिंग शामिल हैं। क्विक कॉमर्स भारत में तेजी से बढ़ रहा है। इसी तरह वित्तीय बचत के कारण कैपिटल मार्केट में तेजी आ रही है। सोलर और विंड कंपनियां अच्छा कर रही हैं और मैन्युफैक्चरिंग को लेकर निवेशकों में उत्साह है।

क्लीन प्लांट प्रोग्राम के तहत देश में लगेंगे 9 नए प्लांट, कृषि मंत्री ने बागवानी पर दिया जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रति हेक्टेयर किसानों की आय बढ़ाने और बागवानी पर जोर दिया है। इसके लिए केंद्र सरकार बागवानी क्षेत्र को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने बताया कि क्लीन प्लांट प्रोग्राम के तहत अब महाराष्ट्र को भी इसमें शामिल किया जाएगा। चौहान ने कहा कि कृषि मंत्री का काम तब तक पूरा नहीं माना जाता जब तक वह किसानों के खेतों का दौरा नहीं करता। उन्होंने महाराष्ट्र में आयोजित देश के पहले अंतरराष्ट्रीय कृषि हैकाथॉन में भाग लिया। चौहान ने कहा कि केंद्र क्लीन प्लांट प्रोग्राम (सीपीपी) शुरू कर रही है। इस योजना के तहत देश भर में नौ प्लांट स्थापित किए जाएंगे। इनमें से तीन प्लांट महाराष्ट्र में लगेंगे, जिसके लिए केंद्र 300 करोड़ रुपये खर्च करेगी। महाराष्ट्र में ये प्लांट पुणे, नागपुर और सोलापुर जिलों में लगाए जाएंगे। सीपीपी का उद्देश्य देश भर में फलों की फसलों की गुणवत्ता और उत्पादकता को बढ़ाना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को उनकी भूमि के आकार की परवाह किए बिना उच्च गुणवत्ता वाली, वायरस मुक्त रोपण सामग्री तक पहुँच प्रदान करना है।

भारत को दुनिया की खाद्य टोकरी बनाने का लक्ष्य - कृषि मंत्री ने कहा कि हम सबको मिलकर विकसित कृषि संकल्प अभियान को सफल बनाना है। केंद्र ने 29 मई को पखवाड़ा शुरू किया, जिसमें वैज्ञानिकों की मदद से कृषि क्षेत्र में बदलाव लाया जाएगा। इसका उद्देश्य भारत को दुनिया की खाद्य टोकरी बनाने में मदद करना है।

भारतीय बैंकों में ज्यादा हिस्सा ले सकेंगे विदेशी निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी निवेशक आने वाले समय में भारतीय बैंक में ज्यादा हिस्सेदारी ले सकेंगे। इसके लिए आरबीआई संबंधित नियमों में बदलाव की तैयारी कर रहा है। इससे भारत में लंबी अवधि के लिए पूंजी निवेश में मदद मिलेगी। आरबीआई ने मई में नियमों में ढील देकर जापान के सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन को यस बैंक में 20 फीसदी हिस्सा खरीदने की मंजूरी दे दी थी। कनाडा की फेयरफैक्स होल्डिंग्स और एमिरेट्स एनबीडी भी इस समय आईडीबीआई बैंक में 60 फीसदी हिस्सा खरीदने की दौड़ में हैं। इससे विदेशी मालिकाना हक के नियमों को आसान बनाने के संकेत मिल रहे हैं। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने पिछले सप्ताह कहा, केंद्रीय बैंक व्यापक समीक्षा के तहत बैंकों के लिए शेयरधारिता और लाइसेंसिंग नियमों की जांच कर रहा है।

आरबीआई विनियमित वित्तीय संस्थाओं को बड़ी हिस्सेदारी रखने की मंजूरी देने की सोच सकता है। हालांकि, यह हर मामले में अलग हो सकता है। विदेशी बैंक सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था भारत में सौदों के लिए उत्सुक हैं। खासकर तब, जब भारत क्षेत्रीय व्यापार समझौतों के लिए इच्छुक है। ऐसे समझौते एशिया और मध्य पूर्व में वैश्विक ऋणदाताओं के लिए भारत में नए अवसर खोल सकते हैं। सिटीबैंक से लेकर एचएसबीसी और स्टैंडर्ड चार्टर्ड तक अधिकांश बड़े वैश्विक बैंकों का परिचालन भारत में है। वे मुख्यत: रोजी-रोटी के लिए कर्ज देने के बजाय अधिक लाभदायक कॉरपोरेट और लेनदेन बैंकिंग क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

इम्पीरियल ब्लू व्हिस्की को खरीदेगी ब्रांडी बनाने वाली देसी कंपनी तिलकनगर इंडस्ट्रीज

नई दिल्ली, एजेंसी। मेंशन हाउस और कूरियर नेपोलियन ब्रांड बनाने वाली कंपनी तिलकनगर इंडस्ट्रीज व्हिस्की ब्रांड इम्पीरियल ब्लू को खरीदने की दौड़ में सबसे आगे है। यह ब्रांड पेरनोड रिकार्ड नाम की एक फ्रेंच कंपनी बेच रही है। इस ब्रांड की कीमत करीब 600 मिलियन डॉलर (करीब 51 हजार करोड़ रुपये) हो सकती है। अगर यह डील हो जाती है तो यह भारत की शराब इंडस्ट्री में एक दशक से भी ज्यादा समय में सबसे बड़ी डील होगी।

यह कंपनी भी रेस में

लंदन के रवि देओल ने इनब्रू बेवरेजेज नाम की एक कंपनी बनाई है। यह कंपनी भी इम्पीरियल ब्लू को खरीदने की रेस में है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि पेरनोड रिकार्ड को तिलकनगर का प्रस्ताव ज्यादा पसंद आया है। हालांकि, इनब्रू अभी भी दौड़ से बाहर नहीं हुई है।

तिलकनगर का बढ़ जाएगा पोर्टफोलियो- सूत्रों के अनुसार, तिलकनगर को 23 जून तक एक बोली जमा करने के लिए कहा गया है। तिलकनगर भारत की पांचवीं सबसे बड़ी शराब कंपनी है।

अगर तिलकनगर इम्पीरियल ब्लू को खरीद लेती है तो इससे कंपनी का ब्रांड और पोर्टफोलियो दोनों बढ़ेंगे। तिलकनगर मुख्य रूप से ब्रांडी बनाती है। लेकिन साल 2012 में कंपनी ने मेंशन हाउस ब्रांड के साथ व्हिस्की के

मार्केट में भी कदम रखा। फिर भी, कंपनी की 90 प्रतिशत से ज्यादा बिक्री ब्रांडी से ही होती है।

क्या है कंपनी का प्लान?

21 मई को हुई एक मीटिंग में तिलकनगर के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अमित दहानुकर ने कहा कि कंपनी ब्रांडी और ढ्ढ्नरु कैटेगरी में अपनी मौजूदगी बढ़ाना चाहती है। इसके लिए कंपनी अपने ब्रांड और कुछ रणनीतिक निवेश करेगी।

कंपनी के शेयर में आई तेजी- इस खबर के बाद तिलकनगर इंडस्ट्रीज के शेयर में बुधवार को तेजी देखी गई। सुबह 10 बजे यह शेयर 3 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 369 रुपये पर कारोबार कर रहा था। पिछले एक महीने में यह शेयर करीब 25 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। वहीं लॉन्ग टर्म में इसने निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। 5 साल में इसका रिटर्न 2000 फीसदी से ज्यादा रहा है। यानी 5 साल में यह कंपनी एक लाख रुपये के निवेश को 20 रुपये से ज्यादा में बदल चुकी है।

आपके बाद आपके बच्चों का भविष्य बचाएगा माइनर बेनिफिशरी ट्रस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। माइनर बेनिफिशरी ट्रस्ट बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने का एक बेहतरीन तरीका है। इस लेख में जानिए कैसे ट्रस्ट बनाकर आप अपने बच्चों के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। माता-पिता बच्चों के लिए धन-दौलत तो खूब जोड़ते हैं लेकिन यह नहीं सोचते कि उनके न रहने पर इस संपत्ति की सुरक्षा कैसे होगी। फाउंडर डायरेक्टर डॉ. दीपक जैन के मुताबिक माइनर बेनिफिशरी ट्रस्ट बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने का एक बेहतरीन तरीका है। इसके जरिए आप न सिर्फ उनके पैसों को सही तरीके से मैनेज कर सकते हैं, बल्कि उनकी जरूरतों को भी पूरा कर सकते हैं। सही प्लानिंग और नियमों का पालन करके आप अपने बच्चों को एक सुरक्षित वित्तीय भविष्य दे सकते हैं।

माइनर बेनिफिशरी ट्रस्ट एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें बच्चों के नाम संपत्ति या पैसा ट्रस्ट के माध्यम से सुरक्षित रखा जाता है। चूंकि बच्चे नाबालिग होते हैं, वे अपने पैसों

को मैनेज नहीं कर सकते। ऐसे में ट्रस्ट उनके पैसों को सही तरीके से मैनेज करता है और उनकी जरूरतों के अनुसार उन्हें फंड जारी करता है।

विल में एक बार पैसा ट्रांसफर हो जाने के बाद उस पर आपका कोई कंट्रोल नहीं रहता। लेकिन ट्रस्ट में आप शर्तें लगा सकते हैं कि बच्चे को कब, कितना और किस उद्देश्य से पैसा मिलेगा। उदाहरण के लिए, आप यह तय कर सकते हैं कि बच्चे को 18 साल की उम्र में एजुकेशन के लिए एक निश्चित राशि मिलेगी और 25 साल की उम्र में शादी के लिए एक अलग राशि।

ट्रस्टी और गार्जियन की भूमिका- ट्रस्टी वह व्यक्ति होता है जो ट्रस्ट को मैनेज करता है। शुरुआत में माता-पिता ट्रस्टी हो सकते हैं, लेकिन उनकी मृत्यु के बाद कोई अन्य विश्वसनीय व्यक्ति (जैसे चार्टर्ड अकाउंटेंट, वकील या परिवार का कोई सदस्य) इसकी जिम्मेदारी संभाल सकता है. गार्जियन बच्चे की देखभाल करता है और उसके खर्चों को मैनेज करता है। जब तक बच्चा नाबालिग है, ट्रस्टी गार्जियन को ही पैसा जारी करेगा।

क्या बाहरी व्यक्ति को ट्रस्टी बनाया जा सकता है

हां, आप किसी भी विश्वसनीय व्यक्ति (जैसे दोस्त, चार्टर्ड अकाउंटेंट या फाइनेंसियल एडवाइजर) को ट्रस्टी बना सकते हैं। यहां तक कि आप एक ऑडिटर भी नियुक्त कर सकते हैं जो यह सुनिश्चित करे कि ट्रस्टी नियमों का पालन कर रहा है।

दुनिया की आर्थिक व्यवस्था तबाह करने में लगे हैं ट्रंप लेकिन भारत कर सकता है चमत्कार

भारत की आर्थिक तरक्की की कहानी और भी बेहतर होती जा रही है। मैं हमेशा से ही असाधारण सुधार दिखाने वाले आंकड़ों को लेकर थोड़ा सतर्क रहा हूं। बाद में डेटा में बदलाव होने से तस्वीर बिल्कुल अलग दिख सकती है। लेकिन जीडीपी के ताजा आंकड़ों को देखकर कम से कम दो बार तो खुश होना बनता है, शायद तीन बार भी। वित्त वर्ष 2025 के लिए जीडीपी विकास दर को 6.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया गया है। पाठकों को यह सुधार अच्छा तो लग सकता है, लेकिन शायद बहुत ज्यादा खास न लगे। लेकिन तस्वीर तब और भी बेहतर हो जाती है जब हम पिछले साल यानी वित्त वर्ष 2024 की विकास दर में हुए बदलाव को देखते हैं। इसे 8.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 9.2 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी में एक दिलचस्प कहानी छिपी है।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन का मानना है कि भारत 6.5 प्रतिशत की विकास दर के रास्ते पर है। उन्होंने वित्त वर्ष 2024 और वित्त वर्ष 2025 दोनों की शुरुआत में 6.5 प्रतिशत विकास दर का अनुमान लगाया था। यह पिछले दो दशकों के ट्रेंड को जारी रखने जैसा है। 9.2 प्रतिशत और 6.5 प्रतिशत के ताजा अनुमानों को समझने के लिए यह बैकग्राउंड जरूरी है।

डेटा में गड़बड़- आलोचकों का कहना है कि वित्त वर्ष 2024 में जो असाधारण प्रदर्शन हुआ, वह गुमराह करने वाला था। उस साल के लिए पहला अग्रिम अनुमान 7.4 प्रतिशत था। दूसरे-श्व में इसे बढ़ाकर 8.2 प्रतिशत कर दिया गया और अब अस्थायी अनुमान में इसे 9.2 प्रतिशत कर दिया गया है। अंतिम अनुमान आना अभी बाकी है। कई पाठक चार-चार बार हुए बदलावों से परेशान हैं। उन्हें लगता है कि डेटा में कुछ गड़बड़ है।

लेकिन भारत के सांख्यिकीय मामलों के जानकार प्रणब सेन का कहना है कि डेटा कलेक्शन में कुछ कमियां जरूर हैं जिन्हें ठीक करने की जरूरत है लेकिन डेटा के साथ छेड़छाड़ नहीं की गई है।

अभी आधिकारिक महंगाई दर सीपीआई पर आधारित है। लेकिन जीडीपी विकास दर को मापने के लिए एक अलग महंगाई दर का इस्तेमाल किया जाता है - जीडीपी डिफ्लेटर। ये दोनों अक्सर एक जैसे होते हैं लेकिन कभी-कभी इनमें बहुत अंतर हो सकता है। चूंकि जीडीपी में सेवाओं का हिस्सा करीब 60 प्रतिशत है, इसलिए जीडीपी डिफ्लेटर में उन्हें सीपीआई की तुलना में ज्यादा महत्व दिया जाता है। फाइनेंशियल ईयर 2024 में जीडीपी डिफ्लेटर घटकर सिर्फ 0.6 प्रतिशत रह गया, जो सीपीआई द्वारा बताई गई 4.6 प्रतिशत महंगाई से बहुत कम है।दो साल का औसत महंगाई के इन दो मापों में इतना बड़ा अंतर बहुत कम देखने को मिलता है, लेकिन ऐसा होता है। आलोचकों का कहना है कि वित्त वर्ष 2024 में जीडीपी डिफ्लेटर ने वास्तविकता को गंभीर रूप से बिगाड़ दिया था। इसका मतलब यह था कि अगर वित्त वर्ष 2024 में जीडीपी को सांख्यिकीय रूप से बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया था, तो वित्त वर्ष 2025 में इसे कम करके आंका जाएगा क्योंकि डिफ्लेटर 0.6 प्रतिशत से बढ़कर 3.2 प्रतिशत हो गया। असल ट्रेंड इन दो साल का औसत होगा। यह औसत 7.85 प्रतिशत निकलता है - जो 6.5 प्रतिशत के लंबे समय के ट्रेंड से बहुत ज़्यादा है। यह सरकार द्वारा अनुमानित 6.5 प्रतिशत के औसत से भी ज्यादा है। यह 7 प्रतिशत के उस बेंचमार्क से भी ऊपर है जिसे चमत्कारी अर्थव्यवस्था कहा जाता है। यह कहना मुश्किल है कि आगे होने वाले बदलावों से तस्वीर पूरी तरह बदल जाएगी या नहीं। लेकिन अभी के लिए भारत विशेषज्ञों की उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं से भरी दुनिया में यह लचीलेपन का एक अच्छा संकेत है।

भारत का प्रदर्शन

वित्त वर्ष 2024 में अर्थशास्त्री लैरी समर्स ने तीसरी दुनिया के देशों के हवाले से कहा था, दुनिया में आग लगी हुई है। उन्होंने भारत के तीन पड़ोसी देशों पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश की इकॉनमी को बचाने के लिए आईएमएफ द्वारा किए गए उपायों की बात की थी। वित्त वर्ष 2025 में डोनाल्ड ट्रंप ने भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं पैदा कर दी हैं और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी पुरानी आर्थिक व्यवस्था तेजी से खत्म हो रही है। इससे दुनिया की विकास दर धीमी हो जाएगी। ऐसे में भारत का प्रदर्शन और भी बेहतर दिखता है। भारत सरकार का मैन्युफैक्चरिंग पर जोर देना ज्यादा सफल नहीं हो रहा है। मैन्युफैक्चरिंग जीडीपी की तुलना में धीमी गति से बढ़ रहा है। इसलिए बड़ी छूट देने के बावजूद इसका हिस्सा गिर रहा है और अब यह 18 प्रतिशत है। एकमात्र सफलता मोबाइल फोन के क्षेत्र में मिली है, जहां ऐपल और सैमसंग बड़े निर्यातक बन गए हैं।

New page 9_page 12 29.05.2025.qxd 04-06-2025 21:42 Page 1

उपायुक्त ने की बाल श्रम उन्मूलन को ले टास्क फोर्स की बैठक

ढाबा, लाइन होटल, ईंट भट्ठा, गैरेज, वाशिंग सेंटर आदि में छापेमारी करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू उपायुक्त समीरा एस की अध्यक्षता में बुधवार को बाल श्रम उन्मुलन को लेकर गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गयी।समाहरणालय सभागार में आयोजित इस बैठक में सर्वप्रथम उपायुक्त ने श्रम अधीक्षक एतवारी महतो से विगत वर्षों में श्रम उन्मुलन को लेकर किये गये कार्यो की जानकारी ली।

बैठक में उपायुक्त ने जून माह में होने वाले छापेमारी को औचक रूप से किये जाने को लेकर निर्देशित किया।इस दौरान ढाबा, लाइन होटल, ईंट भट्ठा,गैरेज,वाशिंग सेंटर आदि में छापेमारी चलाने हेतु निर्देशित किया गया।उन्होंने कहा कि विमुक्त बाल श्रमिकों को सीडब्लूसी के समझ अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें।उपायुक्त ने निर्देशित किया कि जो नियोजक अपने प्रतिष्ठान में 14 वर्ष के कम उम्र के बाल श्रमिक को नियोजित करते है,उनके विरूद्ध बाल एवं अल्प व्यस्क श्रमिक अधिनियम 1986 के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए 20,000-20,000 रुपए प्रति बाल श्रमिक जुर्माना के रूप वसूली किया जाय। वहीं विमुक्त बाल श्रमिक की ट्रैकिंग तथा पुर्नवासन के लिये मानक कार्य पद्धति के अनुसार कार्य किये जाने का निदेश दिया।इस दौरान पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने बच्चों के नामांकन के दौरान बच्चों की

बौद्धिक क्षमता के अनुरूप संबंधित कक्षा में नामांकन करने से संबंधित विषय को रेखांकित किया।बाल श्रम को लेकर जिन नियोजकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज है उन सभी को भी जल्द से जल्द निष्पादन करने को लेकर उपायुक्त ने संबंधितों को निर्देशित किया।उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को ऐसों सभी चिन्हित बच्चों के लिये विशेष रूप से शिक्षा प्रदान करने हेतु निर्देशित किया।

वहीं बाल श्रमिक से मुक्त हुए बच्चों का 15 दिनों के भीतर उनके अद्यतन स्थिति से अवगत कराने का निर्देश दिया गया।इसी तरह उपायुक्त ने जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम को बाल श्रम उन्मूलन विषय पर रिल्स वे अन्य माध्यमों से समाज में जागरूकता कराने हेतु निर्देश दिया गया। बैठक में उपरोक्त के अलावा उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रतिनिधि, श्रम अधीक्षक एतवारी महतो,जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान, जिला शिक्षा पदाधिकारी सौरभ प्रकाश, प्रभारी जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी एवं जिला बाल कल्याण समिति के सदस्य समेत अन्य उपस्थित रहे।

भाजपा ने घोषित किए जून के विशेष कार्यक्रम

हजारीबाग। में केंद्र की मोदी सरकार के सफल 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण पर आधारित विकसित भारत का अमृत काल अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाना एवं नागरिकों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करना है।

5 जून से 15 अगस्तः पर्यावरण संरक्षण हेतु देशभर में बृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाएगा।

9 जून से 9 जुलाईः बदलता भारत मेरा अनुभव विषय पर डिजिटल वीडियो प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें नागरिक अपने अनुभव साझा करेंगे।

10 एवं 11 जूनः जिला स्तर पर प्रेस वाताएं एवं प्रोफेशनल मीट/प्रदर्शनी आयोजित की जाएंगी। 15 से 17 जूनः शक्ति केंद्र स्तर पर चौपाल लगाकर आयुष्मान भारत पंजीकरण तथा सरकारी योजनाओं से संबंधित साहित्य का वितरण होगा।

पत्रकार रत्न सम्मान से नवाजे गये तपन कुमार घोष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। ईमानदारी, निष्पक्ष, निर्भीकता, एवं निष्पक्ष भाव से झारखंड राज्य खूंटी जैसी अति पिछड़ा उग्रवाद प्रभावित में वर्ष1996 ई से अब तक तपन कुमार घोष द्वारा अनवरत संपादित, प्रकाशित किया जाता रहा वनफूल सांस्कृतिक पत्रिका हिंदी मासिक के लिए हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर तपन कुमार घोष को पत्रकार रत्न 2025 का सम्मान द जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया नयी दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया है। पत्रकार रत्न से विभूषित किए जाने पर खूंटी पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो, विधायक राम सूर्या मुंडा, तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया, पूर्व विधायक अनंत राम टूटे, शशिभूषण सामग्री के अलावा डा रमण झा, डा पीके, विश्वास, डा धर्मेंद्र नाथ तिवारी, अधिवक्ता कविता कुमारी, सुदामणी देवी, बिरसा लोहरा, संजय नाग मुंडा, लक्ष्मी नारायण बड़ाईक, महावीर साहू, किशोर ठाकुर, प्रशांत कुमार, जितेन्द्र पांडे, कार्तिक प्रजापति, मार्शल बारला, विश्वनाथ गंझू, अंथोनि मार्शलन हंश, जयराम महतो, एमपी सिंह, अधिवक्ता आशुतोष भगत आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

शादी में हुई मारपीट का मामला पहुंचा थाने

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टुण्डी। पश्चिमी टुंडी थाना क्षेत्र के विशनपुर गांव में दो गुटों के बीच आपसी विवाद को लेकर मामला गहरा गया है।बताते चलें कि कुछ दिन पूर्व शादी समारोह में प्राण मुर्मू नामक युवक से उसी गांव के युवकों ने मारपीट कर घायल कर दिया था।जब इसका हकीकत चैनल ने जानना चाहा तो मामला बहुत ही संगीन निकला प्रथम पक्ष के प्राण मुर्मू पिता स्व मंगल मुर्मू गांव विशनपुर थाना मनियांडीह ने चैनल को अपने दिए साक्षात्कार में बताया कि बेवजह इसी गांव के कुछ युवकों द्वारा हमें बेहरमी से मारा पीटा गया जिससे मैं काफी गंभीर रूप से घायल हो गया और इलाज कराने धनबाद जाना पड़ा।ग्राम प्रधान मदन मुर्मू ने भी इस घटनाक्रम को सत्य बताया।जब दूसरे पक्षों ने अपनी आपबीती चैनल के समक्ष प्रस्तुत किया तो मामला काफी जटिल निकला दूसरे पक्ष की प्रियंका कुमारी ने अपने साक्षात्कार में बतायी कि शादी समारोह के दौरान प्राण मुर्मू नामक युवक द्वारा जबरन अपना मोबाइल नंबर लिखा पर्ची अपने हाथों में पकड़ा दिया गया जब इसकी सूचना मैं अपने भाई को दिया तो दोनों में कहासुनी होने लगा किसी ने उसके साथ अभद्र व्यवहार नहीं किया है। फिलहाल मामले को लेकर दो पक्षों को आज मनियांडीह थाना प्रभारी के द्वारा बुलाया गया था और मामले को लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है

कार्यकर्ताओं से मिले सांसद, बढ़ाया हौसला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटकमसांडी,हजारीबाग। अपने कटकमसांडी प्रखंड दौरे के दौरान सांसद मनीष जयसवाल ने ग्राम डुकरा में कठौतिया निवासी व भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता सुभाष यादव से मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना।

सुभाष यादव को 11 मई 2025 को पैरालाइसिस का अटैक हुआ था। उन्हें तत्काल इलाज के लिए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज से रांची रेफर किया गया था। अब उनके स्वास्थ्य में सुधार है, परंतु आगे के बेहतर इलाज के लिए अच्छे डॉक्टर के पास भेजने की योजना परिवार द्वारा बनाई गई है।

सांसद ने सुभाष यादव का हौसला बढ़ाया, संगठन के प्रति उनके समर्पण की सराहना की और उन्हें जल्द स्वस्थ होकर फिर से संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय होने की प्रेरणा दी।

इस मौके पर किशोरी राणा, जीवन मेहता, दिलीप कुमार रवि, अनिल कुशवाहा, रंजन चौधरी, अजय राणा, सूरज यादव, जितेंद्र प्रजापति, द्वारिका प्रजापति, लेखराज यादव समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सांसद पहुंचे कटकमसांडी, यज्ञ में हुए शामिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटकमसांडी (हजारीबाग)। हजारीबाग के सांसद मनीष जयसवाल ने कटकमसांडी प्रखंड अंतर्गत ग्राम रोमी में चल रहे मां सर्व सिद्धिदात्री शिवशक्ति सह हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ में भाग लिया और यज्ञ मंडप में मां सिद्धिदात्री, बजरंगबली और भोलेनाथ से पूरे हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की।

यह यज्ञ 3 जून से शुरू हुआ और 5 जून को हवन व पूणार्हुति के साथ संपन्न हुआ। यज्ञ के दौरान कथा, प्रवचन, भंडारा व जागरण जैसे धार्मिक अनुष्ठान भी आयोजित किए गए। सांसद के पहुंचने पर स्थानीय भाजपा कार्यकताओं और यज्ञ समिति ने फूल-माला और चुनरी से भव्य स्वागत किया। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मनीष जयसवाल ने कहा, हिंदू धर्म की रक्षा करना प्रत्येक हिंदू का पहला कर्तव्य है। उन्होंने सनातन संस्कृति की महत्ता, यज्ञ की महिमा और मानवता की रक्षा पर जोर देते हुए गांववासियों के जागरूकता और धार्मिक एकता की सराहना की।

चौपारण में खुलेआम बिक रहा केमिकलयुक्त लड्डू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड क्षेत्र की मिठाई दुकानों में इन दिनों केमिकलयुक्त मोतीचूर लड्डू खुलेआम बिक रहा है, जो स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हो रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस लड्डू के सेवन के बाद पाचन संबंधी परेशानियां देखने को मिल रही हैं, लेकिन सस्ता और आकर्षक दिखने के कारण लोग बिना सचेत हुए इसका सेवन कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, बेसन से बना शुद्ध लड्डू अब दुकानों से लगभग गायब हो गया है और उसकी जगह मोटे पैमाने पर मिलावटी मोतीचूर लड्डू बेचा जा रहा है। जहाँ शुद्ध बेसन का लड्डू 160 रुपए किलो मिलता है, वहीं यह मिलावटी लड्डू बाजार में मात्र 140 रुपए किलो में उपलब्ध है। सप्लायर इसे दुकानदारों को 85-90 रुपए प्रति किलो की दर से सप्लाई कर रहे हैं, जो सामान्य तौर पर शुद्ध मिठाई की लागत से कहीं कम है।

स्वास्थ्य पर पड़ रहा गंभीर असर

सूत्रों की मानें तो ये मिठाइयाँ गिरिडीह, गया, कोडरमा और पारसनाथ से हर दूसरे दिन चौपारण के दुकानों तक पहुंचाई जा रही हैं। यह लड्डू शुद्ध बेसन की बजाय सस्ते, मिलावटी और संभावित रूप से केमिकल युक्त सामग्री से तैयार किया जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की मिठाइयाँ पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ कैंसर, किडनी और लिवर संबंधी रोगों को भी जन्म दे सकती हैं। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और फूड विभाग से त्वरित कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्र में खाद्य गुणवत्ता की जांच न के बराबर है और फूड इंस्पेक्टरों की निष्क्रियता के चलते ऐसे मिलावटी उत्पाद धड़ल्ले से बिक रहे हैं।

जब इस मामले में फूड इंस्पेक्टर प्रकाश चन्द्र गोगी से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कहा कि ₹यह जांच का विषय है। जब तक सैंपल की जांच नहीं की जाती, तब तक कोई निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। वहीं सप्लायर से बात करने पर उन्होंने स्वीकारा कि यह लड्डू शुद्ध बेसन से नहीं, बल्कि मिलावटी सामग्री से तैयार किया जाता है।

स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य संकट खड़ा हो सकता है। उन्होंने मिठाइयों की गुणवत्ता की नियमित जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बरही में बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक

प्रशासन ने सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने की अपील की

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही (हजारीबाग)। आगामी बकरीद पर्व को लेकर प्रखंड कार्यालय स्थित नगर भवन में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीओ जोहन टुडू और संचालन बरही थाना प्रभारी आभाष कुमार ने किया। इसमें जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, बुद्धिजीवी और प्रशासनिक अधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

बैठक में एसडीओ जोहन टुडू ने कहा कि पर्व के दौरान किसी भी तरह की सामाजिक सौहार्द्र में बाधा डालने वाली गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी समुदायों से भाईचारे और शांति के साथ बकरीद मनाने की अपील की।

एसडीपीओ अजीत कुमार विमल ने कहा कि सोशल मीडिया पर भड़काऊ या अफवाह फैलाने वाली पोस्ट पर नजर रखी जा रही है। संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल और दंडाधिकारी की तैनाती की जाएगी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि प्रतिबंधित पशुओं की कुबार्नी पूरी तरह वर्जित है। कुबार्नी के दौरान धार्मिक मयार्दा और सामाजिक संवेदनशीलता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा अवशेषों का उचित निस्तारण सुनिश्चित करें।

बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो, अंचलाधिकारी अमित किस्कू, भाजपा नेता भगवान केशरी, पूर्व जिप सदस्य अर्जुन साव, समाजसेवी मो. तस्लीम, गुरुदेव गुप्ता, मो. तैयब, राज सिंह चौहान, टिंकु आलम, अभय आनंद समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

प्रतिभा सम्मान समारोह चौपारण में 8 जून को

चौपारण (हजारीबाग)। चौपारण प्रखंड स्थित रेंज कार्यालय के समीप साहू भवन में आगामी 8 जून (रविवार) को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह निर्णय अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा, बरही अनुमंडल की ओर से साहू भवन में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता अनुमंडलीय अध्यक्ष अमित साहू ने की, जबकि संचालन प्रखंड अध्यक्ष मुनेश्वर गुप्ता ने किया। बैठक में यह सर्वसम्मति से तय किया गया कि मैट्रिक और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मंच पर सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया जाएगा।

संगठन की ओर से यह भी निर्णय लिया गया कि समाज में आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभावान विद्यार्थियों की आगे की पढ़ाई में हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि कोई भी होनहार छात्र शिक्षा से वंचित न रहे।

प्रतिभा सम्मान समारोह में समाज के सैकड़ों गणमान्य नागरिकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों के शामिल होने की संभावना है।

अपनी जिम्मेदारियां समझें पदाधिकारी : उपायुक्त

▶ पलामू उपायुक्त ने की राजस्व से संबंधित समीक्षा ▶ तत्परता के साथ कार्य करेंगे, तो राजस्व संग्रहण में आएगी प्रगति ▶ निर्धारित समय सीमा में राजस्व मामलों का निराकरण कराएं सुनिश्चित ▶ दाखिल खारिज के लंबित मामलों की स्थिति में लाएं सुधार ▶ बैठक में पूरी तैयारी के साथ पहुंचे अंचल अधिकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। उपायुक्त समीरा एस आज समाहरणालय सभागार में राजस्व से संबंधित समीक्षा बैठक की। उन्होंने राजस्व संग्रहण एवं राजस्व मामलों के निराकरण की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राजस्व संबंधी लक्ष्य का ठीक से असेसमेंट करते हुए, लक्ष्य के अनुरूप कार्य करना सुनिश्चित करें। उन्होंने राजस्व संग्रहण की दिशा में अधिकारियों को पूरी तत्परता के साथ कार्य करने का निदेश दिया। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को राजस्व से संबंधित मामलों के निराकरण हेतु पूरी तत्परता के साथ कार्य करने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि राजस्व संबंधी मामले आम नागरिकों के हितों से सीधे जुड़े होते हैं। इसलिए इससे संबंधित मामलों का निष्पादन निर्धारित समयावधि में किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनता दरबार में अधिकांश मामले भूमि से जुड़े दाखिल खारिज, सीमांकन, रसीद कटाने आदि से ही संबंधित आ रहे हैं। एक ही भूमि का दो-दो रैयतों के नाम से रसीद कटने की भी शिकायत मिली है। ऐसे में अंचल अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को समझें और ठीक से कर्तव्य निर्वहन करना सुनिश्चित करें। अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को हिदायत करें। लापरवाही या अनदेखी नहीं करें। ऐसे कृत्य में किसी की संलिप्तता पाई गई, तो भविष्य में समस्या होगी। भूमि संबंधी विवाद नहीं हो इसके लिए सक्रियता से कार्य करें। उन्होंने तत्परता के साथ भूमि संबंधी मामलों का निराकरण करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से हिदायत दिया कि कार्य में किसी तरह की बाधा या विलंब नहीं होनी चाहिए। इससे संबंधित शिकायत आती है, तो आप खुद समझेंगे।

उपायुक्त ने दाखिल खारिज एवं भूमि सीमांकन के लंबित मामलों का निष्पादन कर स्थिति में सुधार लाने का सख्त निदेश दिया। उन्होंने अंचल अधिकारियों से एक-एक कर अंचल से संबंधित कार्यो की अद्यतन स्थिति से अवगत हुई तथा भूमि संबंधी लंबित आवेदनों पर अंचल अमीन के साथ बैठक कर उचित निर्णय लेने का निदेश भी दिया।

चयनित उम्मीदवारों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। आज उपायुक्त समीरा एस ने अपने कार्यालय कक्ष में समाज कल्याण से जुड़े विभिन्न योजना अंतर्गत रिक्त पड़े पदों पर चयनित उम्मीदवारों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया।इस दौरान सर्वप्रथम उन्होंने केंद्र प्रायोजित मिशन वात्सल्य योजना के तहत चयनित विभिन्न पदों का नियुक्ति पत्र वितरण किया।इस दौरान कुल 9 उम्मीदवारों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया।यह सभी नियुक्ति संविदा आधारित है व सभी नियुक्त अलग-अलग पदों पर की गयी है।इसके अतिरिक्त जिले में अवस्थित संप्रेषण गृह के रिक्त पड़े पदों पर नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया।इससे जुड़े दो उम्मीदवारों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने सभी चयनित उम्मीदवारों को बधाई देते हुए कहा कि जिन पदों पर आप सभी की नियुक्ति की गई है वो सभी गंभीर पद है ऐसे में भविष्य में आप सभी अपनी जिम्मेदारियां का निष्ठा पूर्वक निर्वहन करें।आज से आप जिला प्रशासन के अंग हैं इसके लिए आप सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं। इस अवसर पर पलामू एसपी समेत अन्य अधिकारियों ने भी सभी को शुभकामनाएं दी।

उपायुक्त ने किया विभागों का औचक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। आज समाहरणालय परिसर में उपायुक्त आर. रॉनिटा द्वारा विभिन्न विभागों के कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कार्यालय परिसरों की साफ-सफाई, समय पर पदाधिकारियों एवं कर्मियों की उपस्थिति, तथा कार्यों के संचालन की गुणवत्ता का गहनता से अवलोकन किया।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने राजस्व विभाग, कल्याण विभाग, आपूर्ति विभाग, सामान्य शाखा, निर्वाचन शाखा, कोषागार, खेल विभाग, योजना विभाग, पंचायतीराज विभाग, परिवहन विभाग, सांख्यिकीय विभाग, सामाजिक सुरक्षा विभाग, एनआईसी, झारनेट समेत अन्य विभागों के कार्यों की समीक्षा की।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी पदाधिकारी एवं कर्मचारी उत्तरदायित्वपूर्ण ढंग से अपने दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें। साथ ही समाहरणालय परिसर में समुचित साफ-सफाई बनाए रखने,

आगंतुकों के लिए पर्याप्त बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल तथा शौचालय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिए गए।

जन शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु उपायुक्त ने समाहरणालय परिसर में ₹जन शिकायत कोषांग कक्ष₹ के नियमित संचालन का निर्देश भी जारी किया। उन्होंने आपूर्ति विभाग से संबंधित आमजनों की समस्याओं के समाधान को और अधिक सरल एवं सुलभ बनाने के लिए विभाग को समाहरणालय परिसर के निचले तल्ले में स्थानांतरित किए जाने का निर्देश दिया, जिससे नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता नागरिकों को बेहतर और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराना है, और इसके लिए कार्यालयी अनुशासन एवं जवाबदेही अत्यंत आवश्यक है।

जेल सुपरिटेंडेंट अब पहनेंगे वर्दी

हजारीबाग। नए जेल मैनुअल में जेल के सुपरिटेंडेंट के लिए वर्दी को अनिवार्य किया गया है। अभी तक कारा सेवा से आने वाले सुपरिटेंडेंट को वर्दी नहीं पहनने का आदेश था। इसके साथ ही नए जेल मैनुअल में सीनियर सुपरिटेंडेंट व डीआईजी का नया पद सृजित किया गया है। सभी की वर्दी पर कितने सितारे होंगे। इसकी भी जानकारी यहां दी गई है। पांच वर्ष तक की नौकरी वाले सुपरिटेंडेंट होंगे। इससे अधिक व दस वर्ष तक की सेवा वाले सीनियर सुपरिटेंडेंट होंगे। इसके अधिक सीनियर सेंट्रल जेल सुपरिटेंडेंट, डीआईजी व फिर एआईजी का पद होगा। नए जेल मैनुअल में सबसे नीचे वार्डन का पद बताया गया है। वार्डन को जिला पुलिस के सिपाही की तरह खाकी डोरी लगानी है। इसके बाद हेड वार्डन का पद है। हेड वार्डन को बाएं हाथ पर कंधे के नीचे तीन लाल रिबन वाला फीता जिला पुलिस के हवलदार की तरह लगाना होगा। इनके कंधे पर भी खाकी डोरी होगी। इसके बाद मुख्य हेड वार्डन का पद बनाया गया है। इनके कंधे पर जिला पुलिस के सहायक अवर निरीक्षक की तरह एक स्टार होगा।

जेएमएम के वरिष्ठ नेता ने की पदाधिकारियों से मुलाकात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी रामा सोनी, निवासी हजारीबाग, ने आज हजारीबाग के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक से शिष्टाचार मुलाकात की। यह भेंट पूरी तरह औपचारिक और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। श्री सोनी ने इस अवसर पर पुष्पगुच्छ भेंट कर अधिकारियों का स्वागत किया। बातचीत के दौरान उन्हें जिले की वर्तमान स्थिति, विकास कार्यों और प्रशासनिक योजनाओं की जानकारी दी गई।

उन्होंने कहा कि जनसेवा और विकास के लिए प्रशासन और समाज के बीच संवाद और सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और भविष्य में जनहित के मुद्दों पर हर संभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। यह मुलाकात स्थानीय स्तर पर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच सकारात्मक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

CMYK

विराट को लंबे अरसे बाद आईपीएल खिताब जीतने पर धनश्री ने दी बधाई

• नहीं लिखा चहल के लिए कोई संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। 3 जून की रात रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के नाम रही। आईपीएल 2025 के फाइनल में विराट कोहली की टीम आरसीबी ने पंजाब किंग्स की टीम को हराकर 18 साल बाद आईपीएल का पहला खिताब जीता। अरसों बाद विराट के हाथों आई इस ट्रॉफी के लिए मनोरंजन जगत के कई सितारे विराट को बधाई दे रहे हैं। इसी कड़ी में अब अभिनेत्री और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा, जो भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की पूर्व पत्नी हैं ने भी विराट कोहली को बधाई दी है। लेकिन चहल के लिए नहीं लिखा कोई संदेश।

आखिरकार जीत मिल गई

एक्ट्रेस और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा ने बुधवार की सुबह अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी लगाई। इसमें उन्होंने भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वो अपने हाथों में आईपीएल की ट्रॉफी लिए टीम के साथ ग्राउंड पर जश्न मना रहे हैं। इसके साथ अभिनेत्री ने कैप्शन दिया कि आखिरकार नंबर 18 यानी विराट कोहली ने ये ट्रॉफी जीत ली। बधाई विराट और उनकी टीम को।

धनश्री के बारे में

चहल और धनश्री ने दिसंबर 2020 में शादी की थी, लेकिन रिश्तों में कड़वाहट की वजह से साल 2025 में दोनों आधिकारिक रूप से अलग हो गए थे। इस समय कोरियोग्राफर और एक्ट्रेस अपने कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। हाल ही में उन्हें राजकुमार राव और वामिका गब्बी अभिनीत फिल्म भूल चूक माफ में एक आइटम सॉन्ग टिंग लिंग सजना में देखा गया है।

धनश्री का क्रिकेट से रहा है गहरा नाता

विराट कोहली की टीम ने जिस टीम को हराया है उसका नाम पंजाब किंग्स है। इस टीम में कोरियोग्राफर धनश्री के पूर्व पति क्रिकेटर युजवेंद्र चहल भी हिस्सा हैं। वहीं आपको बताते चलें कि युजवेंद्र चहल साल 2014 से 2021 तक आरसीबी टीम का ही हिस्सा थे। हालांकि, चहल के साथ लंबे समय तक रहने के बाद भी धनश्री ने उन्हें और उनकी टीम पंजाब किंग्स को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

18 नंबर विराट कोहली के लिए हुआ और भी खास खुद शेयर की थी इसके पीछे की कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को 6 रन से हराया और इस शानदार टूर्नामेंट की ट्रॉफी को अपने नाम किया. आरसीबी की ओर से सभी खिलाड़ियों ने धमाकेदार प्रदर्शन किया. यह ट्रॉफी विराट कोहली के लिए काफी खास है. ऐसा इसलिए क्योंकि आईपीएल के 18 सीजन विराट कोहली ने आरसीबी की ओर से ही खेला है और पहली बार उन्होंने यह ट्रॉफी अपने नाम की है. विराट कोहली का जर्सी नंबर भी 18 है और अब यह नंबर उनके लिए और भी खास हो गया है.

विराट ने पहले ही कर दिया था बड़ा खुलासा

विराट कोहली ने इस बात का खुलासा पहले ही कर दिया था कि,'मेरे पिताजी का निधन 18 दिसंबर को हो गया था. जब मैं अंडर-19 टीम में शामिल हुआ तो उन्होंने मुझे 18 नंबर की जर्सी दी. मैंने भारत के लिए 18 अगस्त को डेब्यू किया. मुझे नहीं पता लेकिन 18 नंबर मेरी जिंदगी में काफी खास जगह रखता है.' बता दें कि, यह आईपीएल का 18वां सीजन था. आरसीबी की ओर से भले ही विराट कोहली फाइनल में बड़ा स्कोर ना बना पाए हो लेकिन उन्होंने हमेशा ही धमाकेदार प्रदर्शन किया है. विराट ने आईपीएल 2025 के फाइनल में 43 रन की पारी खेली थी. उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान तीन चौके जड़े थे.

जहां जाता है जीत कर आता है... 57 साल का गुमनाम हीरो, जिसने आरसीबी को बनाया चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए 18 साल का लंबा इंतजार खत्म हो गया है. आखिरकार आरसीबी भी अब अपने नाम के आगे चैंपियन लिखवा चुकी है. आईपीएल 2025 आरसीबी के लिए काफी यादगार रहा. सीजन की शुरुआत जीत के साथ करने वाली आरसीबी ने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा और खिताब पर कब्जा जमाया. इस ऐतिहासिक जीत के बाद खिलाड़ियों की जमकर तारीफ हो रही है. हर जगह विराट कोहली और रजत पाटीदार हर जगह छाए हुए हैं. लेकिन आरसीबी की जीत में 57 साल के एक दिग्गज का भी अहम योगदान है, जिसकी काफी कम बात की जा रही है.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2025 में अपनी पहली ट्रॉफी जीतकर इतिहास रच दिया, और इस जीत के पीछे एक बड़ा योगदान रहा उनके हेड कोच एंडी फ्लावर का. जिम्बाब्वे के इस दिग्गज कोच का रिकॉर्ड बतौर कोच बेहद शानदार रहा है, और वह जिस भी टीम से जुड़े, उसे खिताब जिताने में कामयाब रहते हैं. आईपीएल 2025 में आरसीबी को चैंपियन बनाने के बाद फ्लावर ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह क्रिकेट की दुनिया में एक असाधारण कोच हैं. एंडी फ्लावर ने 2024 में आरसीबी के हेड कोच का पद संभाला था. 2024 में टीम प्लेऑफ तक पहुंची थी, लेकिन खिताब से चूक गई थी. हालांकि, 2025 में फ्लावर की रणनीति और नेतृत्व ने आरसीबी को वह सफलता दिलाई, जिसका फैंस 18 साल से इंतजार कर रहे थे. 3 जून 2025 को पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर आरसीबी ने पहली बार आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम की. फ्लावर ने टीम को एकजुट रखा और युवा खिलाड़ियों के साथ अनुभवी सितारों का सही तालमेल बनाया, जिसके चलते टीम ने इस सीजन कुल 11 मैच जीते.

फ्लावर का शानदार कोचिंग करियर

एंडी फ्लावर का कोचिंग करियर उपलब्धियों से भरा हुआ है।.उन्होंने 2009 में इंग्लैंड की टीम के साथ एशेज सीरीज में 2-1 से जीत हासिल की था. इसके बाद 2010 में उन्होंने इंग्लैंड को टी20 वर्ल्ड कप जिताया था. उसी साल उन्होंने एशेज 2010-11 में ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में 3-1 से हराया था. फ्लावर ने अलग-अलग लीग्स में भी अपनी कोचिंग का जादू दिखा चुके हैं. 2019 में अबु धाबी टी10 में उन्होंने मराठा अरेबियंस को चैंपियन बनाया, और 2021-22 में दिल्ली बुल्स को फाइनल तक पहुंचाया.

आरसीबी को 20 करोड़, पीबीकेएस को 12.5 करोड़

आईपीएल 2025 पुरस्कार राशि की पूरी लिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स को 6 रन से हराकर अपना पहला खिताब जीता। पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद आरसीबी 190/9 पर ढेर हो गई। जवाब में पंजाब ने मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की लेकिन पावरप्ले के बाद आरसीबी ने नियमित अंतराल पर झटके देकर गति बदल दी और पंजाब 20 ओवर में 184/7 के स्कोर के साथ 6 रन से पिछड़ गया। आरसीबी को आईपीएल 2025 जीतने पर 20 करोड़ रुपए मिले जबकि पीबीकेएस को 12.5 करोड़ रुपए मिले। हालांकि प्राइज मनी की लिस्ट यहीं पर खत्म नहीं होती आइए जानते हैं किसे कितनी राशि मिली है-

➲विजेता (आरसीबी)- 20 करोड़ रुपए

➲उप-विजेता (पीबीकेएस) - 12.5 करोड़ रुपए मिलेंगे

➲तीसरे नम्बर पर रहने वाली टीम (मुंबई इंडियंस) 7 करोड़ रुपए

➲चौथे स्थान पर रहने वाली टीम (गुजरात टाइटन्स) - 6.5 करोड़ रुपए

➲ऑरेंज कैप विजेता (साई सुदर्शन) - 10 लाख रुपए

➲पर्पल कैप विजेता (प्रसिद्ध कृष्णा) - 10 लाख रुपए

➲इमर्जिंग प्लेयर विजेता (साई सुदर्शन) 1 10 लाख रुपए

➲मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (सूर्यकुमार यादव) - 15 लाख रुपए

➲सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन (वैभव सूर्यवंशी) - 10 लाख रुपए + टाटा कर्व

➲फैंटेसी किंग ऑफ द सीजन (साई सुदर्शन) - 10 लाख रुपए

➲बेस्ट कैच विजेता (कामिंडू मेंडिस) 1 10 लाख रुपए

➲सबसे ज्यादा डॉट बॉल (मोहम्मद सिराज) - 10 लाख रुपए

➲सुपर सिक्स (निकोलस पूरन) 1 10 लाख रुपए

➲फोर ऑफ द सीजन (साई सुदर्शन) - 10 लाख रुपए

➲फेयरप्ले अवॉर्ड (चेन्नई सुपर किंग्स) - 10 लाख रुपए

➲पिच और ग्राउंड (दिल्ली ➲कैपिटल्स का होम ग्राउंड नई दिल्ली)50 लाख रुपए

बेंगलुरु बनाम पंजाब फाइनल में पुरस्कार विजेताओं की सूची

➲प्लेयर ऑफ द मैच (क्रुणाल पांड्या) 1 5 लाख रुपए

सुपर स्ट्राइकर (जितेश शर्मा) - 1 लाख रुपए

➲सबसे ज्यादा डॉट बॉल (क्रुणाल पांड्या) 1 1 लाख रुपए

सबसे ज्यादा चौके (प्रियांश आर्य) 1 1 लाख रुपए

➲फैंटेसी किंग (शशांक सिंह) - 1 लाख रुपए

➲सबसे ज्यादा छक्के (शशांक सिंह) 1 1 लाख रुपए

पहली बार आईपीएल जीतकर भी टूट गया आरसीबी का ख्वाब, बेंगलुरु के फैंस को लगा बहुत बड़ा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18 साल के इंतजार के बाद आईपीएल का खिताब अपने नाम किया है. इस

ऐतिहासिक जीत के बाद से ही आरसीबी के फैंस जश्न में डूबे हुए हैं. सोशल मीडिया पर भी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाड़ियों की ही चर्चा हो गई है. ऐसे में आरसीबी की टीम ने इस जीत को फैंस के साथ सेलिब्रेट करने के लिए एक खास प्लान बनाया था. लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के फैंस के लिए एक बुरी खबर सामने आई है. वह अब अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को करीब से नहीं देख पाएंगे. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरसीबी की इस जीत का जश्न बेंगलुरु की सड़कों पर पूरी तरह से नहीं मनाया जा सकेगा. ऐसे में आरसीबी के फैंस को निराशा हाथ लगी है, लेकिन उत्सव को चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक समारोह के रूप में आयोजित किया गया. आरसीबी ने 3 जून 2025 को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीती. इस जीत के बाद टीम ने बेंगलुरु में एक भव्य विजय परेड का ऐलान किया था, जो विधान सौधा से शुरू होकर चिन्नास्वामी स्टेडियम तक जानी थी.

अल्काराज लगातार तीसरे साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में

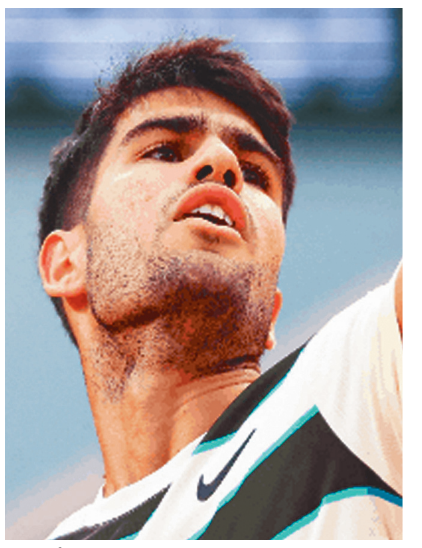

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पेनिश टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज ने फ्रेंच ओपन 2025 के मेंस सिगल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। डिफेंडिंग चैंपियन ने क्वार्टर फाइनल में 12वीं सीड अमेरिकी खिलाड़ी टॉमी पॉल को केवल 94 मिनट में हराया। वहीं, इटली के लोरेंजो मुसेटी भी अंतिम-4 में पहुंच गए हैं। विमेंस सिंगल्स की मौजूदा चैंपियन पोलैंड की टेनिस स्टार इगा स्वियातेक और वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका भी अगले दौर में पहुंच गई हैं। सेमीफाइनल में मुसेटी से भिड़ेंगे अल्काराज अल्काराज लगातार तीसरी बार फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। अल्काराज ने टॉमी पॉल को सीधे सेटों में हराया। उन्होंने 6-0, 6-1, 6-4 से जीत दर्ज की।

अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला इटली के लोरेंजो मुसेटी से होगा, जिन्होंने फ्रांसेस टियाफो को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। यह मुकाबला शुक्रवार, 6 जून को खेला जाएगा। मैच के बाद अल्काराज ने दर्शकों से मजाकिया अंदाज में इसलिए माफी मांगी क्योंकि मैच जल्दी खत्म हो गया था। मुसेटी के मैच के दौरान विवाद इटली के टेनिस खिलाड़ी लोरेंजो मुसेटी ने फ्रेंच ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। मुसेटी ने पहली बार फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 4-6, 7-5, 6-2 से हराया। हालांकि, मैच के दौरान एक विवाद हो गया। मुसेटी ने दूसरे सेट में हार के बाद गेंद को लात मार दी, जो एक महिला लाइन जज के सीने पर जा लगी। इस पर उन्हें अनस्पोर्ट्समैनलाइक कंडक्ट के लिए चेतावनी दी गई। मुसेटी ने तुरंत माफी मांगी और कहा यह एक दुर्भाग्यपूर्ण था।

इंग्लैंड ने वनडे सीरीज में वेस्टइंडीज का किया सुपड़ा साफ

द ओवल (इंग्लैंड), एजेंसी। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद जेमी स्मिथ (64), बेन डकेट (58), जो रूट (44) और जॉश बटलर (नाबाद 41) रनों की शानदार पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने वर्षा बाधित तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को डीएलएस पद्धति से 62 गेंदें शेष रहते 7 विकेट से विकेट से हरा कर तीन मैचों की श्रृंखला भी 3-0 से अपने नाम कर ली है। केनिंगटन ओवल स्टेडियम में मंगलवार देर रात खेले गये मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने शरफेन रदरफोर्ड (70), गुडाकेश मोती (63) की अर्धशतकीय पारियों और अल्जारी जोसेफ (41), केसी कार्टी (29), ब्रैंडन किंग (16) और जस्टिन ग्रीव्स (12) रनों के योगदान से 40 ओवरों में नौ विकेट पर 251 रनों का स्कोर खड़ा किया। मैच दो बार प्रभावित हुआ।

यातायात जाम की समस्या के कारण वेस्टइंडीज की टीम टॉस के लिए तय समय पर मैदान तक नहीं पहुंच सकी। इसके बाद बारिश के कारण 90 मिनट का खेल प्रभावित हुआ। इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद ने तीन विकेट लिए। साकिब महमूद, ब्राइडन कार्स और मैथ्यू पॉट्स को दो-दो विकेट मिले।

इंग्लैंड के लिए जेमी स्मिथ और बेन डकेट की सलामी जोड़ी ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 93 रन जोड़े। सातवें ओवर में गुडाकेश मोती ने जेमी स्मिथ 28 गेंदों में (64) रन को बोल्ड कर वेस्टइंडीज को पहली सफलता दिलाई। इंग्लैंड का दूसरा विकेट बेन डकेट 46 गेंदों में (58) रन के रूप में गिरा। उन्हें 16वें ओवर में रॉस्टन चेज ने लुईस के हाथों कैच आउट कराया।

जो रूट (44) का शमारा जोसेफ ने शिकार किया। इंग्लैंड ने 29.4 ओवर में तीन विकेट पर 246 रन बनाकर डीएलएस पद्धति से मैच 62 गेंदें शेष रहते सात विकेट से जीत लिया। कप्तान हैरी ब्रूक (26) और जॉस बटलर (41) रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने डकवर्थ लुईस पद्धति से 40 में जीत के लिए 246 रन के लक्ष्य का लक्ष्य मिला जिसे उसने 62 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया।

'अगर सम्मान पाना है तो टेस्ट क्रिकेट खेलो'

रिटायर हो चुके कोहली की युवाओं को सलाह

अहमदाबाद, एजेंसी। विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट के प्रबल समर्थक बने हुए हैं, क्योंकि भारतीय दिग्गज ने एक बार फिर युवाओं को सबसे लंबे प्रारूप में खेलने के बारे में अपनी राय व्यक्त की, जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पंजाब किंग्स पर छह रन की जीत के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब जीतने के लिए अपने 18 साल के सूखे को समाप्त किया।

कोहली ने 2025 आईपीएल सीजन के दौरान अचानक टेस्ट से संन्यास की घोषणा की थी और अगले दो महीनों में इंग्लैंड का सामना करने वाली टीम का हिस्सा नहीं होंगे। प्रारूप में उनका आखिरी प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024/25 में हुआ था।

कोहली का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट खेलने से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है और उन्होंने कहा कि जब आप सबसे लंबे प्रारूप में प्रदर्शन करेंगे, तभी दुनिया किसी खिलाड़ी का उसके खेल के लिए सम्मान करेगी। आप जानते हैं, यह पल मेरे करियर के सबसे बेहतरीन पलों में से एक है। लेकिन यह अभी भी टेस्ट क्रिकेट के पांच स्तरों को दर्शाता है।

मैं टेस्ट क्रिकेट को इतना महत्व देता हूं। और मैं टेस्ट क्रिकेट को इतना प्यार करता हूं। विराट ने कहा, इसलिए मैं आने वाले युवाओं से आग्रह करूंगा कि वे टेस्ट प्रारूप को सम्मान के साथ लें। क्योंकि अगर आप टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आप दुनिया में कहीं भी चले जाएं, लोग आपकी आंखों में देखते हैं और आपसे हाथ मिलाते हैं और कहते हैं, बहुत बढ़िया, आपने खेल बहुत अच्छा खेला। इसलिए अगर आप विश्व क्रिकेट में सम्मान अर्जित करना चाहते हैं, तो टेस्ट क्रिकेट को अपनाएं और अपना दिल और आत्मा इसमें लगा दें। कोहली ने मंगलवार को कहा, जब आप दूसरी तरफ चमत्कार करके बाहर निकलते हैं, तो आप क्रिकेट जगत में सम्मान प्राप्त करते हैं, क्योंकि आप जैसे दिग्गज खिलाड़ी मैदान पर और मैदान के बाहर हमारे दिलों को पिघला देते हैं।

कोहली ने 123 मैचों में 46.85 की शानदार औसत से 30 शतकों और 31 अर्धशतकों के साथ 9230 रन बनाकर अपने टेस्ट करियर को अलविदा कहा।

उन्होंने 40 जीत के साथ अपने टेस्ट करियर का समापन चौथे सबसे सफल टेस्ट कप्तान के रूप में किया, जो ग्रीम स्मिथ (53 जीत), रिकी पोंटिंग (48 जीत) और स्टीव वॉ (41 जीत) से पीछे हैं। उन्होंने भारतीय कप्तान द्वारा सबसे अधिक टेस्ट शतक भी बनाए हैं, जबकि गावस्कर (11 शतक) उनके 20 शतकों से काफी पीछे हैं।

सीएम रेखा की विधानसभा की सौरभ भारद्वाज ने वीडियो जारी कर गिनाई कमियां

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की विधानसभा में रेखा गुप्ता के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। सीएम समेत तमाम नेता आप की कमियों को गिनाते हुए भाजपा द्वारा चलाई जा रहीं योजनाओं के तेजी से पूरा होने का दावा करते हैं। इधर आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने सीएम रेखा गुप्ता की विधानसभा की कमियां वीडियो के जरिए गिनाईं। आगे जानिए सौरभ ने शालीमार विधानसभा का क्या हाल बताया...

सौरभ भारद्वाज ने बताया कि मैं जब सीएम रेखा की विधानसभा शालिमार बाग गया तो देखकर दंग रह गया। रेखा गुप्ता जो हर बार कहती हैं कि गायों के साथ गलत नहीं होना चाहिए, उन्हें गौशाला में रहना चाहिए। जब रेखा गुप्ता की सरकार है, भाजपा के पास केंद्र है, मगर फिर भी दिल्ली में लाखों गाय कूड़ा खाने को मजबूर हैं।

आप सोच सकते हैं कि जो गाय दिन भर कूड़ा खाती हैं, उनका दूध कैसा होगा। उसे पीकर आपका स्वास्थ्य कैसा रहेगा। कूड़ा खाने वाली इन गायों की मौत भी बहुत दर्दनाक होती है। सौरभ ने वीडियो में हालत दिखाते हुए कहा- जहां देखिए वहां कूड़े की भरमार और कूड़ा खातीं गाय। पूरे दिल्ली में घूम घूमकर कहा जा रहा है कि हम नाले साफ कर रहे हैं। मगर यहां देखिए इस नाले में कितनी काई जमी हुई है। इससे साफ पता चलता है कि इस नाले की सफाई कब से हुई है या नहीं। आप सब जगह सफाई की बात कर रही हैं, लेकिन आपकी अपनी विधानसभा का ही ये हाल है।

सड़क किनारे जमी सिल्ट को दिखाते हुए कहा- आप देख सकते हैं कि सिल्ट लगभग सूख चुकी है और बारिश आनी शुरू हो गई है, लेकिन फिर भी इसे हटाया नहीं गया है। यहां बस स्टॉप पर भी लोग बैठते हैं, लेकिन सफाई नहीं हुई है। सीएम दावा कर रही हैं कि दिल्ली में सफाई का कैंपेन चल रहा है, लेकिन उनकी ही विधानसभा का हाल बेहाल है। दिल्ली की सीएम अक्सर मीडिया में बड़ी-बड़ी बातें करती हैं और कुछ लोग दुर्भाग्य से सही मान लेते हैं। मगर रेखा गुप्ता की बदकिस्मती देखिए कि डिस्पैंसरी को पेंट करके आरोग्य मंदिर बनाया तो हमारी नजर पड़ गई। हमारी बसों का नाम देवी बस किया तो हमारी नजर पड़ गई।

पत्नी-बच्चों को गुजारा भत्ता देने से बचने के लिए लोन या ईएमआई बहाना नहीं; दिल्ली हाईकोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि पर्सनल लोन या ईएमआई जैसी स्वैच्छिक वित्तीय प्रतिबद्धताओं (यानि जिन्हें व्यक्ति अपनी इच्छा से लेता है) का इस्तेमाल कोई व्यक्ति अपनी पत्नी और बच्चे को भरण-पोषण (गुजारा भत्ता) देने से बचने के लिए नहीं कर सकता। जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस रेनू भटनागर की बेंच ने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत उधार या लंबी अवधि की वित्तीय देनदारियों का उपयोग पत्नी और बच्चे के भरण-पोषण की प्राथमिक जिम्मेदारी से बचने के लिए नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यह टिप्पणी 26 मई को एक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। इस व्यक्ति ने निचली अदालत के 19 अप्रैल, 2025 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसे अंतरिम भरण-पोषण के तौर पर 15,000 (पत्नी को 8,000 और नाबालिग बेटे को 7,000) का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। याचिकाकर्ता व्यक्ति ने तर्क दिया था कि निचली अदालत ने उसके वित्तीय दायित्वों,जैसे मासिक ईएमआई,पत्नी और बच्चे के मेडिक्लेम प्रीमियम और उसके कॉन्ट्रैक्ट पर कार्यरत होने की बात पर विचार किए बिना ही आदेश पारित कर दिया था। दिल्ली हाई कोर्ट ने अपने शनिवार को जारी किए गए फैसले में एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा,कोई भी व्यक्ति पर्सनल लोन या लंबी अवधि की वित्तीय देनदारियों के जरिए अपनी खर्च करने योग्य आय (डिस्पोजेबल इनकम) को जानबूझकर कम करके अपने जीवनसाथी (पति/पत्नी) और बच्चों के भरण-पोषण की कानूनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता।

राहुल जी, शशि थरूर और सलमान खुर्शीद पर तो भरोसा कर लीजिए: शहजाद पूनावाला

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला है। इससे पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के 'सरेंडर' वाले बयान पर जमकर हंगामा हुआ। राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा था कि पाक के खिलाफ चल रहे संघर्ष के बीच पीएम मोदी ने ट्रंप का फोन आते ही सरेंडर कर दिया था। उनके इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा ने कहा है कि राहुल गांधी पाकिस्तान की भाषा बोलने से बाज नहीं आ रहे हैं। बीजेपी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने राहुल गांधी को शशि थरूर और सलमान खुर्शीद जैसे अपनी पार्टी के नेताओं पर ही विश्वास कहने को कहा है। शहजाद पूनावाला ने एक बयान जारी कर राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पाकिस्तान का प्रोपागेंडा चला रहे हैं। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि पूरी दुनिया यहां तक कि पाकिस्तान ने इस बात को मान लिया है कि भारत ने जंग के दौरान उनके कई ठिकानों को तबाह कर दिया, इसके बावजूद राहुल गांधी ऐसे आपत्तिजनक बयान दे रहे हैं। शहजाद पूनावाला ने कहा, राहुल गांधी ने एलओपी का मतलब, लीडर ऑफ ऑपोजिशन की जगह लीडर ऑफ पाकिस्तानी प्रोपागेंडा समझ लिया है। पाकिस्तान ने भी मान लिया कि भारत की उनकी कितनी कुटाई की और वह भारत से गिड़गिड़ा रहा था। लेकिन राहुल गांधी कहते हैं कि ट्रंप का फोन आते ही पीएम ने सरेंडर कर दिया। राहुल जी, डीजीएमओ की बात मान लीजिए। उनकी नहीं तो विदेश मंत्रालय की मान लीजिए। कम से कम अपने खुद की पार्टी के सांसद, शशि थरूर, मनीष तिवारी और सलमान खुर्शीद की ही बात मान लीजिए। बता दें कि कांग्रेस के शशि थरूर, मनीष तिवारी और सलमान खुर्शीद तीनों ही आतंकवाद पर पाकिस्तान की पोल खोलने के लिए भारत द्वारा भेजे गए डेलिगेशन का हिस्सा है। मंगलवार को शशि थरूर के नेतृत्व में इस डेलिगेशन का एक दल अमेरिका पहुंचा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने भी राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए उन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने का आरोप लगाया। भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी के शब्द उनके संस्कारों को दर्शाते हैं। उन्हें यह भी कहा है कि राहुल गांधी का दिल पाकिस्तान के लिए धड़कता है।

कोई घोटाला नहीं हुआ, ये सियासी साजिश... एसीबी के समन पर आया आप का रिएक्शन

नईदिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने बुधवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। आप का आरोप है कि बीजेपी दिल्ली की एंटी करप्शन ब्रांच को अपने नेताओं को निशाना बनाने का हथियार बना रही है। पूर्व मंत्रियों मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को कथित भ्रष्टाचार के मामले में पूछताछ के लिए बुलाए जाने के बाद आप ने यह बयान दिया। सिसोदिया को 9 जून और जैन को 6 जून को एसीबी के सामने पेश होने को कहा गया है।

आम आदमी पार्टी ने दावा किया कि सरकारी स्कूलों में क्लासरूम निर्माण में कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ। पार्टी ने इसे बीजेपी की सुनियोजित सियासी चाल करार देते हुए कहा, यह कोई घोटाला नहीं, बल्कि आप नेताओं को बदनाम करने और झूठी कहानी गढ़ने की कोशिश है। आप का कहना है कि बीजेपी सरकारी संस्थानों का दुरुपयोग कर रही है। एसीबी ने 30 अप्रैल को एक एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें दिल्ली सरकार के स्कूलों में 12 हजार से ज्यादा क्लासरूम या अस्थायी संरचनाओं के निर्माण में 2 हजार करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितताओं का आरोप है। शिकायत के मुताबिक, एक क्लासरूम की औसत लागत 24.86 लाख रुपये थी, जो अनुमानित 5 लाख रुपये से कहीं ज्यादा है।

आप ने आरोप लगाया कि जब वह दिल्ली में सत्ता में थी, तब बीजेपी ने एसीबी को कमजोर कर उसकी शक्तियां छीन ली थीं। अब उसी कमजोर संस्था का इस्तेमाल आप नेताओं को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। आप ने कहा, बीजेपी का मकसद सिर्फ हमें निशाना बनाना, बदनाम करना और झूठ के सहारे सरकार चलाना है।

2019 में बीजेपी नेताओं कपिल मिश्रा, हरीश खुराना और नीलकांत बख्शी ने एसीबी में शिकायत दर्ज की थी, जिसमें दिल्ली के तीन जोन में कक्षाओं के निर्माण में गंभीर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया गया था। इस शिकायत के आधार पर जांच शुरू हुई, जो अभी जारी है।

घर बैठे लगाते थे फर्जी हाजिरी,गाजियाबाद में सफाईकर्मियों ने ऐप सिस्टम ही फेल कर डाला

नईदिल्ली, एजेंसी। नगर निगम के लगभग 250 सफाई कर्मचारियों ने गाजियाबाद 311 ऐप सिस्टम को ही फेल कर डाला। वह घर बैठे ऐप पर फर्जी तरीके से हाजिरी लगा रहे थे। दरअसल, घर से अपना वीडियो बनाकर सफाई नायक को भेजकर ऐप पर उपस्थित लगवा रहे थे। नगर आयुक्त ने फर्जी हाजिरी लगाने का खुद भंडाफोड़ किया। सभी का एक दिन का वेतन काटा जाएगा। शहरी क्षेत्र में लगभग पांच हजार सफाई कर्मचारी हैं। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कर्मचारियों के लिए गाजियाबाद 311 ऐप तैयार कराया है। इस ऐप पर सफाई कर्मचारियों की हाजिरी भी लग रही है। प्रत्येक सफाई कर्मचारी को कार्य स्थल पर जाकर सफाई नायक के मोबाइल में ऐप के सामने तीन बार आंखों को झपकाना होता है। इसके बाद ही हाजिरी लगती है। ऐप पर 2200 सफाई कर्मचारी हाजिरी लगा रहे थे। इस पर नगर आयुक्त ने हाजिरी लगाने वालों की निगरानी के निर्देश दिए। इसके बाद 3800 सफाई कर्मचारियों की ऐप पर हाजिरी लगनी लगी। मंगलवार को नगर आयुक्त को कुछ सफाई कर्मचारियों की हाजिरी पर संदेह हुआ। उन्होंने कंट्रोल रूप में फोन पर हाजिरी लगाने वाले सफाई कर्मचारियों की जानकारी मांगी। जांच में पता चला कि करीब 250 सफाई कर्मचारियों ने घर बैठे आंखों के झपकने वाले वीडियो बनाए और इसे अपने सफाई नायक को भेज दिया। सफाई नायक वीडियो को ऐप के सामने कर हाजिरी लगवा रहे थे।

बुखार, खांसी या जुकाम है तो कोरोना की जांच करानी होगी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। फरीदाबाद में भी कोरोना के मरीज बढ़ रहे हैं। फरीदाबाद जिला स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को कोरोना के पांच नए मामलों की पुष्टि की है। जिले में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। अब स्वास्थ्य विभाग ने बुखार, खांसी और जुकाम के मरीजों की कोरोना जांच अनिवार्य कर दी है।

कोरोना के अधिकतर मामले शहरी क्षेत्र से आ रहे हैं। सेक्टर आठ निवासी 52 वर्षीय महिला, सेक्टर-21सी निवासी 33 वर्षीय युवक, ग्रेटर फरीदाबाद के सेक्टर-78 निवासी 37 वर्षीय महिला व सेक्टर-21 से 83 वर्षीय बुजुर्ग महिला और सेक्टर-75 निवासी 76 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है।

इन सभी ने बुखार खांसी एवं जुकाम होने पर निजी अस्पताल में कोरोना जांच कराई थी। इसकी रिपोर्ट सभी में कोरोना की पुष्टि हुई है। इन सभी को होम आइसोलेशन में रहने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग की एक टीम इन सभी पर निगरानी कर रही है और सभी से हर दो घंटे में हाल पूछ रही है।

उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामभगत का कहना है कि कोरोना के पांच नए मामले आए हैं। इनमें तीन महिलाएं और एक पुरुष शामिल है। सभी को बुखार हुआ था। उसके बाद जांच कराने पर कोरोना की पुष्टि हुई है। सभी को होम आइसोलेशन में रहने के लिए कहा गया है। इसके अलावा बुखार, खांसी एवं जुकाम के रोगियों की कोरोना जांच अनिवार्य कर दी गई है। इन दिनों बुखार, खांसी एवं जुकाम के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ रहे हैं।

बशर असद की सरकार गिरने के बाद पहली बार सीरिया से रॉकेट दागे गए: इजराइल

येरुशलमख, एजेंसी।
इजराइली सेना ने कहा कि सीरिया से मंगलवार को दो रॉकेट दागे गए जो इजराइल नियंत्रित गोलान हाइट्स के खुले क्षेत्रों में गिरे। सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार दिसंबर में गिरने बाद पहली बार सीरियाई क्षेत्र से इजराइल की ओर हमला किया गया है। सीरियाई सरकारी मीडिया ने बताया कि रॉकेट दागे जाने के बाद इजराइल ने सीरिया के दारा प्रांत के पश्चिमी ग्रामीण इलाकों पर बमबारी की। ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था 'सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स' ने भी इजराइली हवाई हमलों की सूचना दी है, जिसके कारण कुनीत्रा शहर और दारा के ग्रामीण इलाकों में विस्फोट हुए। पिछले साल गाजा में इजराइल के हमले में मारे गए हमास के सैन्य नेता मोहम्मद ज़ैफ के नाम पर रखे गए 'मोहम्मद ज़ैफ ब्रिगेड' नामक समूह ने सोशल मीडिया मंच 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में हमले की जिम्मेदारी ली है। यह समूह कुछ दिन पहले ही सोशल मीडिया पर पहली बार सामने आया था।

इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल कैट्ज ने एक बयान में कहा कि उनका देश इजराइल के प्रति हर खतरे और गोलाबारी के लिए सीरियाई राष्ट्रपति को सीधे तौर पर जिम्मेदार मानता है और उन्होंने इसका उचित जवाब देने की चेतावनी दी है। सीरिया के विदेश मंत्रालय ने सरकारी टीवी चैनल पर दिए गए एक बयान में कहा कि उसने अब तक सीरिया से इजराइल पर किए गए हमलों की रिपोर्ट की सत्यता की पुष्टि नहीं की है।

रूस ने यूक्रेन के ड्रोन हमले से बचने की कोशिश की थी, लेकिन सफल नहीं हुआ, सैटेलाइट इमेज से खुलासा

मॉस्कोख, एजेंसी।
ऑपरेशन स्पाइडर वेब के जरिए यूक्रेन ने रूस के स्वाभिमान पर चोट की है और इसका असर बहुत गहरा हुआ है। अब कई उपग्रह तस्वीरों (सैटेलाइट इमेज) से पता चला है कि रूस ने यूक्रेन के हमले से बचने की खूब कोशिश की थी, लेकिन उसकी एक न चली। यूक्रेन ने रूस की सीमा में कई हजार किलोमीटर भीतर घुसकर हमला किया और रूसी वायुसेना के 40 से ज्यादा आधुनिक विमानों, जिनमें स्ट्रैटेजिक बॉम्बर्स, ट्रांसपोर्ट विमान और एयरबोर्न वार्निंग एयरक्राफ्ट्स शामिल हैं, उन्हें तबाह कर दिया। इस हमले में रूसी सेना को बड़ा नुकसान हुआ है।

बेलाया एयर बेस- साइबेरिया के इर्कुत्सक क्षेत्र में स्थित और सीमा से इसकी दूरी करीब 4500 किलोमीटर है। ओलेन्या एयर बेस- आर्कटिक के मुर्मांस्क में स्थित सीमा से इसकी दूरी करीब 2000 किलोमीटर है। इवानोवो सेवेरनी एयर बेस- सीमा से 800 किलोमीटर भीतर। देगीलेवो एयर बेस- रेजान इलाके में स्थित- सीमा से 520 किलोमीटर भीतर। यूक्रेन्का एयर बेस- रूस के पूर्व में स्थित- सीमा से 8000 किलोमीटर भीतर। रूस ने की थी बचाव की कोशिश

मैक्सर टेक्नोलॉजी ने रूस के इन एयरबेस की यूक्रेन के ड्रोन हमले से पहले और बाद की तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों से पता चला है कि रूस को इन एयरबेस पर यूक्रेन के हमले की आशंका न के बराबर थी क्योंकि यूक्रेन की मिसाइलों की रेंज भी रूस के इनमें से कई एयरबेस तक नहीं थी। हालांकि इसके बावजूद रूस ने बचाव के उपाय किए हुए थे। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि रूस ने कई विमानों को टायरों से ढका हुआ था ताकि उन्हें सैटेलाइट से नहीं देखा जा सके। साथ ही रूसी वायुसेना ने एयरबेस के हैंगर पर जमीन पर विमानों की पेंटिंग बनाई हुई थी ताकि दुश्मन को चकमा दिया जा सके। हालांकि इस सबके बावजूद यूक्रेन का हमला इतना सटीक था कि रूस को भारी नुकसान उठाना पड़ा। यूक्रेन ने जिन विमानों को निशाना बनाया, उनमें ओलेन्या एयर बेस पर टीयू-22 विमान शामिल थे। ये विमान रूसी वायुसेना द्वारा दुश्मन के लड़ाकू विमानों को तबाह करने के लिए मुख्य तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा टीयू-95 बॉम्बर विमान को भी निशाना बनाया गया। टीयू-95 बॉम्बर रूसी वायुसेना का मुख्य बॉम्बर विमान है। चार इंजन टर्बोप्रॉप वाला यह इंटरकॉन्टिनेंटल विमान परमाणु हथियार ले जाने में भी सक्षम है। ओलेन्या एयर बेस पर हमले के बाद धुएं का भारी गुबार देखा गया।

यूक्रेन ने सेवेरनी एयरबेस पर रूसी वायुसेना के ए-50 अवाक्स लड़ाकू विमानों को भी तबाह कर दिया। ये विमान रूस की लड़ाकू क्षमता के लिए अहम हैं। पहले ही रूस इन विमानों को युद्ध में गंवा चुका है और अब इस हमले ने रूसी वायुसेना की ताकत को काफी बड़ा झटका दिया है।

अमेरिका में कृषि आतंकवाद फैलाना चाहता था चीन?

खतरनाक बायो हथियार के साथ पकड़ी गई चीनी महिला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की केंद्रीय जांच एजेंसी एफबीआई ने एक चीनी नागरिक को अमेरिका में एक खतरनाक जैविक रोगजनक की तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार की गई चीनी नागरिक का नाम युनकिंग जियान है। जियान पर आरोप है कि वह एक खतरनाक जैविक रोगजनक (बायोलॉजिकल पैथोजन) को अमेरिका में तस्करी कर लाई थी। खुद एफबीआई प्रमुख काश पटेल ने मंगलवार को इस मामले की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की।

पटेल ने बताया कि गिरफ्तार की गई महिला युनकिंग जियान यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन में काम कर रही थी। उस पर आरोप है कि उसने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के प्रति वफादारी जताई है और उसे चीन सरकार से इसी फंगस पर काम करने के लिए फंडिंग भी मिली थी। चीनी महिला पर जिस पैथोजन की तस्करी का आरोप है उसे विज्ञान की दुनिया में संभावित कृषि आतंकवाद हथियार के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

पटेल के मुताबिक, जियान ने फ्यूजेरियम ग्रैमिनेरम नाम की खतरनाक फंगस को अमेरिका में लाकर रिसर्च के लिए इस्तेमाल किया। यह फंगस एक एग्रो-टेररिज्म एजेंट मानी जाती है जो गेहूं, जौ, मक्का और धान जैसी प्रमुख फसलों में हेड ब्लाइट नामक रोग फैलाती है। यह न केवल फसलों को भारी नुकसान पहुंचाती है, बल्कि इंसानों और जानवरों की सेहत के लिए भी खतरनाक मानी जाती है। पटेल ने लिखा, यह फंगस हर साल दुनियाभर में अरबों डॉलर की आर्थिक क्षति पहुंचाने के लिए जिम्मेदार है। जांच एजेंसियों ने इस मामले में जियान के प्रेमी जुनयोंग लियू को भी आरोपी बनाया है, जो चीन की एक यूनिवर्सिटी में कार्यरत है। आरोप है कि उसने पहले झूठ बोला लेकिन बाद में कबूल किया कि वह भी यही फंगस डेट्रॉइट मेट्रोपॉलिटन एयरपोर्ट के जरिए अमेरिका लाया था, ताकि यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन में रिसर्च कर सके। जियान और लियू दोनों पर षड्यंत्र, अमेरिका में अवैध वस्तुएं तस्करी करने, झूठे बयान देने और वीजा धोखाधड़ी जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

ईरानी पुलिस ने लापता हुए तीन भारतीयों को बचाया

तेहरान ख, एजेंसी।ईरानी पुलिस ने पिछले महीने लापता हुए तीन भारतीयों को बचाया है। भारत स्थित ईरानी दूतावास ने इसकी जानकारी दी। दूतावास ने स्थानीय मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि पिछले महीने ईरान में लापता हुए तीन भारतीय नागरिकों को सफलतापूर्वक बचा लिया गया है। ये स्थानीय ट्रैवल कंपनी की ओर से आकर्षक नौकरी का वादा किए जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया जा रहे थे। तीनों व्यक्तियों की पहचान जसपाल सिंह, हुसनप्रीत सिंह और अमृतपाल सिंह के रूप में हुई है, जो पंजाब के रहने वाले हैं और पहली मई को तेहरान पहुंचने के तुरंत बाद लापता हो गए थे। दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पुष्टि की कि तेहरान पुलिस ने लापता व्यक्तियों को मुक्त कर दिया है। ईरानी दूतावास ने पोस्ट किया, तेहरान पुलिस ने तीन लापता भारतीय नागरिकों को मुक्त करा लिया है। ईरान में स्थानीय मीडिया का कहना है कि पुलिस ने ईरान में लापता हुए तीन भारतीयों को ढूंढ़कर रिहा करा लिया है। ईरानी समाचार एजेंसी मेहर के अनुसार, ये लोग एक स्थानीय ट्रैवल कंपनी द्वारा आकर्षक नौकरी का वादा किये जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया जा रहे थे। तस्नीम समाचार आउटलेट के मुताबिक, तीनों को दक्षिणी तेहरान स्थित वरामिन में बंधक बनाने वालों के खिलाफ पुलिस अभियान के बाद बचाया गया। लापता व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों द्वारा अपने रिश्तेदारों के अचानक लापता होने पर गंभीर चिंता व्यक्त करने के बाद भारतीय दूतावास ने 28 मई को एक बयान जारी किया था। बयान में कहा गया है, तीन भारतीय नागरिकों के परिवार के सदस्यों ने भारतीय दूतावास को सूचित किया है कि उनके रिश्तेदार ईरान की यात्रा के बाद लापता हो गए हैं। दूतावास ने इस मामले को ईरानी अधिकारियों के समक्ष जोरदार तरीके से उठाया है और अनुरोध किया है कि लापता भारतीयों का तत्काल पता लगाया जाए और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

पंचायतों को तम्बाकू मुक्त बनाएं, तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति का करें गठन : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अन्तर्गत उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति की बैठक हुई। मौके पर पुलिस अधीक्षक हरविन्दर सिंह, सिविल सर्जन डा. ए बी प्रसाद, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढ़ांडा, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो मुकेश मछुआ, डीसीएलआर चास प्रभास दत्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो, जिला भू अर्जन पदाधिकारी द्वारिका बैठा आदि उपस्थित थे। बैठक में बोकारो जिला में चल रहे तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में अभी तक की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस क्रम में जिला परामर्शी मो0 असलम के द्वारा कोटपा-2003 के विभिन्न धाराओं का अनुपालन करने हेतु गठित जिला, अनुमण्डल एवं प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ-साथ थाना स्तर पर अभी तक की गई कार्रवाई/चालान की जानकारी साझा की। जिस पर उपायुक्त ने थाना स्तर पर कार्रवाई/चालान की संख्या को बढ़ाने का निर्देश दिया। वहीं, जिला में कोटपा-2003 के विभिन्न धाराओं के अनुपालन में कार्रवाई को लेकर बेहतर प्रदर्शन करने वाले थाना प्रभारी बी.एस.सिटी. को प्रथम पुरस्कार, थाना प्रभारी बी.टी.पी.एस. को द्वितीय पुरस्कार एवं थाना प्रभारी चास को तृतीय पुरस्कार के रूप में शिल्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। बैठक में जिला परामर्शी द्वारा बताया गया कि बोकारो जिला के 46 ग्राम पंचायतों में मुखिया की अध्यक्षता में ग्रामीण स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति का गठन किया जा चुका है। जिस पर उपायुक्त ने जिला के शेष सभी पंचायतों को तम्बाकू मुक्त बनाते हुए मुखिया की अध्यक्षता में ग्रामीण स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति का गठन करने को कहा। बैठक में नगर निगम क्षेत्र के दुकानों पर तम्बाकू उत्पाद के प्रचार-प्रसार के पोस्टर लगे दिखते है जिनको निगम क्षेत्र में टैप्स (तम्बाकू विज्ञापन संवर्धन और प्रायोजन) के पोस्टर हटाने का निर्णय निगम प्रशासन को दिया गया। वहीं, स्कूलों के बाहर तम्बाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान का बोर्ड लगाने का निर्देश दिया। मौके पर नोडल पदाधिकारी एन.सी.डी. डा. सुधा सिंह द्वारा बताया गया कि 25 मई से 26 जून तक तम्बाकू के दुष्प्रभाव के प्रति जन जागरूकता को लेकर जिले में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों से इसमें समन्वय/सहयोग का अपील किया। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर,मुख्यालय डीएसपी अनिमेश गुप्ता, चास अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रवीण कुमार, सीटी डीएसपी आलोक रंजन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता, उपाधीक्षक सदर अस्पताल बोकारो डा. अरविन्द कुमार, जिला कार्यक्रम प्रबंधक दीपक कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल कुमार चौबे, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी थाना प्रभारी व अन्य सदस्य उपस्थित थे। अंत में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी ने तम्बाकू का सेवन नहीं करने को लेकर सभी को शपथ दिलाया।

हमलावर गिरफ्तार नहीं हुए तो गांधी विचार मंच करेगा आंदोलन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गांधी विचार मंच के सेक्टर-12 स्थित कार्यालय में आज एक आपात बैठक हुई, जिसमें मंच के अध्यक्ष दीपक गुप्ता की अध्यक्षता और महासचिव विनेश कुमार नायक के संचालन में वैश्य समाज के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में जिला 20 सूत्री समिति के पूर्व उपाध्यक्ष लक्ष्मण कुमार नायक पर हुए जानलेवा हमले की कड़ी निंदा की गई।

बैठक में बताया गया कि 1 जून 2025 की शाम लगभग 5 बजे श्री नायक बोकारो से धनबाद जा रहे थे। चास (मु०) थाना के पास अपने मामा से मिलने के बाद जब वे एनएच-32 पर खड़ी अपनी गाड़ी के पास लौट रहे थे, तभी अशोक शर्मा और हीरा लाल शर्मा सहित अन्य लोगों ने उन पर अचानक हमला कर दिया। आरोपियों ने न सिर्फ गाली-गलौज की बल्कि जानलेवा हमला करते हुए लूटपाट भी की और उनकी गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के तुरंत बाद लक्ष्मण नायक ने चास (मु०) थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अभी तक पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उल्टे एक फर्जी काउंटर केस (कांड सं. 72/2025) दर्ज कर दिया गया है, जबकि घटना की सच्चाई सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। यह फुटेज श्री नायक के मामा के घर में लगे कैमरे से लिया गया है और थाना प्रभारी को भी सौंपा जा चुका है। गांधी विचार मंच और वैश्य समाज के नेताओं ने आरोप लगाया कि उक्त हमलावर आपराधिक प्रवृत्ति के हैं, जिन पर पहले से ही कई थानों में केस दर्ज हैं। ऐसे असामाजिक तत्वों पर पुलिस का कोई खौफ नहीं है। बैठक में यह चेतावनी दी गई कि यदि कांड सं. 71/2025 के आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार नहीं किया गया, तो गांधी विचार मंच एवं वैश्य समाज के अन्य संगठन धरना-प्रदर्शन और आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इसके परिणामस्वरूप यदि कोई अप्रिय घटना घटती है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी पुलिस एवं जिला प्रशासन की होगी।

सहमति के बाद भी नियोजन नहीं मिलने से प्रशिक्षित विस्थापित आक्रोशित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सेल बोकारो स्टील के द्वारा प्रशिक्षित 1500 बेरोजगार युवकों को आंदोलन के बाद प्रत्येक महीने 50 अप्रेंटिस युवाओं को कंपनी में नियोजन देने की बात पर सहमति बनी थी। लेकिन ढाई महीने बीत जाने के बाद भी इस पर पहल शुरू नहीं हुई है। इसको लेकर बोकारो विस्थापित अप्रेंटिस संघ ने सेल प्रबंधन और धनबाद के भाजपा सांसद ढुल्लू महतो से चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि प्रबंधन विस्थापितों के सब्र की परीक्षा ना ले, अभी एक विस्थापित ने अपनी जान देकर कीमत चुकाई है। अब आगे हम लोग जान देने से पीछे नहीं हटेंगे। विस्थापित युवाओं ने कहा कि इस बार हम लोग मार खाने के लिए नहीं, बल्कि पारंपरिक हथियार के साथ करने के लिए भी तैयार रहेंगे। पिछले ढाई महीने पहले आंदोलन के दौरान अप्रेंटिस किया हुए प्रेम महतो की सीआईएसएफ और बोकारो स्टील के सुरक्षाकर्मियों के द्वारा की गई पिटाई से मौत हो गई थी उसके बाद बोकारो डीसी की अध्यक्षता में हुई वार्ता में प्रत्येक महीने 50 अप्रेंटिस किए हुए युवाओं को नियोजन देने की बात कही गई थी। लेकिन ढाई महीने बीत जाने के बाद भी इस पर पहल शुरू नहीं हुई है। इसी को लेकर एक बार फिर से विस्थापित आंदोलन की राह पकड़ने को लेकर बैठक करते हुए चेतावनी देने का काम किया है।

ईद -उल- जुहा पर्व को लेकर बोकारो जिला शांति समिति की बैठक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित सभागार में बुधवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी अजय नाथ झा झ पुलिस अधीक्षक हरविन्दर सिंह की अध्यक्षता में ईद -उल- जुहा (बकरीद) पर्व को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक हुई। इस दौरान उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी अजय नाथ झा पुलिस अधीक्षक हरविन्दर सिंह ने क्रमवार सभी क्षेत्रों के थाना प्रभारियों एवं बीडीओ/सीओ से उनके -उनके प्रखंड के संवेदनशील क्षेत्रों की समीक्षा की। प्रखंड -थाना स्तरीय शांति समिति की बैठक हुई या नहीं पूछा। जिस पर सभी संबंधित पदाधिकारियों ने शांति समिति की बैठक समाज के सभी वर्गों/पंचायत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में होने की बात कहीं। द्वय पदाधिकारियों ने क्रमवार पूर्व में हुए विवाद आदि के संबंध में जानकारी ली। उन स्थानों पर विशेष चौकसी बरतने को कहा। पूर्व में थाना क्षेत्रों में जहां झ जहां किसी तरह की कोई सांप्रदायिक घटना हुई है या वर्तमान में किसी बात को लेकर तनाव है, संबंधित असामाजिक तत्वों/नामजद आरोपितों पर धारा 126 व अन्य के तहत कार्रवाई करने को कहा। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी ने सभी प्रशासनिक झ पुलिस पदाधिकारियों, बीडीओ/सीओ - थाना प्रभारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि आम लोगों में प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ें और असामाजिक तत्वों के बीच प्रशासन को लेकर खौंफ दिखें। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी ने कहा कि सभी

बीडीओ/सीओ - थाना प्रभारी नमाज स्थल एवं कुबार्नी तथा अन्य कार्यक्रमों में सौहार्द बना रहें इसे सभी सुनिश्चित करेंगे। जरूरतनुसार पुलिस बलों को प्रतिनियुक्त करेंगे, नियमित पुलिस पेट्रोलिंग भी करेंगे। साइबर सेल को वाट्स एप एवं सोशल मीडिया के अन्य प्लेटफार्म पर सक्रिय रहने, उनकी निगरानी का निर्देश दिया। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी झ पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों, पुलिस निरीक्षकों, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी को अपनी नेटवर्किंग मजबूत रखने और संवेदनशील इलाकों के सूचना तंत्र को सक्रिय करने को कहा। स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों/विभिन्न वर्गों के बुजुर्ग - महत्वपूर्ण लोगों से भी संपर्क में रहने और आवश्यकतानुसार सीसीटीवी/ड्रोन कैमरे से निगरानी करना सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त जारी निर्देश को अच्छी तरह पढ़ लेने एवं निदेर्शों का अनुपालन करने को कहा। उन्होंने अनुमंडल स्तर पर क्यूआर टीम गठित करने, थानों में पुलिस बल प्रतिनियुक्ति की बात कहीं। क्षेत्र में बीडीओ/सीओ -थाना प्रभारी व अन्य अधिकारी एक टीम की तरह काम करेंगे। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम से लगातार संपर्क में रहेंगे। किसी भी तरह की सूचना को तुरंत साझा करेंगे। संवेदनशील क्षेत्रों में थाना प्रभारियों को फ्लैग मार्च निकालने को कहा। इससे पूर्व, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढ़ांडा, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो मुकेश मछुआ आदि ने आमजनों द्वारा प्राप्त किसी भी संवेदनशील सूचना/छोटी सूचना की अवहेलना नहीं करते हुए उस पर तत्काल कार्रवाई करने को कहा। मौके पर विशेष शाखा द्वारा चिन्हित संवेदनशील स्थानों झ सुझावों से भी सभी थाना प्रभारियों, बीडीओ/सीओ को अवगत कराया गया।

बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक

गोविंदपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गोविंदपुर थाना परिसर में बकरीद त्योहार को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। थाना प्रभारी रुस्तम अली ने अपील की कि वे मिलकर इस त्योहार को मनाएं। अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि यदि कोई अप्रिय घटना होती है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें सभी को सरकार की गाइडलाइन के अनुसार त्योहार

मनाने की सलाह दी गई त्योहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की आवश्यकता पर जोर दिया उन्होंने सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों से दूर रहने की भी अपील की शांति समिति के अन्य सदस्यों ने भी अपने विचार साझा किए मौके पर मौजूद गोविंदपुर प्रखंड के मुखिया सामिल हुए सोराब अंसारी, बलराम साहब, मोहम्मद अख्तर हुसैन अंसारी, गोविंद राय, हाशिम अंसारी, कालेश्वर साव, आदि उपस्थित थे ।

ईद-उल-जुहा को लेकर जिलास्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में आज समाहरणालय के सभागार

में ईद-उल-जोहा (बकरीद) को लेकर जिलास्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि शांति समिति के सदस्यों ने पानी, बिजली, साफ सफाई इत्यादि से संबंधित जो भी मुद्दे उठाए हैं उसका जिला प्रशासन द्वारा समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही कहा कि त्योहार के दौरान सोशल मीडिया में दुष्प्रचार या किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने का प्रयास न करें। ऐसा करने वालों के विरुद्ध प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया में प्रसारित होने वाली अफवाह या दुष्प्रचार की जानकारी निकटतम थाना को दें। अफवाह फैलाने वाले को भी ऐसा करने से रोकें। उपायुक्त ने कहा कि त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले के सभी प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी मुस्तैद रहेंगे। उन्होंने सभी को ईद-उल-जोहा की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक श्री प्रभात कुमार ने कहा कि त्योहार के दौरान कानूनी रूप से प्रतिबंधित पशुओं की कुबार्नी नहीं दें। ऐसा करने वालों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह हर्षोल्लास का त्योहार है। सभी मिलजुल कर पाक उद्देश्य से इसको मनाएं। उन्होंने शांति समिति के सदस्यों से मुहल्ले के उपद्रवी तत्वों, सोशल मीडिया पर किसी की धार्मिक भावना को आहत करने वालों, मोटरसाइकिल का साइलेंसर मोडिफाइ कर तेज ध्वनि से आवाज निकालने वालों की सूचना पुलिस को देने की अपील की। बैठक में भोला राम, राम गोपाल भुवानिया, मुन्ना सिद्दीकी, मदन महतो, गुरमीत सिंह, विष्णु त्रिपाठी, भगत सिंह, अरिंदम बनर्जी, विजय शर्मा, शकील अहमद, मेराज खान, गुल्लू चौधरी, मोहम्मद कयूम खान, मोहम्मद शहाबुद्दीन, मोहम्मद अफजल, महादेव हांसदा, श्री बैजनाथ यादव, निसार आलम, शमशेर आलम, श्री अजय कुमार तिवारी, डब्लू बाउरी, डी.एन. प्रसाद यादव, कुलदीप अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्या से अवगत कराया। बैठक में उपायुक्त श्री आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पियूष सिन्हा, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, सभी अंचल अधिकारी, सभी विभागों के पदाधिकारी, डीएसपी शंकर कामती, धीरेंद्र नारायण बंका, सुमित कुमार, नौशाद आलम, अरविन्द कुमार सिंह, सभी थाना प्रभारी सहित अन्य प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

भाजपा किसान मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल पीड़ित आदिवासी परिवार से मिला

आदिवासी भय के माहौल में जीने को विवश : अर्जुन सिंह

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह के नेतृत्व में एक टीम जिले के कडरू खूंटा, पैक, नारायणपुर गांव के पीड़ित महिला एवं झूठे केश में फंसाए गए परिजनों से मुलाकात की। हाल चाल जाना और गरीब आदिवासी परिवार को चावल,आलू खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराया।

गांव में आज भी भय का वातावरण है। ऐसे में गांव के गरीब आदिवासी खेती छोड़ कर पलायन करने को मजबूर है। भाजपा नेता अर्जुन सिंह ने कहा हेमंत सरकार जल्द से जल्द पीड़ित परिवार को सुरक्षा मुहैया कराए। झारखंड में हेमंत सरकार आदिवासियों को सिर्फ बोट बैंक के रूप में इस्तमाल कर रहा है उनकी दुख और तकलीफ से कोई लेना देना नहीं है, अब आदिवासी समाज समझ चुके है, हेमंत सरकार सिर्फ और सिर्फ मुसलमानों की हितैषी है। आदिवासी से उनका कोई मतलब नहीं है। मौके पर भाजपा अनुसूचित जनजाति प्रदेश मीडिया प्रभारी फूलचंद किस्कू, भाजपा नेता ,जय नारायण मरांडी ,मंगल टुडू ,बसंत राय मुंडा, बन्नूराम मुर्मू, सुरेंद्र मुर्मू, गणेशराम मरांडी, राजकुमार किस्कू,लालचंद महतो, शंकर बेसरा इत्यादि।

राज्यपाल के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर डीसी एसपी ने कार्यक्रम स्थल का लिया जायजा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरुवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के दामोदर नदी तट समीप स्थित प्रस्तावित कार्यक्रम देवनद-दामोदर महोत्सव-2025 को लेकर बुधवार को उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरविन्दर सिंह ने कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। इस दौरान डीसी-एसपी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को जरूरी दिशा झ निर्देश दिया। उन्होंने राज्यपाल समेत अन्य अतिथियों के आगमन, वाहन पार्किंग, पंडाल, कार्यक्रम स्थल, आरती स्थल आदि को चिन्हित करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिया। उपायुक्त ने क्रमवार सभी पदाधिकारियों को कार्यक्रम को आयोजित कर रहे संस्था से समन्वय स्थापित करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर आवश्यक दिशा झ निर्देश दिया। उन्होंने ससमय सभी तैयारियों को पुरा करने को कहा। वहीं,पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा झ विधि व्यवस्था को लेकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी व अन्य पदाधिकारियों को जरूरी दिशा झ निर्देश दिया। मौके पर जिला स्तरीय सभी पदाधिकारीगण एवं संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

दामोदर महोत्सव का राज्यपाल करेंगे उद्घाटन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पांच जून को आयोजित देवनद दामोदर महोत्सव की सभी तैयारियां पूर्ण हो गई हैं। मुख्य कार्यक्रम तेलमच्चो पुल के नीचे आयोजित है। राज्य के 45 स्थानों पर दामोदर महोत्सव का आयोजन हो रहा है। यह कार्यक्रम युगांतर भारती, नेचर फाउंडेशन, दामोदर क्षेत्र विकास ट्रस्ट, आई आई टी (आई एस एम) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रहा है। युगांतर भारती के अध्यक्ष अंशुल शरण ने यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि तेलमच्चो में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार महोत्सव का उद्घाटन करेंगे। वह दामोदर नद की पूजा करेंगे।

बैंक ऑफ इंडिया की बाबूडीह शाखा नए भवन में स्थानांतरित

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बैंक ऑफ इंडिया शाखा के बाबूडीह में नवनिर्मित परिसर का उद्घाटन हुआ । इस अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया शाखा के प्रबंधक नीतीश कुमार ने कहां की पुराने भवन में कम जगह होने कारण बैंक के खाताधारियों को सुविधा नहीं मिल पाता था । बैंक नए भवन में स्थानांतरण होने से बैंक के खाताधारियों को बेहतर सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस शाखा में सरकार की कई योजना, मुद्रा योजना, पीएम विश्वकर्मा, महिलाओं के लिए स्टार सखी योजना, पीएमईजीपी, पीएमएफएमई, गुरुकुल स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, प्रधानमंत्री बीमा सुरक्षा योजना में ₹20 में दो लाख तक का लाइफ इंश्योरेंस मिलता है लॉकर की सुविधा सभी उपलब्ध है । इस मौके पर अभिषेक कुमार सिन्हा, केशव कुमार, बसु कुमार दास, नौशाद खान सेवा सभी बैंक कर्मियों उपस्थित थे।

इस वित्तीय वर्ष में एक लाख पौधे लगाएगा डीएवी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। डीएवी सेक्टर-4 बोकारो के प्राचार्य एस०के०मिश्रा ने आज वसुधैव कुटुंबकम्ब की परंपरा की ओर एक और प्रशस्त कदम बढ़ाते हुए विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वर्तमान सत्र 2025-26 में एक लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस बृहत परियोजना की पहली कड़ी आज विद्यालय प्रांगण में वृक्ष लगाकर शुभारंभ की गई । पर्यावरण बचाव हेतु विद्यार्थियों,उनके अभिभावकों और समाज के सभी कड़ियों को जागरूक ही नहीं अपितु क्रियाशील बनाना ही इस परियोजना का उद्देश्य और प्रबल उपलब्धि है। विश्व पर्यावरण दिवस के इस वर्ष का नारा भी है साझा चुनौती, सामूहिक कार्रवाई। प्राचार्य श्री मिश्रा ने इस बाबत आगे कहा कि वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना ही विश्व पर्यावरण दिवस का इस वर्ष का

विषय है। प्लास्टिक का अंधाधुंध प्रयोग हमारे पर्यावरण ही नहीं बल्कि हमारे शरीर और अन्य जीव जंतु पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। प्राकृतिक संसाधनों का अवैचारिक रूप से सतत दोहन वर्तमान ही नहीं अपितु आगामी भविष्य में भी संपूर्ण मानव जाति के अस्तित्व पर अकल्पनीय दुष्परिणाम डालेगा और मात्र वृक्षारोपण के द्वारा ही हम समस्त प्राकृतिक संसाधनों के पुनरुत्थान की दिशा में सटीक कदम उठाए उठा सकते हैं।आज के वृक्षारोपण कार्यक्रम में इसीलिए विद्यालय के अनेक छात्रों, शिक्षकगणों एवं कार्यालय कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से शामिल होकर इस परिकल्पना को मूर्त रूप प्रदान किया ।

विश्व पर्यावरण दिवस सप्ताह पर बीएसएल ने 'बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन' थीम के तहत जागरूकता अभियान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएसएल के पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस-2025 के अंतर्गत झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहयोग से आज दिनाँक 04 जून को बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर-5 हटिया में विश्व पर्यावरण दिवस सप्ताह के अंतर्गत 'बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन' थीम के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया. इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी) श्री डी.के. सक्सेना, श्रीमती प्रीति झा, महाप्रबंधक (पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी), श्री उमेश कुमार, उप महाप्रबंधक (पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी), नितेश रंजन, सहायक महाप्रबंधक (पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी) तथा झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से सौगत महतो के साथ पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी विभाग के मनीष राज, अजीत कुमार, रूपेश कुमार, मुनीष कुमार, नरेंद्र कुमार, अरविन्द कुमार आदि उपस्थित थे.

'बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन' थीम के तहत जागरूकता अभियान में बोकारो शहर के उन नागरिकों को रोज बड्स वितरित किया गया जो खरीदारी के लिए घर से लाए बैग का उपयोग कर रहे थे. सेक्टर-5 हटिया में सामान खरीदने के लिए जो लोग बैग नहीं लाये थे उन्हें प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम 2021 के सिंगल यूज प्लास्टिक का निर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, बिक्री और उपयोग पर रोक के सम्बन्ध में जागरूक किया गया तथा उन्हें निःशुल्क जूट बैग प्रदान किया गया. सब्जी विक्रेताओं को भी किसी भी ग्राहक को सिंगल यूज प्लास्टिक नहीं देने के लिए जागरूक किया गया.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com